

सं0 397

नई बिल्ली, शनिवार, सितम्बर 25, 1982 (आश्विन 3, 1904)

No. 39]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 25, 1982 (ASVINA 3, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### माग 111-वन्द्र 1

## [PART III--SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 श्रगस्त 1982

सं० 38012/1/81-प्रशा० 11--- प्रध्यक्ष, मंघ लोक सेवा भ्रायोग द्वारा संघ लोक सेवा भ्रायोग के कार्यालय में स्थायी प्रोग्रामर तथा भ्रायोग के कार्यालय में तदर्थ भ्राधार पर संप्रति वरिष्ठ प्रोग्रामर श्री एम० के० भल्ला को केन्द्रीय सिविल सेवा (पंश्रान) नियमावली, 1972 के नियम 48-क के भ्राधीन उनके स्वयं के भ्रानुरोध पर 31 श्रगस्त, 1982 (भ्रापराह्न) में सरकारी सेवा में निवृत्त होने की सहर्ष श्रानुमति दी जाती है।

य० रा० गांधी श्रवर सचिव (प्रशा०) श्रुते प्रध्यक्ष संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 ज्लाई 1982

मं० ए० 32014/1/82-प्रशा० III—संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय के निम्नलिखित सहायकों को राष्ट्रपति हारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट श्रवधि के लिए अथवा श्रागामी श्रादेणों तक जो भी पहले हो, श्रनुभाग श्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप मे तदर्थ श्राधार पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:--

ऋ० नाम सं०	पदोन्नति की ग्रवधि
1 श्रीके० जी० नायर	1-7-82 मे 30-9-82 तक
2. श्रीबी० मी० गुप्ता	4-7-82 में 31-8-82 तक
3 श्री एम० के० राय	1-7-82 से 30-9-82 तक

#### दिनांक 28 अगस्त 1982

मं० ए० 32013/2/82-प्रशा० I—केन्द्रीय मिचवालय मेवा मे निस्निखित स्थायी श्रनुभाग श्रीधकारियों को राष्ट्रपति प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट श्रविध के निए, सथ लोक सेवा स्थायंश के कायालिय में उपत जैयों के ग्रेष्ठ-। स्वयंत्र सचिव के पट पर नदर्भ

(13255)

माधार पर स्थानापन्न रूप मे करते हैं:-	कार्ये करने के लिए सहर्ष नियमत
क्र नाम सं०	भवधि
सर्वेक्षी	
1. <b>पंशा</b> लाल	3-7-82 से 2-10-82 तक
2. एस० के० मिश्र	2-7-82 में 1-10-82 तक
3. बी० एन० भ्रगेड़ा	1-7-82 से 30-9-82 तक
	य० रा० गांधी
	ग्रवर सचिव (प्रशा०)
	संघ लोक सेवा ग्रायोग

### केन्द्रीय सतर्कता स्रायोग

### नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

मं० 2/18/82-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त एतद्-द्वारा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के श्री बी० एस० केन्ध्र, सहायक श्रीभयन्ता (सिविल) को केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग में सहायक तकनीकी परीक्षक के पद पर ६० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के बेतनमान में तथा ह. 75/- प्रति मास श्रतिरिक्त विशेष बेतन पर स्थानापन्न रूप से दिनांक 9 जुलाई 1982 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

> कृष्ण लाल मल्होसा श्रवर सचिव कृते केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त

# गृह्य मंन्त्रालय का० एंव प्र० सु० विभाग केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1982

सं० ए-19021/12/82-प्रशा०-5---राष्ट्रपति अपने प्रसाद से आंध्र प्रदेश संवर्ग अधिकारी श्री जी० रामजन्द्र रेड्डी, को दिनांक 25 अगस्स, 1982 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पृलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 6 सितम्बर 1982

सं० ग्रार०-3/69-प्रशासन-5--राष्ट्रपति ग्रपनं प्रसाद से श्री राजिन्दर लाल, उप-विधि-सलाहकार, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, जिन्होंने 58 वर्ष की ग्रायु प्राप्त कर ली है, की सेवाएं दिनांक 1 सितम्बर, 1982 से दिनांक 28 फरवरी, 1983 तक 6 मास की ग्रवधि के लिए बढाते हैं।

सं० म्रार०-3/69-प्रशासन-5—राष्ट्रपति म्रपने प्रसाद से श्री भ्रार० औ० मुलाबानी, उप-विधि-सलाहकार, केन्द्रीय भन्वेषण स्पूरो जिन्होंने 58 वर्ष की ग्रायु प्राप्त कर ली है, की सेवाएं दिनांक ा प्रकृत्यर, 1982 ने 31 मार्च, 1983 तक 6 गाम की मञ्जधि के लिए बढ़ाने हैं।

सं ० ए-19015/1/80-प्रणासन-5—श्री यू० सी० नागिया, अनुभाग श्रिधिकारी (नीति प्रभाग)/केन्द्रीय अन्वेषण न्यूरो की सेवाएं दिनांक 25 श्रगस्त, 1982 के श्रपराह्न से गृह मंद्रालय को सौपी जाती हैं।

स्रार० एस० नागपाल प्रशासनिक स्रधिकारी (स्था०)

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110022, दिनांक 2 सितम्बर 1982

सं० डी० एल-12/77-स्थापना---श्री एम० एस० राष्म्या, उप-पुलिस श्रधीक्षक, 34-वाहिनी, के० रि० पु० बल के मिजोराम पुलिस में प्रतिनियुक्ति पर जाने के फलस्वरूप, उनकी सेवाएं मिजोराम सरकार को दिनांक 21-8-1982 (श्रपराह्म) से निवर्तित की जाती है।

#### दिनांक 3 सितम्बर 1982

सं० घो० दो०-1192/74-स्थापना---राष्ट्रपति ने श्री एम० ए० झब्बर, उप-पुलिस अधीक्षक, ग्रुप सैन्टर, के० रि० पु० तल, हैदराबाद का त्याग पत्न दिनांक 10-8-1982 (अपराह्न) से स्वीकार कर लिया है।

सं० भ्रो० दो०~1455/79-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० भ्रानिल कौशल को 21 भ्रगस्त, 1982 के पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए प्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमे से जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ग्रो० दो०-1764/82-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० भवानी प्रसाद हजारिका को 26 जुलाई 1982 के ग्रपराह्म से केवल तीन माह के लिए ग्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा ग्रिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

> ए० के० <mark>सूरी</mark> सहायक निदेशक (स्थापना)

# भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 ग्रगस्त 1982

सं 10/30/81-प्रशा० 1---राष्ट्रपति, हिमाचल प्रदेश, शिमला में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय के वरिष्ठ भूगोलवेत्ता श्री के० एस० ठाकुर को राजस्थान, जयपुर में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 24 जुलाई, 1982 के पूर्वाह्म मे एक वर्ष से श्रनिधिक श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमिन श्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रवधि पहले हो, पदोन्नति द्वारा पूर्णत अस्थायी रूप से तदर्थ श्राधार पर श्रनुसंधान श्रधिकारी (मानचित्र) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री के० एस० ठाकुर का मुख्यालय जयपुर में होगा।

#### विनांक । सितम्बर 1982

सं० 11/8/80-प्रणा०-१—-राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिविल सेवा के श्रिष्ठकारी और महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशालय में प्रतिनियुक्ति पर उप-निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत, निम्निखिल श्रिष्ठकारियों को उनके नामों के सामने दिणान नारीख से महाराष्ट्र सरकार को प्रत्यावितित करते हैं:---

कम श्रक्षिकारीकानाम सं०

#### सर्वश्री

- 1. जी० डी० दिघे
- 2. ष्टी० वी० कुलकर्णी
- 3. एम० वी० खरे
- 4. डी० टी० देशम्ख
- वी० एस० धोंगडे
- 6. डी० डी० दाते
- 7. ग्रार० डी० खारोसेकर
- एम० एम० सांख्ये
- 9. एम० बी० वैरागडे

तारी**ख** 31 मई, 1982 के भ्रपराह्म स

### दिनांक 3 सितम्बर 1982

सं० 10/15/81-प्रणा०-1---इस कार्यालय की तारीख 31-7-1981 की समसंख्यक प्रिधिसूचता के अनुक्रम में राष्ट्र-पित, तिमलनाडू, मद्राम में जनगणना कार्य निदेशालय के उपित्रेशक, जनगणना कार्य श्री एन० राम राव को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में 13 जुलाई, 1982 से 6 महीने की और श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी श्रवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर पूर्णतः श्रस्थायी रूप से तद्यं श्राधार पर भारत के सहायक महापंजीकार (जनगणना श्रौर सारणीकरण) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री एन० राम राव का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

# केन्द्रीय अनुवाद क्यूरो राजभाषा विभाग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 1 सितम्बर 1982

फा० सं० 3-3/82-प्रशासन—श्री हरिकृष्ण शर्मा, कार्यालय प्रधीक्षक (स्थायी) को केन्द्रीय प्रनुवाद ब्यूरो में तदर्थ आधार पर प्रशासन श्रधिकारी के पद पर, वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में दिनांक 1-9-1982 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेश जारी होने नक, नियुक्त किया जाता है।

रामेश्वर प्रसाद मालबीय निदेशक

#### विसा मण्डालय

(म्राधिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नामिक रोड, दिनांक 24 ग्रगस्त 1982

सं० 1098/ए--निम्न हस्ताक्षरी, श्री एन० एम० सरदेसाई, लेखापाल (तृतीय श्रेणी श्रराजपित्रत भारत) प्रतिभूति मुद्रणालय को दिनांक 2-8-1982 से छैमाह की श्रविध के लिए या उक्त पद नियमित श्राधार पर भरे जाने तक इसमें जो भी पहले हो, संशोधित बेतन श्रेणी रूपये 840-1200 में तवर्थ श्राधार पर प्रशासन श्रिकारी के पद पर (सिबिल पद) नियुक्त करते हैं।

पी० एस० शिवरामः महाप्रबन्धक

# भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखाविभाग लेखा परीक्षा निदेशक का कार्यालय सिकन्दराबाद, दिनाक 3 सितम्बर 1982

सं० ए० यू०/प्रशा०/XIII/59 काल्यूम-I—लेखा परीक्षा निदेशक, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्वराबाद श्री डी० प्राणेश राय, मिलेक्शन ग्रेड अनुभाग श्रिक्षिकारी को वेतनमान 840-40-1000 दक्षता रोध-40-1200 रु० में लेखा परीक्षा श्रिक्षिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नति प्रदान करते हैं। यह पदोन्नति 23-9-1981 से, श्रियांत् उनके किनष्ठ (श्री एस० एन० श्रण्णाजी राव) की पदोन्नति की तारीख से प्रभावी होगी। यह प्रमाणित किया जाता है कि यदि श्री प्राणेश राय, विदेश सेवा शर्तों पर प्रतिनियुक्त नहीं होते वे लेखा परीक्षा ग्रिधकारी के रूप में बने रहेंगे।

टी० एस० रामसुक्रमणियन, लेखा परीक्षा उप निदेशक

#### रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 25 ग्रगस्त 1982

सं० प्रशा०/1/1172/1/(पी० सी०) — राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित श्रिधकारियों की, उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रु० 2250-125-2-2500) के स्तर-II में तदर्थ श्राधार पर की गई नियुक्तियों को, उनके नामों के सामने विखाई गई तारीखों श्रथवा जब तक नियमित व्यवस्था की जाती है, इनमें जो भी पहले हो, तक सहर्ष श्रौर श्रागे बढ़ाते हैं:—

कम श्रिधिकारीकानाम सं०	तारीख जिस तक तदर्थ श्राधार पर की गई नियुक्ति को बढ़ाया गया है
सर्वश्री 1. बी० एन० रल्लन	20.00.00
2. श्रार० एन० त्यागी	30-09-82 30-09-82

	<del></del>	
1 2	3	
मर्कश्री सर्वश्री		
3. के०पी० राव	30-09-82	
<ol> <li>ग्रार० कृष्णामूर्ति</li> </ol>	11-10-82	
<i>5.</i> के० सम्पथ कुमार	14-10-82	
6. <b>श्रार० के० माथृर</b>	11-10-82	

राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधि-कारियों की वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-22 में तदर्थ आधार पर, अनुक्रम नियम के अधीन की गई पदोर्झात के लाभ को भी उनके नामों के सामने दिखाई गई तारीखों तक सहर्ष और आगे बढाते हैं:----

1. श्री वी० एस० जाफा

14 - 10 - 82

श्री बी० स्वामीनाथन

11-10-82

#### दिनांक 1 सितम्बर 1982

स० प्रणा०/1/1172/1/1 (पी० सी०-I)—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित ग्रिधिकारी को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड के स्तर-ा (रु० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए छ: माह की ग्रविध श्रथवा नियमित प्रवन्ध हो जाने तक के लिए, इनमें में जो भी पहले हो, उनके नाम के समक्ष दर्शायी गई तारीख से तदर्थ श्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:--

ऋम सं०	नाम	तारीख
(1)	श्री जी० भट्टाचार्य	19-02-82

सं० प्रणा०/1/1172/1/1 (पी० सी०-II )—-राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित श्रिधकारी, जो उनके नाम के सामने लिखी प्रतिनियुक्ति पर है, को उक्त सेवा के विरष्ठ प्रशासनिक ग्रेष्ठ के स्तर-II (६० 2250-/125/2-2500) मे तदर्थ आधार पर छः माह की अवधि श्रथवा नियमित प्रबन्ध हो जाने तक के लिए, इनमे से जो भी पहले हो, उनके नाम के समक्ष दर्शायी गई तारीख से, "ग्रनुकम नियम के अधीन" महर्ष नियुक्त करते हैं:—-

ऋम सं०	नाम		तारीख		
(1)	श्रीकी० ज	ी० जोशी	06-08-82	Ţ,	कीकरण वित्तीय सलाहकार इलैक्ट्रोनिक्स, विभाग, नई दिल्ली

स० प्रणा०/1/1172/1/1 (पी० सी०-II)—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखत ग्रधिकारियों को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-II (रू० 2250125/2-2500) में स्थानापन्त रूप में काय करने के लिए छः माह की श्रवधि ग्रथवा नियमित प्रबन्ध हो जाने तक के लिए, इनमें से जो भी पहले हो, उनके नामों के समक्ष दर्शायी गई नारीखों में, तदर्थ श्राधार पर सहर्प नियुक्त करते हैं:——

ऋम स०	नाम	नारीख
	सर्वे श्री एम० के० गणेणन ज्ञान स्वरूप	20-07-82 06-08-82

सं० प्रणा०/1/1172/1/1 (पी० मी०-II)—भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारियों (जो प्रतिनियुक्ति पर हैं) की उक्त नेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-II (६० 2250 125/2-2500) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, तदर्थ आधार पर छः माह की प्रविध अथवा नियमिन प्रबन्ध हो जाने तक के लिए, इनमें जो भी पहले हो, अनुक्रम नियम के प्रधीन, नियुक्ति से सम्बन्धित दिनाक 16 जुलाई, 1982 की प्रिधसूचना सं० -प्रशा०/1/1172/1/1 (पी० सी०-II) के सन्दर्भ में ।

(2) ऋम सं० (2) श्री बी० वी० श्रवादवी के सामने दिनांक "06-05-82" के स्थान पर ''15-02-82" पढ़ें।

सं० प्रणा०/1/1174/1/I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड (रु० 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने लिए, श्रागामी श्रादेण पर्यन्त, उनके नामों के समक्ष दर्शायी गई तारीखों से, सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

ऋम नाम सं०	तारीख
(1) श्री सतीश कुमार शर्मा	31-05-82
(2) श्रीमती नीता कपूर (3) श्री ग्रसोंग सिगंसित	21-07-82 06-08-82

ग्रार० के० माथुर रक्षा लेखा श्रपर महानियन्त्रक (प्रशासन)

#### रक्षा मंत्रालय

#### श्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

डी॰ जी॰ ग्रो॰ एफ॰ मुख्यालय सिविल मेवा कलकत्ता, दिनाक 27 सितम्बर 1982

सं० 11/82/ए/ई-1 (एन० जी०) — आर्डनेन्स फैक्टरियों के महानिदेशक महोदय, निम्नलिखित व्यक्तियों की उनके सामने दर्शाए गए पदों में एवं तारीखों में स्थानापन्त रूप में वर्तमात

रिक्तियों में, तदर्थ	श्राधार पर, वरिष्ठता	पर बिना प्रभावी हुए,
प्रोन्नत करते हैं <sup>.</sup>		

1 2	3	4
<ol> <li>श्री ग्रार० एल० चौधुरी, स्थानापन्न सहायक</li> </ol>	श्रसिस्टेंट स्टाफ श्रकसर	6-8-82 से ग्रग्रिम
		श्रादेश न होने तक
<ol> <li>श्री एम० जी० कुन्दू, स्थानापन्न सहायक</li> </ol>	वही	वही
<ol> <li>श्री ए० के० दास, स्थानापन्न सहायक</li> </ol>	वही	वही
4. श्री पी॰ एल॰ घोष दस्तिदार स्थानापन्न सहायक	र, वही	वही
<ol> <li>श्री पी० सी० सेनगुप्ता, स्थानापन्न सहायक</li> </ol>	वही	वही
<ul> <li>श्री धर्मदास भट्टाचार्याः</li> <li>स्थानापन्न सहायक</li> </ul>	वही	वहीं∫
<ol> <li>श्री ए० के० सिन्हा, स्थानापन्न सहायक</li> </ol>	वही	बही

2. उपर्युक्त सभी व्यक्तियों ने 6-8-82|से ए० एस० श्रो० का उच्चनर कार्यभार ग्रहण किया ।

> मी० एस० गौरीशंकरन श्रपर महानिदेशक/सदस्य/कार्मिक कृते महानिदेशक श्राउंन-स्पक्रैक्टरियां

### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, श्रायात एवं निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 30 श्रगस्त 1982 ग्रायात श्रौर निर्यात व्यापार नियन्त्रण (स्थापना)

सं० 6/1131/76-प्रशासन (राज)/4943--सेवा निवृत्ति की भ्रायु होने पर श्री बी० एस० चिन्दारकर, नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात, को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, भ्रायात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई से सरकारी सेवा मे 31 जनवरी, 1982 (भ्रपराह्न) से निवृत्त होने की भ्रमुमित दी गई है।

#### दिनांक 31 अगस्त 1982

सं० 6/446-ए/57 प्रशा० (राज)/4931—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयान-निर्यात, केन्द्रीय लाईसेंस क्षेत्र, नई दिख्ली के कार्यालय के श्री आर० एस० गुष्त सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को 31 जुलाई, 82 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की श्रनुमति दी गई है।

सं० 6/429/56-प्रणासन (राज)/4937—सेवा निवृत्ति की ग्रायु होने पर श्री ग्रार० कुमारबेल उपमुख्य निदेशक, श्रायात-निर्यात का संयुक्त मुख्य नियन्त्रक; ग्रायात-निर्यात के कार्यालय बंगलोर से सरकारी सेवा से 30 जुन, 1982 (प्रपराह्न) से निवृत्त होने की प्रनुमति दी गई है।

जे० के० माथुर उप मुख्य नियन्त्रक, ग्रायात एवं निर्यान कृते मुख्य नियन्त्रक, ग्रायात एवं निर्यात

(वस्त्र विभाग)

वस्त्र भ्रायुक्त का कार्यालय वम्बई-20, दिनांक 2 सितम्बर 1982

स० 5(2)/82/सी० एल० बी० दो/9--कृतिम रेणम वस्त्र (उत्पादन तथा वितरण) नियन्त्रण श्रादेश, 1962 के खण्ड 38 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एतद्द्वार वस्त्र श्रायुक्त की श्रिधसूचना मं० <math>5(2) 79-मी० एल० बी० दो दिनांक 12 जुलाई, 1979, (जो, श्रिधसूचना मं० 5(2)/82/सी० एल० बी० दो/2, दिनांक 11-3-1982 के द्वारा विस्तृत की गई है) में निम्नलिखित श्रतिरिक्त संशोधन करता हूं।

- उक्त अधिसूचना में पैराग्राफ 2 की व्याख्या एक की मद (7) के बाद निम्नलिखित जोड़ दिया जाएगा, श्रथित .--
  - "(8) 100 प्रतिशत पॉलिएस्टर स्पन यार्न
  - (9) पालिएस्टर संमिश्र स्पन यार्ने"
- 2. यह ग्रिधिसूचना, दिनांक 30 सितम्बर, 1982 को समाप्त होने वाली तिमाही से कार्यवाही में ग्राएगी।

मं० मी० इ० श्रार०/17/82/10—सूती वस्त्र (नियत्रण) श्रादेश 1948 के खण्ड 20 तथा खण्ड 21 के उप-खण्ड (5) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा बस्त्र आयुक्त की श्रिधसूचना मं० मी० ई० श्रार०/17/79 दिनांक 29-6-79 (जो वस्त्र श्रायुक्त की श्रिधसूचना मं० मी० इ० श्रार०/17/82/0एक दिनांक 11-3-1982 के द्वारा विस्तृत की गई है) में निम्नलिखिन श्रतिरिक्त संशोधन करता हूं श्रर्थात्:—

- उक्त प्रिधिसूचना में पैराग्राफ 3 की व्याख्या एक की मद
   के बाद निम्नलिखित जोड़ दिया जाएगा प्रथित :--
  - "(5) 100 प्रतिगत पॉलिएस्टर स्पन यार्न ।
  - (6) पॉलिएस्टर संमिश्र स्पन ,यान "
- यह श्रिधसूचना दिनांक 30 सितम्बर 1982 को समाप्त होने वाली तिमाही से कार्यवाही में श्राएगी।

टी० रामचन्द्र राव संयुक्त वस्त्र भ्रायुक्त

#### उद्योग मन्त्रालय

भ्रौद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 31 श्रगस्त 1982

मं० 12(113)/61-प्रणा (राज०)-खण्ड-2--राष्ट्र-पति लघु-उद्योग सेया संस्थान नई दिल्ली के इण्डस्ट्रियल डिजाईनर श्री० एस० के० राम को सेना निवृत्ति की श्रायु प्राप्त करने पर 31--7-82 (श्रपराह्न) से सरकारी सेना से सेनानिवृत्त होने की श्रमुसित देने हैं।

सं० ए० 19018 (93)/73-प्रशा० (रा०)-खण्ड-दो---राष्ट्रपति विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) कार्यालय नई विल्ली के उप-निदेशक श्री ए० एन० सहाय को इसी कार्यालय में निदेशक (ग्रेड-दो) (इलैक्ट्रोनिक्स) के रूप में 10 ग्रगस्न 1982 के पूर्वाह्म से ग्रगले श्रादेश होने तक तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19013 (222)/75-प्रणा० (राज०)—राष्ट्र-पति लच्च उद्योग मेवा संस्थान, बंगलार के सहायक निदेणक (ग्रेड-1) (काच एवं मृत्तिका), श्री डी० रामचन्द्र राव को लच्च उद्योग सेवा संस्थान, त्रिचूर में तदर्थ श्राधार पर उपनिदेशक (कांच/मृत्तिका) के रूप में 30-7-82 के पूर्वाह्न से श्रगने श्रादेश होने तक नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 1 नवम्बर 1982

सं० 12 (41)/61—प्रशा० (रा०)—खण्ड—1V—-राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली के उप-निदेशक (रसायन) श्री पी० सत्यनारायण को लघु उद्योग सेवा सस्थान, सोलन में. 11-8-1982 के पूर्वाक्ष से श्रगले श्रादेश होने तक, निदेशक (ग्रेड—II) (रसायन) के रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

स० ए० 19018 (291)/77-प्रशा० (रा०)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग मेवा सस्थान, हुबली, के सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (काच/मृत्तिका), श्री एम० श्रम्बिकापति को, लघु उद्योग मेवा सस्थान, बंगलौर में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (कांच/मृत्तिका) के रूप मे 21-7-1982 के पूर्वाह्म से अगले आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय उप-निदेशक (प्रशा०) पूर्ति तथा निपटान महानिदेशासय

### (प्रशासन मनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1982

सं० प्र-1/1(742)---राष्ट्रपति, सहायक निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III, ग्रुप "ए") श्री के० के० चक-वर्ती को पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में दिनांक 26-8-82 ने 11-10-82 तक 47 दिन की श्रवधि के लिए तदर्ष श्राधार पर स्थानापन्न उप निदेशक, पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड- 2, ग्रुप "ए") के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री के० के० चक्रवर्ती की उप निदेशक के रूप में तद्दर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए वाया करने का कोई हक नहीं होगा श्रीर उनके द्वारा की गई तदर्थ सेया उस ग्रेड में वरियता श्रीर पदोन्नति तथा स्थायीकरण की पान्नता के लिए नहीं गिनी जायेगी।

सं० प्र-1/1(977)—राष्ट्रपति, सहायक निदेशक पूर्ति, (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड III, ग्रुप 'ए,) श्री ग्रो० पी० शर्मा को पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय नई दिल्ली में दिनांक 16-8-82 से 25-9-82 तक 41 दिन की ग्रविश्व के लिए तदर्ष श्राधार पर स्थानापन्न उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड II ग्रुप "ए") के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री श्रो० पी० शर्मा को उप निदेशक के रूप में तदर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए दावा करने को कोई हक नही होगा श्रीर उनके द्वारा की गई तदर्थ सेवा उस ग्रेड मे वरीयता श्रीर पदोश्नित तथा स्थायीकरण की पान्नता के लिए नही गिनी जायेगी।

> एस० एल० कपूर उप निदेशक (प्रशासन)

#### भारतीय सबेक्षण विभाग

### देहरादून, 3 सितम्बर 1982

सें० सी० 58587/707—निम्नलिखित मधिकारी जो अधिकारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप में पूर्णतया तदर्थ अनन्तिम माधार पर नियुक्त किये गये थे, अब प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से उसी पद पर स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किये जाते हैं:

फ्रम स० नाम		अधिसूचना की संख्या और तारीख जिसके अन्सर्गत तदर्थ अनिन्तिम श्राधार पर नियुक्ति की गई थी	यूनिट/कार्यालय जिसमे तैनात किये गये	पदो <b>न्न</b> ति की तारी <b>ब</b>
1. श्री जयप्रकाश सिंह तोमर	,	दिनांक 5 जुलाई, 1978 की अधिसूचना सं० सी०- 5837/707	सं० 70 (क्न) पार्टी (उ०स०), बेहरादून ।	5-9-81 (पूर्वाह्म)
2. श्री एन० एम० पटेल (जनजाति)		दिनांक 24 जुलाई, 1978 की भ्रधिसूचना मं० सी० 5395/707	स० 87 पार्टी (प० स०), बड़ोदरा।	8-1-82 (प् <b>र्वा</b> ह्म)

कम सं० नाम				ग्रधिमूचना की संख्या श्रीर तारी <b>ख</b> जिसके श्रन्तर्गन तदर्थ अनन्तिम आधार पर नियुक्ति की गईंथी।	यूनिट/कार्यालय जिसमे तैनात किये गये ।	पदोन्नति की ता <b>रीख</b>
1. श्री एस० एस० प्रधान		•	•	दिनांक 24 जुलाई, 1978 की भ्रधिसूचना सं० सी० 5395/707	सं० 80 (फोटो) पार्टी (पूर्वोत्तर सकिल) शिलांग	1-3-82 (पूर्वाह्न)
2. श्री बी० एस० राजपूत	•	٠	•	तदे <del>व</del>	सं० 22 (फोटो) पार्टी (पूर्बोत्तर सर्किल) देहरादूम ।	27-1-82 (पूर्वाह्म)
3 श्री के० के० शर्मा	•		٠	सदेव	सं० 22 (फोटो) पार्टी (पूर्वोत्तर सक्तिल) वेहरादून ।	27-1-82 (पूर्वाह्न)
4. श्रीके० एस० हुडा	•	•	•	<del></del> तदेव- <del></del>	सं० 22 (फोटो) पार्टी (पूर्वोत्तर सर्किल) देहरादून ।	27-1-82 (पूर्वाह्म)
5. श्री तिलक राज	,	•	•	दिनांक 17 ग्रगस्त, 1978 की ग्रधिसूचना सं० सी०- 5403/707	सं० 28 पार्टी (पश्चिमोत्तर सर्किल), देहरादून ।	25-1-82
6. श्री एल० एस० शर्मा	•	•	•	दिनांक 24 जुलाई, 1978 की ग्रंधिसूचना सं० सी० 5395/707	सं० 12 पार्टी, (पुर्वोत्तर सर्किल) मिलांग। 🎙	27-1-82
7. श्री घ्रार० के० ठाकुर	(जनजाति)			दिसोक 17 ग्रगस्त, 1978 की ग्रधिसूचना सं० सी०- 5403/707	सं० 58 पार्टी, (पश्चिमी सर्किल), ग्रजमेर	2-6-82

सं० मी०-5859/707---निम्नलिखित प्रधिकारी. भारतीय सर्वेकण विभाग में प्रधिकारी सर्वेकक (ग्रूप "बी" पद) के वद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40/1000 द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में प्रश्येक के नाम के मामने दी गई तारीख से स्थानापन्न रूप में पूर्णतया सदर्थ ग्रनन्तिम ग्राधार पर नियुक्त किए जाते हैं:--

कम सं० नाम ग्रीर पदनाम		य्निट/कार्यालय	ता <b>रीख</b>
1. 2		3	4
1. श्री ध्याम सिंह. मर्वेक्षक सिले० ग्रेड 2 श्री के० मी० खेरा, मर्वेक्षक मिले० ग्रेड	 ,	मं० 7 पार्टी (प० स०), श्राक् . दक्षिण पूर्वी मर्किल, कार्यालय भवनेक्वर ।	27-2-82 (पूर्वाह्म) 29-1-82 (पूर्वाह्म)

(1)	(2)				(3)	(4)
3	श्री एस० के० चक्रवर्ती, सर्वे, सहायक सिले० ग्रेड		<del></del>		मं० 12 श्रारेखण कार्यालय (पूर्वोत्तर सकिल), णिलांग	1 6- 2- 8 2 (पूर्वाह्म)
4.	श्री हरीण चन्द्र (श्रनु० जाति). सर्वेक्षक सि० ग्रेड			•	. सं० 46 पार्टी (म० स०), जबलपुर	26-5-82 (पूर्वाह्न)
5	श्री एच० एस० ढिनो, (श्रनु० जारि सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	न),	٠		. मं० 48 पार्टी (म० म०), जबलपुर	21-6-82 (पूर्वाह्म)
6.	श्री स्रोम प्रकाश, (श्रनु० जाति), सर्वेक्षक, सिले० ग्रेड				. सं० 60 पार्टी (म० स०), ग्वालियर ।	19-2-82 (पूर्वाह्न)
7.	श्री जगदीश शरण, कृष्टसमैन डिविजन, मिले० ग्रेड				. सं० 7 श्रारेखण कार्यालय	12-3-83
8	श्री एस० के० देव राय, सर्वे,० सहायक, सिले० ग्रेड	٠		•	(म० स०), जबलपुर । . मं० 35 पार्टी (पूर्वोत्तर सर्किल),	(पूर्वास्त्र) 24-2-82 (पूर्वास्त्र)
	श्री इन्द्र राज, मर्वे०, सहायक, सिले० ग्रेड				गृहाटी। . सं० 61 पार्टी (म० स०), जबलपुर	27-2-82 (पूर्वाह्र)
10	श्री एस० के० दास, सर्वे०, सहायक, सिले० ग्रेड		,		. मं० 89 (फोटो) पार्टी (म० स०), भोपाल	27-2-82 (पूर्वाह्न)
11.	श्री विष्वनाथ भट्टाचार्जी, सर्वे०, सहायक, सिले० ग्रेड	•	•		. सं० 13 ध्रारेखण कार्यालय, (पूर्वोत्तर सकिल), शिलांग ।	1 6-2-8 2 (पूर्वाङ्ग)
12.	श्री ए० ए० मैनन, सर्वे० सहायक, सिल्ठे० ग्रेड		•		. सं० 52 पार्टी (द० म० सर्किल), हैदराबाद ।	1 <b>8-</b> 2- 8 2 (पूर्वाह्न)
	श्री बी० पी० पन्त, सर्वे० सहायक, सिले० ग्रेड	٠	•		सं० ८5 पार्टी (द० म० सर्किल), नागपुर ।	22-2-82 (पूर्वाह्म)
14.	श्री चन्द्र सिंह, सर्वे० महायक, सिले० ग्रेड		·	٠	. सं० 92 पार्टी (द० पू० सिंकल), वाराणसी	1 2-3-82 (पूर्वाह्न)
15.	श्री ग्रार० बी० भसीन, सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	•	٠	٠	. सं० 48 (फोटो) पार्टी (म० स०), जबलपुर ।	24-6-82 (पूर्वाह्न)
16.	श्री के० एस० गरचा. सर्वेक्षक सिले० ग्रेड		•	•	. सं० ४० (फोटो) पार्टी (पूर्वोत्तर सर्किल), णिलांग	25-2-82 (पूर्वाह्न)
	श्री कमलेश चक्रवर्गी, (सर्वेक्षक मिले० ग्रेड		٠		. सं० 12 पार्टी (पूर्वोत्तर सर्किल), शिलांग ।	1 6-2-8 2 (पूर्वाह्म)
	श्री पी० के० सेन, [मर्बेक्षक सिले० ग्रेड				. सं० 80 (फोटो) पार्टी (पूर्वोत्तर मर्किस), शिलांग ।	16-2-82 (पूर्वाह्न)
19.	श्री पी० एल० मैटोला, 🌹 सर्वेक्षक सिले० ग्रेड				. ू सं० 29 पार्टी (पूर्वोत्तर मिकल), शिलांग	1 6- 3- 8 2 (पू <b>र्वा</b> ह्म <b>)</b>

(1) (2)	(3)	(4)
20. श्री क्षी० पी० कुकरेती, सर्वे० सहायक, सिले० ग्रेड		11-3-82 (पूर्वाझ)
21ः श्री राम श्रवतार, सर्वे० सहायक, सिले० ग्रेड	मं० 12 श्रारेखण कार्यालय (पूर्वोत्तर सर्विल), णिलांग ।	26-2 <b>-8</b> 2 (पूर्वा <u>त्</u> र)
22. श्री एस० ए० एच० जैंदी, मर्वे० महायक, सिले० ग्रेट	. सं० 13 <b>मारेखण</b> कार्यालय <b>(पूर्वोत्तर स</b> क्लि), किलोग ।	27-2-82 (पूर्वाह्न)
23. श्री ए० जी० डिथराजुल, सर्वे० सहायक, सिले० ग्रेड	. सं० 17 पार्टी (दक्षिणी सकिल), बेंग्लूर।	19-4-82 (पूर्वाझ)
24. श्री वी० डी० कैंधोला, श्राफ्टसमैन डिवीजन, सिले० ग्रेड	. सं० ८ धारेखण कार्यालय (द० म० स०), हैदराजाध	15-2-82 (पूर्वाह्न)

जी० सी० भ्रग्नवाल मेजर∽जनरल भारत के महासर्वेक्षक नियुक्ति प्राधिकारी

### श्राकाशवाणी महानिदेशालय

### नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1982

सं० 6/35/60-एस० एक (भाग 4)—निर्वेतन की ब्रायु प्राप्त करने पर श्री के० एन० गुष्ता कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाशवाणी, नई दिल्ली 31 जुलाई, 1982 के श्रपराह्म में मरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हीते हैं।

सं० 6/61/63-एस० एक---निर्वतन की भ्रायु प्राप्त करने पर श्री श्रार० डी० भाटिया कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाशवाणी, वण्डीगढ़ 31 जुलाई 1982 के श्रपराह्म में मरकारी मेवा से सेवा निवृत्त होते हैं।

### दिनांक 3 सितम्बर, 1982

सं० 4(27)81-स्टाफ एक-- महानिदेशक, आकाश-वाणी एनद्दारा श्री उसाओ मुधीर उसाक को वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० में 26-7-82 से अगले आदेश तक आकाशवाणी, कलकला मे अस्थाई रूप मे, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 4 सितम्बर 1982

भं० 4(12)/81-स्टाफ एक--महानिदेशक, श्राकाश वाणी, एतद्द्वारा श्री काली किकर मिश्र, को वेतनमान 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रू० में 26-7-82 से श्रगले श्रादेश तक, श्राकाशवाणी, जयपुर में ग्रस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं। 2--256GI2

### विनांक 6 सितम्बर 1982

स० 6/153/62-स्टाफ-1—प्रसारण निष्पादक के स्थाई पद पर ग्रंपने परावर्तन के परिणामस्वरूप श्री सी० एल० रेड्डी, कार्यक्रम निष्पादक ग्राकाणवाणी, मदास ने 20-8-82 (ग्रंपराह्न) मे ग्रंपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

हरीश चन्द्र अयाल, प्रशासन उपनिदेशक (कार्यक्रम) **कृते** महानिदेशक

# सूचना भौर प्रसारण मलालय

#### फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 1 सितम्बर 1982

स० 6/88/54-ई० 1—भारतीय फिल्म ग्रौर टेलीविजन संस्थान, पुणे में सिनेमाटोग्राफी प्रोफेसर के पद पर, प्रति-नियुक्ति पर गये श्री एम० एम० वैद्य ने श्रपने प्रत्यावासन पर फिल्म प्रभाग बम्बई में मुख्य कैंमरामैन के पद का कार्यभार दिनांक 9 श्रगस्त, 1982 के पूर्वाह्म में संभाल लिया है।

श्री एन० नरसिंहराव स्थानापन्न मुख्य कैमरामैन फिल्म प्रभाग, बम्बई को दिनांक 7 श्रगस्त, 1982 के अपराह्न में उनके मूल पद पर प्रतिनिवृत्त किया गया है।

> एस० के० राय, सहायक प्रणासकीय ग्रधिकारी, कृते मुख्य निर्माता

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

## नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1982

सं० ए० 12025/10/81(जे० म्राई० पी०) डी० एम० एन०-1-ई (पी० जी०)—-राष्ट्रपति ने डा० म्रार० सुन्दरेशन को 18 मई, 1982 (पूर्वाह्म) से भ्रागामी म्रादेशों तक जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा मिक्षा एवं मनुसन्धान संस्थान, पांडिचेरी में जीव रसायन के सहायक प्रोफेसर के पद पर भ्रस्थाई म्राधार पर नियक्त कर दिया है।

सं० ए० 19019/20/81(जे० म्राई० पी०) प्रशा०-1/ एम० ई० (पी० जी०)—स्वैच्छिक म्राधार पर सेवा निवृत्ति के फलस्वरूप, डा० के० जी० प्रसन्नन ने 1 नवस्बर 1981 (पूर्वाह्न) से जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं म्रानुसन्धान संस्थान, पांडिचेरी में जीव रसायन के सहायक प्रोफेसर के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> शिव दयाल, उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

### ग्रामीण विकास मंत्रालय

# विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदावाद, दिनांक 1 सितम्बर 1982

सं० ए० 19027/1/82-प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री राम बिलास गुप्ता को इस निदेशालय के श्रधीन फरीदाबाद में दिनांक 17-8-82 (पूर्वाह्म) में अगले आदेण होने तक स्थानापन्न रूप में सांख्यिकीय अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

गोपाल शरण शुक्ल, कृषि विपणन सलाहकार,

# परमाणु ऊर्जा विभाग क्रम श्रौर भण्डार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनौंक 1 सितम्बर 1982

सं० ऋ० भ० नि०/23/1/81-स्थापना/19163—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भण्डार निवेशालय के निवेशक ने स्थाई लेखाकार और स्थानापन्न सहायक लेखाकार (तदर्थ) श्री जा० गो० साठे को तदर्थ श्राधार पर रुपये 650-30-740-35-880-द० गो०-40-960 के वेतनकम में 12 जुलाई, 1982 (पूर्वाह्म) से 21 श्रगस्त, 1982 (श्रपराह्म) तक के लिये इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से महायक लेखा श्रधिकारी नियुक्त किया है।

मं० क० भ० नि०/23/1/81-स्थापना/19168--परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय श्रौर भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक श्रौर स्थानापन्न सहायक लेखाकार (तदर्थ) श्री वि० ना० घोरपडे को तदर्थ श्राधार पर रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनकम में 12 जुनाई, 1982 (पूर्वीह्न) मे 21 श्रगस्त, 1982 (प्रपराह्न)

तक के लिये इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप में सहायक लेखा म्रधिकारी नियुक्त किया है।

> बी० जी० कुलकर्णी, सहायक कार्मिक श्रधिकारी

# राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना भ्रण्माक्ति, दिनांक 1 ग्रगस्त 1982

सं० रा० प० विप/04627/1(461)/82/स्था०/प्रशासन/ 25—परमाणु ऊर्जा विभाग, राजस्थान परमाणु विद्युत परि-योजना के श्री सूरत सिंह, वैज्ञानिक ग्रधिकारी इंजीनियर ग्रेंड एस० बी० ने इस परियोजना से स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के फलस्वरूप दिनांक 1 श्रगस्त, 1982 के पूर्वाह्न में श्रपने पद का कार्यभार छोड़ विया।

> एम० डी० गाङगिल, प्रशासन अधिकारी (स्थापना) कृते मुख्य परियोजना इंजीनियर

### (परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 31 जुलाई 1982

सं० प० ख० प्र०/4/5/81-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निवेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक 'ग' श्री लाल 'बन्द वर्मा को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1982 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० खा० प्र०/4/5/81-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खानिज प्रभाग के निवेशक एतद्द्वारा परमाणु खानिज प्रभाग के स्थाई नक्शानवीस और स्थानापश्च नक्शानवीस भीर स्थानापश्च नक्शानवीस भीर स्थानापश्च नक्शानवीस भी प्रभाग में 1 फरवरी, 1982 के पूर्वाह्म से झाले भ्रादेश होने तक स्थानापश्च रूप से वैज्ञानिक श्रिक्षकारी/श्रिभियन्ता ग्रेड 'एस० वी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-4/5/81-भर्ती——परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्दारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक 'ग' श्री खी० ए० शक्र को उसी प्रभाग में, 1 फरवरी, 1982 के पूर्वाह्न से अगले श्रोदेश होने तक वैज्ञानिक श्रिधिकारी/ग्रिभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुवन करते हैं।

### दिनांक 3 सितम्बर 1982

सं० प० खा० प्र०-16/3/82-भर्तो—परमाणु अर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक परमाणु खनिज प्रभाग के स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सहायक लेखापाल, श्री के० यृ० के० नायर को उसी प्रभाग में 3 जुलाई, 1982 के भपराहां से भगले भादेश होने तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक लेखा भधिकारी नियुक्त करते हैं।

> टी० डी० धाडगे, वरिष्ठ प्रशासन व लेखा भधिकारी

### रिऐक्टर अनुसन्धान केन्द्र

कलपाक्कम, विनांक 27 ग्रगस्त 1982

सं० मार० म्रार० सी०/गी० एफ०/169/72—िरिऐक्टर अनुसंन्धान केन्द्र, कलपाक्कम के श्रस्थाई फोरमेन तथा स्थाना-पन्न वैज्ञानिक श्रधिकारी/श्रिभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' श्री वी० सी० म्राचारी म्रिधवार्षिता की श्रायु पर पहुंचने पर 30 नवम्बर, 1981 के श्रपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गये।

के० वी० सेतुमाधवन, मुख्य प्रशासन तथा लेखा ग्रधिकारी, कृते निदेशक,

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली-66, दिनांक 24 श्रगस्त 1982

सं० ए० 12022/1/81-ई०I—कार्मिक श्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा लिये गये निर्णय के परिणामस्वरूप इस कार्यालय के श्री के० एस० देवी मांख्यिकीय श्रधिकारी 'को दिनांक 16 अगस्त, 1982 (श्रपराह्म) में सांख्यिकीय विभाग में प्रत्यावर्तित किया जाता है।

सं० ए० 32013/2/82-ई० I—राष्ट्रपति ने श्री स्नार० नरिसम्हन, उप निदेशक श्रनुसन्धान श्रौर विकास को जो इस समय इसी ग्रेड में तदर्थ स्नाधार पर कार्य कर रहे हैं, दिनांक 29-7-1982 (पूर्वाह्न) से नियमित स्नाधार पर नियुक्त किया है।

### दिनांक 25 ध्रगस्त 1982

सं ए० 32013/7/79-ई० I—राष्ट्रपति ने श्री बे० के० गांधी की वमानिक ग्रधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति दिनांक 31-5-1982 के बाद 30-11-1982 तक श्रथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

#### दिनांक 2 सितम्बर 1982

सं० ए० 12025/3/71-ई० I—इस कार्यालय की विनांक 4-5-1982 की ग्रिधिसूचना सं० ए० 12025/3/71-ई० I के कम में, महानिदेशक, नागर विमानन ने नागर विमानन विभाग में श्री के० के० ग्रामी की हिन्बी ग्रिधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति विनांक 31-12-1982 तक ग्रिथ्या पद के नियमित ग्राधार पर भरं जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

सं० ए० 32013/5/82-ई०I—इस कार्यालय की विनांक 28 ग्रप्रैल, 1982 की ग्रधिसूचना सं० ए० 32013/5/82-ई I का ग्रधिकमण करते हुए, राष्ट्रपति ने श्री ग्रार० थी० सिंह, उपनिदेणक, विमान सुरक्षा को दिनांक 20-4-1982

(पूर्वाह्न) से छः मास की श्रवधि के लिये निदेशक, प्रशिक्षण भौर अनुज्ञापन ग्रेड में तदर्थ भ्राधार पर नियुक्त किया है।

> सुधाकर गुप्ता, उप निदेशक प्रशासन

### नई दिल्ली, दिनांक 28 भ्रगस्त 1982

सं० ए० 32014/3/81-ई० एस०—महानिदेशक, नागर विमानन ने सर्व श्री एस० एस० ग्रास्टा श्रीर जे० एस० संगवान, ग्रधीक्षकों की प्रशासनिक ग्रधिकारी के ग्रेड में की गई तवर्थ नियुक्ति अभशः विनांक 30-11-82 श्रीर 31-10-82 तक सामान्य शर्तों पर जारी रखने की स्वीकृति दी है।

सं० ए० 32013/1/82-ई० डिंग्ल्यू०--राष्ट्रपति ने श्री एन० सुब्रह्मण्यन सहायक विद्युत एव यांत्रिक अधिकारी को विनांक 11 अगस्त, 1982 (अपराह्म) से छ: मास की अविध के लिये अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, ह० 700-1300 के वेतनमान में विद्युत एवं यांत्रिक अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

- 2. श्री एन० मुक्कह्मण्यन विद्युत एवं यांत्रिक प्रधिकारी के रूप में तदर्थ नियुक्ति के ग्राधार पर नियमित नियुक्ति का दाबा करने के हकदार नहीं होंगे ग्रीर न ही तदर्थ ग्राधार पर की गई सेवा ग्रेड में वरिष्टता के लिये ग्रीर न ही ग्रगले उक्ततर ग्रेंड में पदोन्नति की पान्नता के लिये गिनी जाएगी।
- 3. श्री एन० सुक्रह्मण्यम को क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र का कार्यालय, नागर विभानन विभाग, मद्रास में तैनात किया जाता है।

ई० एल० ट्रेसलर, सहायक निदेशक प्रशासन

### विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 28 श्रगस्त 1982

सं० 1/235/82-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा मुख्य कार्यालय, बम्बई के अधीक्षक, श्री एन० के० बिवलकर को नियमित आधार पर 26 अगस्त, 1982 के पूर्विद्व से आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 1 मितम्बर 1982

सं० 1/525/82-स्था०---विदेश मंचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के तकनीकी सहायक, श्री वही० पी० श्रार० नायर को स्थानीय व्यवस्था के रूप में तदर्थ ग्राधार पर ग्रन्पकालिक रिक्त स्थान पर 17-5-82 में 26-6-82 तक की श्रवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रभियन्ता नियुक्त करते हैं।

> पा० कि० गोबिन्द नायर, निवेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

### केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुरुक समाहर्तासय-

### पटना, दिनांक 1 सितम्बर 1982

सं० 11 (7)/2-स्था/82/9711— इस कार्यालय के स्थापना श्रादेश संख्या 149/80, दिनाक 20-6-80, 187/82, दिनांक 24-6-82 श्रीर 206/82, दिनांक 12-7-82 के द्वारा निम्नलिखित निरीक्षकों को वेतनमान के 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भक्तों के सिंहत वेतनमान पर स्थानापश्च श्रधीक्षक, समूह 'बी', केन्द्रीय उत्पाद/सीमा शुल्क के रूप में प्रोन्नत किया गया। उपर्युक्त श्रादेश के श्रनुसरण में उनके नाम के मामने दिखाये गये स्थान तिथि श्रीर समानुसार कार्यभार ग्रहण किये:—

क्रम स० पदाधिकारी कान	नाम				য	हां पदस्थापित किये गये	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1 2	<u></u>					3	4
सर्वेश्री							
2							(पुर्वाह्म)
1. पी० के० जयसवाल			٠		•	प्रधीक्षक, के० उ० गया II रेंज	29-7-80
2 पी० के० गुहा खासनवीस	<del>.</del> T		٠		•	<b>प्रधीक्षक</b> , के० उ०, सासाराम रेंज	9-9-80
3. णैयद गफरान श्रहमव	•	٠		•	•	श्रधीक्षक, के० उ० (एस० श्रार० पी०) जमशेदपुर ।	30-7-80
4. नित्या रजन बनर्जी				•		ग्रधीक्षक, सीमा शुल्क, मु <mark>ख्</mark> यालय, पटना	29-7-8
5. गुनेश्वर प्रसाद सिंह्				•		प्रधीक्षक, के० उ०, राँची I रेंज	28-1-8
<ol> <li>योगेन्द्र साही</li> </ol>		,				<b>प्रधोक्षक,</b> के० उ०, मुख्यालय, पटना	28-7-8
७ महबुल्लाह .						ग्रधीक्षक, के० उ०, जमशेदपुर प्रमण्डल	18-7-8
8. श्रजय कुमार बोस					•	म्राधीक्षक, के० उ० प्रमण्डल, पटना	6-8-8 (पालम हवाई श्रहुा, नई दिल्ल
							में)
9. इन्द्र देव प्रसाद वर्मा			•		-	श्रधीक्षक, सीमा शुल्क, मुख्यालय पटना (पदस्थापन ध्रादेश स्थापना भ्रादेश सं० 158/80, दिमांक 30-6-80 के द्वारा संशोधित किया गया है)	30-6-8
o. भ्र <b>जि</b> त कुमार गांगुली	•		•	•		<b>प्रधीक्षक, के</b> ० उ०, जनदाहा रेज	11-7-80
11. चम्बेश्वर प्रसाद सिह	•	•	•	٠		श्रधीक्षक, के० उ० (तकनीकी) लहेरियासराय प्रमण्डल (पदस्थापन झादेश स्थापना झादेश सं० 29/81, दिनांक 4-2-81 के द्वारा संशोधित किया गया है)	1 9 <b>-</b> 2- 8 : Г,
12. योगामन्द ठाकुर	•	•	•	•		श्रधीक्षक, के० उ०, दलसिंगसराय	30-8-8
13. नवल किशोर तिवारी	•	•		•		श्रधीक्षक, के० उ० (तकनीकी) पुर्णियां	28-8-8
14. हबीबुल्लाह खां	•	•	•	•	•	श्रधीक्षक, सीमा गुल्क, सिमराही	5~8-8
15. बृज बिहारी लाल टण्डन	Г	•			•	<mark>ग्रधीक्षक, एस० ग्रार० पी०, मोतिहारी</mark> रेज	14-8-8
16. रामाधार तिवारी	•	•	•		•	श्रधीक्षक, (छुट्टी/रिजर्व) के० उ० मुज्यालय पटना ।	23-6-8
17. राम जन्म मिश्रा		•	•	•		<mark>त्रधीक्षक, के० उ०, गोपाझगंज रे</mark> ज	18-7-8
18. गोबिन्द साह्र .			•	•		प्रधीक्षक, सीमा शुल्क प्रमण्डल, फारविसगंज	

Ĩ,	2	• • • • •	• •	•		3	4
<b>स</b>	र्वेश्री		—	<del>-</del>	<del></del>		(पूर्वाह्न)
19. मो	० खलील			•	•	. श्रधीक्षक, गड़हड़ा ट्रांमिशपर्मैन्ट यार्ड (सीमा शुल्क,) (मु०)/पटना	30-7-82
20. मो	o ज् <b>ल्बा</b> र				•	. भ्रधीक्षक, जमसेदपुर (के० उ० ए.स० श्रार० पी० निवारण)	26-7-82
21. Y	० एम० प्रसाद					. अधीक्षक, रांची प्रमण्डलीय कार्यालय	2-8-82
2.2 के	० बी० पी० सिह				•	. अधीक्षक, प्रमण्डलीय कार्यालय केन्द्रीय उत्पाद, पटना	30-7-82
23. मैश	प्रसाद	•			•	. प्रमण्डलीय कार्यालय मोतिहारी सीमा शुरुक प्रमण्डल	19-7-82

कृ० कु० श्रीवास्तव, तहायक समाहर्ता (मुख्यालय) कृते समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद मुल्क पटना

### केन्द्रीय जल श्रायोग

जल वैज्ञानिक प्रेक्षण एवं बाढ़ पूर्त्रानुमान (दक्षिण) वृत्त हैदराबाद-500004, दिनांक 21 जून 1982

केन्द्रीय सिविल सेवाएं (ग्रस्थाई सेवायें) नियम 1965 के नियम 5(1) के ग्रन्तर्गत सेवा समाप्त करने की सूचना जारी करना।

सं० एच० ग्रो० एफ० एस० सी०/ए०20011/34/77/ प्रमा/5104:—-केन्दीय सिविल सेवाएं (ग्रस्थाई सेवाएं) नियम 1965 के उपनियम (1) के अनुसरण में, मैं, श्री सैयद श्रली ग्रसकर, स्थानापन्न उन्च श्रेणी लिपिक (ग्रस्थाई निम्न श्रेणी लिपिक) को यह नोटिस देता हूँ कि इस नोटिस के उनको दिये जाने की तिथि से एक माह पूरे होने की तिथि को उनकी सेवायें समाप्त हो जायेंगी।

> के० के० राव, ग्रधीक्षण ग्रणियन्ता

जा. वै. प्रे. एवं बाद पूर्वा. (दक्षिण) वृत्त

हैदराबाद, दिनांक ए. डी. सहित रिजस्टर्ड अक द्वारा सेवा में,

श्री सैयद अली असकर,

स्थानापन्न उ. श्रे. लिपिक (अस्थाई अ. श्रे. लिपिक) म. नं. 19-1-1061., बुन्देलगुडा, हैदराबाद-500002 श्री संबद्ध अली असकर,

स्थानापन्न उ. श्रे. लिपिक (अस्थाई अ. श्रे. लिपिक) म. नं. 19-5-10/911, बहादुरपुग कालोनी है देशवाद-500264

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 31 ध्रगस्त 1982 कार्यालय भ्रादेश सं० 499

सं० 1/25/67-ई० सी० 9 — इस विभाग के वास्तुविद श्री बाबू राम, वार्धक्य की ग्रायु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से दिनांक 31-8-82 की (ग्रपराह्न) को सेवा निवक्त हो गये। श्रीमती नीना गर्ग, प्रशासन-उपनिदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंद्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 झौर मैसर्स दी रीवा पल्प एण्ड पेपर मिरुस लिमिटेड, रीवा (म० प्र०) के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 31 ध्रगस्त 1982

सं० 399/सी० पी० /1631:— कम्पनी म्रधिनियम, 1956 की उपधारा 560 की उप धारा (5) के म्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मे० दी रीवा परूप एण्ड पेपर मिल्स लिमिटेड नाम म्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भौर उवत कम्पनो विधटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर मैसर्स बेंदी एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड रीवा (म० प्र०) के विषय में

ग्वालियर, विनांक 31 भ्रगस्त 1982

स० 398/सी० पी०/1632--कम्पनी प्राधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के प्रनुसरण में एतद्दारा भूचना दी जाती है कि मै० बेंदी एन्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> सुरेन्द्र कुमार सक्सेना, कम्पनी रिजस्ट्रार, ग्वालियर, म० प्र०

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 श्रीर एन० एस० नरवेकर मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 3 सिसम्बर 1982

सं० 2108/560/82-83 — कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्सरण में एतव्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर एन० एस० नखेकर मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विधित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेंगा और उक्त कम्पनी निषटित कर दी जायेंगी।

वि० एन० जगन्नाथ, कम्पनियों का रजिस्ट्रार कर्नांटक, बंगलौर

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं मैसर्स जी० एस० टेक्सटाइल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 3 सितम्बर 1982

सं० 631/15600/560(3):—-कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतदृहारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स जी० एल० टॅक्सटाइन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गर्या हो तो रिजस्टर से काट विया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 एवं मैसर्स सिमा प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 3 सितम्बर 1982

सं० 633/12363/560(3):—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्म सिमा प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिक्ल कारण दिणत न किया गया हो तो रिजस्टर में काट दिया जायेंगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेंगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 भौर मैसर्स एक्टीविटरस, प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 3 सितम्बर 1982

सं० 637/20360/560(2):—कम्पनी म्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के म्रन्सरण में एतद्दारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर मैसर्स एक्टीविटरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया हो तो रिजस्ट्रार से काट विया जायेगा भौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ग्रोम प्रकाश जैन, कम्पनियों का श्रतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र, बम्बई प्रकृप आहुं. टी. एन. एस -----

T 4004 (4004 TT 40) THE

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**व (1) के अधी**न सु**व**ना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-III, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 16 भ्रगस्त, 1982

निदेण सं० — श्रतः मुझे श्रानन्द सिंह श्रार्ड० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एक प्लाट है जो बसन्त एवन्यू ग्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप ग्रमृतसर में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख विसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अधने में मृविधा के लिए; गौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. चेयरमैन डैबलपमेंट ट्रस्ट, अमृतसर

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमसी मालती मेहरा परनी काली चरन वासी 225 बसन्त एवन्यू, ग्रमृतसर

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रौर कोई (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंदा- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं (b)

#### अनलची

एक प्लाट नं० 225 जो बसन्त एवन्यू श्रमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 16550/9—12—81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंहः श्राई० श्रार० एस० मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , चन्द्रपुरी, श्रमृतसर

नारीख: 16-8-82

### प्ररूप श्रांई० टीं० एंन० एस∙---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

**धर्ज**न रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 भ्रगस्त, 1982

निवेश सं० जगाधरी/80/81-82—ग्रतः मुझे गो० सि० गोपाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-द के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रू. से अधिक हैं

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निज्निलिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक्ट इस्प में किथिन नहीं किया गया हैं--

- (त) प्रस्तरण से हुई किशी भाय की वाबत, उक्त ग्रिश्चनियम के ग्रिश्चन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा य लिए; और√या
- (ख) ऐसी किनी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपान में भुविधा के निए।

श्रनः ग्रन, उन्त श्रिधिनियम की घारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) ग्रिधीन निम्नलिखिन स्थेक्तियों. ग्रियीत्ः --- (1) श्री याँदव प्रॅकाश पुत्र हरी पसाद नि० यादव कुटीर, धोबियान, जगाधरी

(श्रन्तरक)

(2) श्री मदन गोपाल पुत्र ज्योति प्रसाद हरबन्स लाल, सन्तलाल व सतीशचन्दर भूषण कुमार पुत्रान भदन गोपाल म० नं० एम० सी० वाई०— 26, पुरानी मन्डी, यमुना नगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्स:---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए वा सुकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अवसची

सम्पत्ति मकान नं० एम० सी० वाई०-26, पुरानी मन्डी, यमुनानगर में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण 5682 दिनांक 24-12-81 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम ऋधिकारी सहायक स्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, रोहतक

नारीख : 16-8-82 मोहर . प्रकृष आहु . टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 ग्रगस्त, 1982

निदेश सं० जगाधरी/79/81-82—श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- फ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो यमुनानगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 का (16) के ग्रधीन तारीख दिसम्बर, 81

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (कत्तरितियों) के धीम एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्तित में बास्तिविक कप से किश्त नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अपिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; आद/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निनियित व्यक्तियों, अर्थात—— 3 — 256GI/82

(1) श्रीमती रामरखी साभरवाल विधवा श्री कल्यान सिंह नि० 229, शिवाजी पार्क, त्रमुनानगर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमर्ता कुसुम पत्नीश्रीरिब श्रग्नवाल नि० यसुनानगर

(अन्तरिती)

क्त्रे यह सृष्यना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तिस्थों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियमा, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति मकान यमुनानगर में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण संख्या 3809 दिनांक 30–12–81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-8-82

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अगस्त, 1982

निदेश सं $\circ$  जगाधरी/68/81-82—श्रतः मुझे गो० सि $\circ$  गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- क अभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रहत से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो तेजली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1981

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :~~

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधः बे बिख; और/बा
- (क) एेसी किसी आय या किसी भन या अम्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्;

जतः बज्जः, उन्क्त् अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण कों, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उदधारा (1) के अधीन. निम्नतिकीत व्यक्तियों, अधृतिः— (1) श्रीमती इन्दरकौर पत्नी मनमोहन सिंह सिविल हस्पताल, जगाधरी

(ब्रन्तरक)

(2) श्री विशम्बर सिंह पुत्र महान सिंह नि० कनालसी त० जगाधरी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की जबिध था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभावित है, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया समा है।

#### अमृत्त्वी

सम्पत्ति मकान गांव तेजली में स्थित है जिसका मधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जगाधरी में रिजस्ट्री संख्या 5435 दिनांक 11-12-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल मक्षम प्राधिकारी सहासक भ्रायक भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-8-82

प्रकल आई. टी. एन. एस.-----

आवकर ज्रीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 श्रगस्त, 1982

निवेण सं० जगाधरी/67/81-82--- अतः मुझे गो० सि० गोपाल

आयकर अभिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० एम० सी० जे० 3-189, है तथा जो सब्जी मन्डी, जगाधरी में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख दिसम्बर, 81

क्षत्रके सिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो का मनानि का छन्तिस बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और भक्तरक (धक्तरकों)और अक्तरिती (भन्तिकिया) के बोच ऐसे अक्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निकिया उद्देश्य से उनन अन्तरण निव्वित ों बान्तिक छप से क्षित नहीं किया गया है --

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बायत,, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य अस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्ता अभिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री सुगान जन्य
पुत्र श्री छीतरमल वैष्म,
म० नं॰ 3सी०—198,
श्रोल्ड सक्सी भन्डी,
जगाधरी

(मन्तरक)

(2) श्री राजकुमार
पुत्र श्री जय नारायण गुप्ता
पुत्र देवी चन्द गुप्ता,
नि. 959, चेष्टुता बाजार,
जगाधरी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मुक्तेगे।

स्पक्कीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृथी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगरानी

सम्पत्ति दुकान नं० एम० सी० जे०-3-189, सब्जी मन्डी, जगामरी में स्थित है जिसका श्रीधक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जगामरी में, रिजस्ट्रीकर्ता 5437 विर्माक 14-12-81 पर विमा है।

गो० सि० गोपाल सभग प्राधिकारी सहायंक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-8-82

प्ररूप आहर .टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रजीन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 श्रगस्त 1982

निदेश सं० करनाल/84/81/82—ग्रतः मु**क्षे गो० सि०** गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० म० नं० श्रार-26, है तथा जो माडल टाउन, करनाल, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 81

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण मिखित में बास्तिवृक्त रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुकने में सूब्धा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, को भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्युग्तित्यों, बुधीत्:—

(1) श्रीमती दलीप कौर विधवा श्री करनैल खजान सिंह मि० माइल टाउन, करनाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इन्द्रजीत ग्रानन्य पुत्र श्री सी० एल० ग्रानन्द नि० स्टूडियो इन्डिया, 49-जी, कनाट सर्कस, नई दिल्सी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्मष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

### मन्स्ची

सम्पत्ति मकान नं० भार०-26, माडल टाउन, करनाल में स्थित है जिसका भ्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्री मंख्या 4425 दिनांक 17-12-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-8-82

### प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 ग्रगस्त 1982

निदेश सं० करनाल/86/81-82--श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रहा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० XIII-8, सराफा बाजार, है तथा जो करनाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 81

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत कि सिक है और अंतरिक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के सीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की आबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अक्ष, उक्त अधिनियमं की धार्य 269-गंके अन्सरण मो., मी., उक्त अधिनियमं की भाग 269-शंकी उपधार्य (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) श्री सुरेण कुमार पुत्र सुरेन्द्र चन्द पुत्र मनोहर लाल मोहल्ला घोसियान, करनाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरबन्म लाल
पुत्न श्री लधा मल
सर्व श्री गुरबचन लाल,
नानक चन्व
जोगिन्दर लाल पुत्नान श्री हरबन्स लाल
नि० डी०-172,
कलन्दर गेट,
करनाल

(श्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पक्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### <u> थनसमी</u>

सम्पत्ति दुकान नं ा IIX-8, सराफा बाजार करनाल में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकरण के कार्यालय. करनाल में, रिजस्ट्रीकरण संख्या 4386 दिनांक 15-12-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारी**ख** 16-8-82 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 श्रगस्त 1982

निदेश सं० पानीपत्/60/81-82—ग्रतः मुक्ते, गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

25,000/- रू. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० मकान, माडल टाउन है तथा जो पानीपत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख दिसम्बर, 81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—- (1) श्री हरबन्स सिंह पुत्र सुन्वर सिंह नि० 42, मॉडल टाउन, पानीपत

(मन्तरक)

(2) श्री हरनारायण पुत्र लक्ष्मी नारायण नि०म० नं० 154, मॉडल टाउन, पानीपत

(भन्तरिती)

को गृह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इता;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पस्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

### अनुसूची

सम्पत्ति मकान, माङल टाउन, पानीपत में स्थित है जिसका ग्रिक्षिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में, रिजस्ट्री-संख्या 4992, दिनांक 2~12-1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-8-82

### प्रकृप् बाद् . टी. एन. एस्.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

1 13

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त, निरीक्षण श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 श्रगस्त 1982

निदेश स० श्रम्वाला/5.6/81-82--श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कोठी नं० 69, मॉडल टाउन, है तथा जो श्रम्बाला शहर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रम्बाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के काम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निचित उद्वर्थ से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबता, उक्त अधिनियम अंअधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों नहें, जिल्हें भारतीय कान-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविध्य के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ——

(1) श्री मुनीलाल पुत्र हरिबलास नि० पठानकोट

(ग्रन्नरक)

(2) सर्वश्री श्रनिल कुमार गुप्ता पुत्र राजेन्द्र प्रसाद रोहित कुभार गुप्ता पुत्र श्री चमन लाल कोठी नं० 69, मॉडल टाउन, श्रम्बाला गहर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पोत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ज से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पक्तिकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों अरे पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 कि में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### नन्स्ची

सम्पत्ति कोठी नं० 69, मॉडल टाउन, भ्रम्बाला णहर में स्थित है जिसका श्रधिक वित्ररण रिजस्ट्रीकरण के कार्यालय, करनाल मे, रिजस्ट्रीकरण 4508 दिनाक 7-12-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, रोहनक ।

ता्रीख : 16-8-82

### प्रक्य बाद्दी,द्री.एन्.एस.,---:----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### **3134 4744**

### कार्यालय्, बहायक बायकार बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 16 भ्रगस्त 1982

निदेश सं० गुड़गांवा/251/81-82---ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

इसके परवात् 'उलत् वीर्थानयम्' कहा गया है, की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्वाव्य सम्पत्ति, विस्का स्टेडित वाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० म० नं० 171/16, शिवाजी नगर, है तथा जो गुड़गांवा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यलय गुड़गांवा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथा पूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है---

- (क) बन्दरक से हुन्द्र" किसी बाय की बावत , उन्ह्य बाँगीवव्य के बन्दीन कर दोने के बन्दरक के शायत्य क्रो कभी क्रपूर्ण वा उन्नस्चे बन्दर में स्विधा के जिए। बीट/वा
- (क) ऐसी किसी भाग वा किसी भूग या बच्च जास्तियों की, विक्र भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था छिपाने में स्रिया के स्विष्

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिर्वित व्यक्तियों व्यक्तियों व्यक्तियाँ

(1) श्री विमल प्रसाद मैट्रो पुत्र श्री हरी प्रसाद 66, पोलो ग्राउन्डस, जोधपुर (राज०)

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शुष्मा यादव पत्नी श्रीकार० एस० यादव, म० नं० 171/16, शिवाजी नगर, गुड़गांवा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उनत् सम्परित् के नर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी नाकोध--

- (क) इस स्वाग के राष्पक में मुकाकन की तारीक से 45 दिन की जनिए या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से कि बी व्यक्तियां हुए।
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर अनत स्थानर संपत्ति में हित्नव्थ किसी क्या क्यक्ति इनारा नुभोइस्तानरों के पास सिन्दित में किए जा सकीय।

स्युष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है ।

### जन्**त्**ची

सम्पत्ति मकान नं० 171/16, शिवाजी नगर, गुड़गाबां में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांवां, में, रजिस्ट्री संख्या 3637 दिनांक 30–12–81 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहनक ।

नारीख: 16-8-82

प्रकृप ग्राप्ति टी० एन० एम०---

श्रायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 कः 43) की भारा 269-घ (1) के घरीत सुबनः

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 ग्रगस्त, 1982

निदेण सं० भिवान/24/81--82--श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूर्य 25,000/- उ० से अधिक है

श्रीर जिसकी स० भूमि 250 व० ग० है तथा जो लुहार रोड, भिवानी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भिवानी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख दिसम्बर, 81

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का का रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिष्ठत से ऐसे वृश्यमान प्रतिष्ठल का पन्द्रह प्रतिकत ग्रिष्ठिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियी) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल के निम्नलिक्ति सहेश्य के स्वक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य में कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म कसी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी कियो आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स श्रिष्ठनियम, या धन-कर श्रिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रता अन, उद्द अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उदत अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम. निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत् :── 4—256 GI/82 पर्व भी

(1) प्रमाणंकर केदिया
पुत्र मदन लाल
विद्या देवी विधवा राम गंकर
राम शंकर केदीया,
जय शंकर केदिया,
विजय शंकर पुत्रान मदन लाज
नि० भिवानी श्रव राजा नाभा कृष्ण गली,
कलकत्ता

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र निह पुत्र कपूर सिंह नि० भिवानी

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वनित समाधि के अवस के लिए कार्यवाहियां करता है।

**उक्**त सम्पत्ति क अर्जन क सबंध में को दे को आक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना है राजात में प्रकाशन की तारोख सार उ दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित, जो भी भवित बाद से समाप्त होती हो, के भीतर प्रशंका क्यतियों में से किसी क्यान्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्ब<sup>ित</sup> में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अक्षीहरवाक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे

स्वब्दीकरण --इसमें प्रमुक्त तथ्यां भीर पदों का जी उक्त अधिनियम के अध्याप ३००० म परिभाषित है, बही यात होगा, ते जस आडियाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 250 व०ग० लोहारू रो ा, भिवानी, पर स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, भिवानी में, रिजस्ट्री संख्या 2500 दिनांक 22-12-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त, (निरीक्षण) प्रजन रेंज, रोहतक

तारी**ख** : 16-8-82

प्रस्प आई० टी० एत० एए०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 ग्रगस्त, 1982

निदेश मं० भिवानी/125/81-82—ग्रंतः मुझे गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य., 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० भूमि 250 व० ग० है तथा जो लोहारू रोड, भिवानी में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भिवानी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख दिसम्बर 81

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्बिधा के निए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अथितु:—~ (1) श्रो प्रभाणंकर केंद्रिया पुत्र मदनलाल श्रीमनी विद्या देवी विधवा श्री रामणंकर जय शंकर, त्रिजय गंकर पुत्रान श्री मदनलाल, भित्रानी, श्रव राजा नाभा कृष्ण गली, कलकत्ता

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सत्य नारायण पुत्र श्री पन्ना लाल निरु भियानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्यत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनसूची

सम्पत्ति भूमि 250 व० ग० लोहारू रोड, भिवानी में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकरण कर्ता के कार्यालय, भिवानी में, रजिस्ट्री संख्या 2502 दिनांक 22-12-1981 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज रोहतक ।

नारीख: 16-8-82

प्रकृष आई० टी० एन० एत०-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 ग्रगस्त, 1982

निदेश स० भिवानी/26/81-82--ग्रतः मुझे गो० सि० गोपाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परचात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी

ग्रौर जिसकी स० भूमि 250 व० ग० है तथा जो लुहारू रोड, भिवानी में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भिवानी में रजिस्ट्रीरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख दिसम्बर 81

को पूर्वोक्त सम्पत्त के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूर्वोक्त सम्पत्ति का उविष्या मानार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, एसं दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशान से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई िकसी श्राय की बाबत, उका प्रिक्ष नियम के ग्राधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; ग्रीर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के, श्रनुसरण मं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- सर्व श्री

(1) प्रभाशंकर केदिया
पुत्र मदनलाल
विद्या देवी विधया राम शंकर
जयशंकर, विजय शंकर
पुत्रान मदनलाल केदिया,
भिवानी,
अब राजा नाभा कृष्ण गली,
कलकत्ता

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र कपूर सिंह नि० भिवानी

(भ्रन्तरिती)

हो यह सूचना जारी करक पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजंन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति क ग्रजैन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रेयांचे द्या उत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना को नारीब ने 30 दिन की संबंधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वित व्यक्तियां में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूजना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 250 व० ग० लुहारू रोड, भिवानी में स्थित है जिसका स्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकरती के कार्यालय, भिवानी मे रिजस्ट्री संख्या 2501 दिनांक 22-12-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16—8-82

### प्ररूप आई० टी• एन० एस०---

ग्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 को 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन मूचला

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, रोहतक

राहतक, दिनाक 16 भ्रगस्त, 1982

निदश स० भिवानी/27/81-82--श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल

आयकर श्रिवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिल्ला प्रधानियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर पश्चित जिल्ला उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्षयों अधिक है

श्रौर जिसकी मं० भूमि 250 व० ग० हे तथा जो लुहारू रोड, भिवानी में स्थित हं (श्रौर इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण हप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भिवानी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 81

- (स) अन्तरण मे हुई िनसी आय का जावन, उसन वाध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या असले बचने में मुविधा क लिए, और/धा
- (ख) ऐसा किसी प्रायण के से अस्य आस्तियः हो, किहा कार्याय दाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, अन्ति अधिनियम, अन्ति अधिनियम, अन्ति अधिनियम, अन्ति अधिनियम, कान्ति (1957 का 27) के अध्यानार्थं स्टार्स कर प्रचान नहीं किया स्था था कि किया जाना बाहिए था, छिपान में सुविधा के किए;

सत: सब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म, म, जनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- सर्व श्री

- (1) प्रभाशंकर केदिया
  पुत्न मदन लाल
  श्रीमती विद्या देवी,
  सर्वे श्री राम शंकर,
  जय शंकर, विजय शंकर पुत्रान श्री मदन लाल
  भिवानी, भ्रब राजा नाभा कृष्ण गली,
  कलकत्ता (भ्रन्तरक)
- (2) श्री हुकम सिह पुत्न श्री केशर सिंह, नि०भिवानी (श्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्तिके धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की स्रविध या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूर्वना क धातान में नकागन को नारोख स 45 दिन के भीतर उनन स्थावर सम्पत्ति में हितबक किमी प्रस्य व्यक्ति द्वारा अधाहरनकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मन्दीकरण:--इसम प्रयुक्त मन्त्रा और पर्वा का, जो उन्ना प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अयं होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है

### जगृत्त्वी

सम्पत्ति भूमि 250 व० ग० लुहारू रोड, भिवानी पर स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, भिवानी में, रजिस्ट्री संख्या 2503 दिनांक 22-12-1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-8-82

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 ग्रगस्त, 1982

निदेश स० बल्लबगढ़/429/81-82---- ग्रतः मुझे गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 72 सं० 1555.5 व० ग० है तथा जो श्रौद्योगिक एस्टेट नं० 1, फरीदाबाद में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किथा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृत्ररण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) कुंबर धन जय सिंह उर्फ धन जय सिंह पुत्र हरगोबिन्द दयाल
   41/42 लेली रोड,
   केसर बाग, लखनऊ (श्रन्तरक)
- (2) श्री भगवानदास गुप्ता पुत्न किशोरी लाल गुप्ता 13, न्यू कालोनी, माडल बस्ती, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अन्सुची

सम्पत्ति प्लाट नं० 72, क्षे० 1555.5 व० ग० ग्रौद्योगिक एस्टेट नं 1, फरीदाबाद में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकरण कर्ता के कार्यालय, बल्लबगढ में, रजिस्ट्री-मख्या 12996 दिनांक 31–12–81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

नारीख 17- 8-82 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहकाड

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 ग्रगस्त 1982

निदेश सं० बल्लभगढ़/426/81-82--श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रांद्योगिक प्लाट न० 155 क्षे० 1315.55 व० ग० है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 81

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात सं अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे मृन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिस उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय, की बाबत अक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे ब्चने में सृत्या के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय मा किसी धन मा अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्षार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृत्विधा के प्रियः

अतः अब, उस्त अधिनियम, की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

t t

(1) श्री जी० बी० कानूगो पुत्र भगवान दास नि० ई-6, साकेत, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)

(2) श्री कुल भूषण कुमार
 पुत्र हंस राज कुमार
 नि० 1-जी,-55, लाजपत नगर,
 नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स् से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-वर्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्धी

सम्पत्ति भ्रौद्योगिक प्लाट नं० 155 क्षे० 1315.55 व०ग० मेक्टर 15, फरीदाबाद में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण राजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय बस्लभगढ़ में, राजिस्ट्री मंख्या 12892 दिनांक 29-12-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंत्र, रोहतक

नारीख: 16-8-82

मोहर 🕄

प्रस्प भाई० टी॰ एन० एस०---श्रायकर **भविनियन**, 1981 (1981 का 43) की **धारा** 269-चं (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 श्रगस्त 1982

निदेश सं० ग्रम्झाला/55/81-82---ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ग्र के भ्रमीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मूस्य 25,000/- इपये से अधिक है श्रीर जिसकी मं० मकान नं० 597/84 बी०-9, मॉडल टाउन है तथा जो श्रम्याला शहर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनु-मूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय श्रम्याला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 का 16(

के अधीन तारीख दिसम्बर, 81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुसे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है 1—

- (क) खन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्राधिनयम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में भ्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। ओर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आग्नियों को जिन्हें भरतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

श्रतः अब, उपन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उपत प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रीन, विस्तिलियन क्यवित्यों. अर्थान 1--- (1) श्री करमीरी लाग पुत्र कुष्ण आस पुत्र राम लाल, मॉडल टाउन, श्रम्बाला शहर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रीराम पृत्त श्री पन्ना राम म०नं० 597/84, बी-9, मॉइल टाउन. भ्रम्बाला णहर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायंबाहियां सुरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी ण्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ग्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीश्व से
  45 दिन के मीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--द्रमने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बाउक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

सम्पत्ति मकान प्लाट नं० 3, ए० एम० सी० 597/84 बी-9, मॉडल टाउन, भ्रम्बाला शहर में स्थित है जिसका भ्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय श्रम्बाला में, रजिस्ट्री संख्या 4521 दिनांक 8-12-81 पर दिया है।

> गो० मि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, रोहतक

तारी**व** : 17—8-82

प्ररूप बाह्र .टी.एन.एस.-----

# ग्रायकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन सुमता

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 ग्रगस्त 1982

निदेश सं० श्रम्बाला $\left|68\right|81-82$ —यतः मुझे, गो० सि० गोपाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 22/23 है तथा जो श्रम्बाला शहर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रम्बाला में रजिस्ट्रीकरण

श्रीधिनियम, (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 81 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से अम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी प्राय. की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-य के बनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:---

(1) श्रीमती प्रेम लता पत्नी प्राण नाथ शर्मा पुत्र लखमी दास नि० म० न० 1687, मेक्टर 34-डी, चन्डीगढ़

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती मैना बत्ती पत्नी राम चन्द पुत्र शेर सिंह म० नं० 22/23, राजा पार्क, श्रम्बोला कैन्ट

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी प्रविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किभी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ 'खक्त अधि-नियम', के अध्याय 20-क में परिधाबित हैं; वही श्रर्थ, होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **अमृसुची**

सम्पत्ति मकान नं० 22/23, राजा पार्क, अम्बाला कैन्ट में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण संख्या 4883 दिनांक 29-12-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 17-8-82

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहनक

रोहनक, दिनांक 17 श्रगस्त 1982

निदेश सं० श्रम्बाला/70/81-82--ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन मक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संग्री, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क० में प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 3553-54 टिम्बर मार्केट है तथा जो ग्रमबाला में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रम्बाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख दिसम्बर, 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के, उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) घौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत निम्कितियों उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिविक का सम्बंध से किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर दैने के प्रस्तर के दासिस्व में कमी करने या उसम बचने में पुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या मन्य भास्तियों को, जिन्हे भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, वा भन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अधीत्:——
5—256GI/82

- (1) श्री वीरेन्द्र सैन पुत्र मीनी राम नि० 2760 टिम्बर मार्केट, श्रम्बाला कैन्ट । (श्रन्तरक)
- (2) श्री जदीण लाल भ्रोबराय पुत श्री ज्वाला सहाय, भ्रम्वाला फैन्ट म० नं० 3553-54, टिम्बर मार्केट प्रम्बाला कैन्ट।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारो करहे पूर्वोक्त सम्पति हे धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उना सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप --

- (क) इप पुत्रता के रामप्तत ने कागत की तारोख में 45 दिन की प्रविध या त.सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति तारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीज ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

ह्वड डीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदो का, जा उक्त श्रविनियम, के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रद्धाय म दिया एया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 3553-54, टिम्बर मार्केट, श्रम्बाला में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, श्रम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण 4734 दिनांक 21-12-81 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारी**ख: 17-8-8**2

प्ररूपं आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-घ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 ग्रगस्त 1982

निदेश सं० गुड़गांबा/239/81-82--श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुत. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 11 बीघा 18 मरले हैं तथा जो सिकन्दर-पुर घोसी में स्थित है (ग्रौर इससे उपायक ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय गुड़गावा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, (1908 का 16) के ग्रिधीन नारीख दिसम्बर, 82

को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एमें द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निशित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिश्वित में बास्तिविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री गज्जू उपनाम स्त्रचेटू पुत्न उदमी, रितराम, टोडर पुत्रान घीसा नि० सिकन्दरपुर घोसी

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० गुलमोहर होटलस प्रा० लि०, नई विख्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा, अधोहस्ताक्षरी जे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 11 बीधे 18 मरले, सिकन्दरपुर घोसी में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांवा में, रिजस्ट्रीकरण 3504 दिनांक 14-12-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 17-8-82

प्ररूप आइ<sup>1</sup>.टी एन, एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

क मोरा प्राव बारवर प्रमा (निरोक्षण)

अर्जन रेंज. रीहतक

रोहतक, दिनांक 17 श्रगस्त 1982

निदेश मं० गुड़गांवा/240/81-82---श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 6 बीघे 4 बिस्वे है तथा जो सिकन्दरपुर घोसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांवा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख दिसम्बर, 81

को पूर्वो कत संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

(1) श्री गज्जू उपनाम खनेड्रू पुत्र उदमी, रितराम पुत्र शीसा राम, नि० सिकन्दरपुर शोसी।

(अन्तरक)

(2) मैं ० गुलमोहर होटल्स प्रा० लि०, न्यू देहली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में की हैं भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजएत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति कारा अभोग्नताक्षरी के पास

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### वन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 6 बीघे, 4 बिस्वे गांव मिकन्दरपुरघो से स्थित है जिसका अधिक विवरण र्राजस्ट्रीकर्ता के कार्य गुज़गांवा में, रिजस्ट्री संख्या 3505 दिनांक 14-12-81 में है।

गा० सि० सक्षम ऽ सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (f ग्रजैन रेज

अतः अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

नारीख: 17-8-82 मोहर:

### प्ररूप नाइ. टी. एन्. एस . -----

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के श्रमीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 अगस्त 1982

निदेश सं० रोहतक 143/81-82--श्रतः, मुझे, गो० सि० गोपाल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के प्रधीन तम्रम प्राविकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका एचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी मकान नं० 20 वार्ड नं० 16/797, हरीनगर है तथा जो रीहतक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय रोहतक में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख दिसम्बर 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मातिकत उद्वेषय से उचत अन्तरण निवित में वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनत अधि-नियम, के अधीन कर देने के सन्तरक के बाबिस्व में कमी करने या अधी बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एंसा कितो आर या किसो छन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या अगत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ धन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

ापत विविचित्र की धारा 269-म के अनुसरण , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)

ा, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री मुभाप चन्द्र पुत्त श्री सीता राम, पुत्र भगवान दास, म० नं० 32, आर्य नगर, रोहतक। (अन्तरक)
- (2) श्री सोम नाथ पुत्र श्री राम वित्ता मल, मैनेजर, लक्ष्मी कर्माशयल बैंक, ग्रस्थल बोहर (रोहतक) (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### सम्स्वी

सम्पत्ति मकान नं० 20, वार्ड नं० 16/797 हरीनगर, रोहतक में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्री संख्या 4823 दिनांक 16-12-81 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन देरेंज, रोहतक

नारीख: 17-8-1982

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •----

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 धगस्त 1982

निर्देण सं० पानीपत/136/81-82—-ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ए० से प्रधिक है,

श्रीर जिसकी संख्या फैक्टरी बिल्डिंग है तथा जो पानीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित हैं) र्जिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय पानीपत में र्राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खक्त भ्रिष्टिनियम, के भ्रिष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या श्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिश्चित्यम, या धन-कर श्रिश्चित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए;

अत: श्रवः, उक्त श्रविनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त श्रविनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के श्रवीन; निम्नलिखित व्यक्तियों. श्रवीन:--- (1) श्रीमित लाजबन्ती विधवा श्री श्रमरनाथ म० न० v/1- 325--v, लारेंस रोष्ट, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनोहर लाल पुत्र राम चन्द्र पुत्र लधा राम, गां० व डा० उरलाना कलां त० पानीपत। (भ्रन्तरिसी)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कारवाहियां करता हुई।।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त भ्रिविनयम के भ्रष्ट्याय 20-म में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिपा गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति फैक्टरी बिल्डिंग, पानीपत में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्री मंख्या 5502 दिनांक 22-12-1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 16-8-1982

गाहर:

# प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूच्ना

#### भारत सरकार

कार्यालयं, सहायकं आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० पानीपत/137/81-82—ग्रत मुझ, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० दुकान नं० 2 एम/ए, नारायन सिह् पार्क है तथा जो पानीपत में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण च्प से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिसम्बर 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क्क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर दान के अन्तरक क दायित मा कसी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्श अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- (1) श्री बीरबल पुत्र श्री चमन दास मं० नं० 281, দ্দত বাৰ্ছত मॉडल टाउन, पानीपत।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री खुशी राम, दुकान नं० 2 एम/ए, नारायन सिंह पार्क, पानीपत । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वों क्त सम्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिलिन में किए जा सकों।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जगसची

सम्पत्ति दुकान नं० 2 एम/ए नारायन सिंह पार्क पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्री संख्या 5439 दिनांक 18-12-1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 17-8-1982

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस.-----

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० गुड़गांवा/312/81-82—ग्रतः मुझे, गो० मि० गोपाल

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 9 बीघा 5 बिस्वे हैं तथा जो सिकन्दरपुर घोसी में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय गुडगांवा में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नारीख दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त मपित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत, उत्तर अधिनियम के अधीन - कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मित्रधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— (1) श्री मोहर सिंह पुत्र श्री शिव लाल सिकन्दरपुर बीसी

(ग्रन्तरक)

(2) मैं ० देहली लैन्ड एण्ड फाईनेंस. 21-22, नरेन्द्र 'लेस पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिस्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हित-बव्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ह<sup>र्ग</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

# वन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 9 बीघे 4 विस्वे सिकन्दरपुर घोसी में स्थित है जिमका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़-गावां में, रजिस्ट्रीसंख्या 3589 दिनांक 24-12-1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रश्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

नारीख: 17-8-1982

मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एग०

प्रायकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 18 भ्रगस्त 1982

निर्देश सं० गुड़गांवा/318/81-82—श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269 खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से धिषक है

स्रौर जिसकी मं० भूमि 10 बीघा 13 बिस्वे है तथा जो नाथू-पुर में स्थित है (स्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे स्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुडगावां मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1981

को पूर्वाक्य सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोनें के अन्तरक के विधित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना जाहिए था स्थितियों में सुविधा के लिए;

भत: अब, उन्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:---

(1) श्री खुणी राम, रति राम पुत्रान श्री तोता निवासी गृङगांवा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित नीम्ब जैन पुत्री श्री मोहिन्दर सिंह नि० डी । ए. ग्रीनपार्क, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह युचना तारी करके पूर्वोस्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अओहस्ताक्षणी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

म्बज्होकरण: --इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जा उक्त ग्राधिक नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिश्य गया है।

# **जन्**भूची

सम्पत्ति भूमि 10 बीघे 13 बिस्वे गाव नाथूपुर में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गावां में, रिजिस्ट्री संख्या 3509 दिनाक 15-12-1981 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल, मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

नारीख: 17-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० गुड़गांवा/319/81-82--श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ), की 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक **ह**ै

भ्रौर जिसकी सं० भूमि 44 कनाल 13 मरले है तथा जो शाहपुर मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण म्ब्प से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुड़-गांवा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1981

को पूर्वेक्ति संपर्तित के उचित बाजार भूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपति का उचित बाजार मुल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एोसे अन्तरण की लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---6--256GI/82

- (1) श्री ग्रजीत सिंह पृत्र राम लाल नि० सरहोल (भ्रन्तरक)
  - (2) मैं० देहली लैण्ड एण्ड फाईनैन्स लि'० 21-22, नरेन्द्रा पैलेस, नई दिल्ली पार्लियामेंट नई विल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह स्मृता जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ब) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी केपास लिखित में किए जा सकोंगे।

**ल्फ्फ्टीकरण:–इ**समें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 👸 ।

# अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 44 कनाल 13 मरले गांव शाहपुर में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण राजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय. गुड़गावां में, रजिस्ट्री संख्या 3522 दिनांक 15-12-1981 पर दिया है ।

> गो० सि० गोपाल. सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 17-8-1982

प्ररूप आर्ध, टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269 ए (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
भर्जन रेंज-II मद्राम
मद्रास, दिनांक 13 श्रगस्त 1982

निदेश सं० 9572—श्रतः मुझे, श्रार० पी० पिले नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क निभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सर्पान्त 'जनवा उत्ति न जार गान 25,000 - रह से अधिक है

श्रीर जिसकी सं सरवे 370/1ए, 1 ए, है जो कयरमबेठ चेनगल-पेट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चेनगलपेट (डाकुमेंट सं० 2551/81) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1981

को पूर्वों कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफास के लिए अप्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का प्रंत्रह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितिओं) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल का निम्निलिखत उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्म से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः मत्र, उक्त मधिनियम, की प्रारा 269-ध के ग्रन्सरण मों, भों, उक्त अधिनियम को धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) दरमराज भ्रौरज श्रदरस

(ग्रन्सरक)

(2) ऋष केर (पि०) लिमिटेड

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वास्त व्यक्तिया में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वास्त
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्मध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अभूस्ची

भूमि **करके** सं० 370/1ए 1ए, कयरमबेठु (डाकुमेट स० 251/81) ।

> श्रार० पी० पिलै, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुप्रेन रेज-II मद्रास

तारीखा: 13-8-1982

म्बहर .

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 265 व (1) क अधान सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण)

श्रर्जन रेज-11 मद्रास

मद्रास, दिनाक 13 श्रगस्त 1982

निदेश स० 9572—प्रत. मुझे, ग्रार० पी० पिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० सरवे न० 370/1ए, 1ई1, है, जो कयरम-बेठु (डाकुमेट स० 2552/81) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप में विशत है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय, चेनगलपेट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1981 की पूर्वों क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना आहिए था, छिमाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री ठोरैस्वामी

(ग्रन्तरक)

(2) ट्रापिकल श्राग्रा सिसटम्स, (प्रा०) लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी वविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि सरवे सं० 370/1ए, 1ई, क्यरमबेठु (डाकुमेंट सं० 2552/81) ।

श्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-11 मद्रास

नारीख 13-8-1982:

प्रस्प धार्वटीवप्तवप्सव----

स्रायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-घ(1) के संधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनाक 13 श्रगस्त 1982

निदेण सं० 9572 श्रतः मुझे, श्रार० पी० पिलै, पायकर श्रिमितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के पश्चात सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्वाउर संपन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० सं ाधिक है

ग्नौर जिसकी सं० सरवे 370/1ए 1 जी (पारट) ग्नौर 370/1ए-1डी है, जो कयरमबेठु चेनगलपेट में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय चेनगलपेट (डाकुमेट सं० 2549 ग्रौर 2550/81) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम् के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास ारने का कारण है कि प्रवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य उत्पक्त क्यमान प्रतिकल भ. एन दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशात से प्रविच्छ ने और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती प्रवारितियों) में वीच ऐप पन्तरण के जिए तथाया गया प्रतिकत किन्तिखिल एट्टिंग उत्तर अन्तरण निखित में बारनिक भंज क किन्त नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण संहर्ष किसी आम की बाबत उक्त अधि-लिसभ ने अधीत कर नो के यन्तरक के दायित्व में कमी (रा) में उसने नजने में सुनिया है लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उना अधिनियम, या धन कर ग्रिजियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

्रक्तः प्रक, रुव्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण य में प्रक्त प्रकृतिक्ष के प्रमुखरा (1) अधीन, निम्नक्तिकेट कावितको प्रणात '--- (1) श्री सुनदराज ग्रौर ग्रदरम

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ट्रापिकल श्राग्रो सिस्टम्स (पी०) लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह भूतना जारी करके एठोंक्त सम्पत्ति के प्रजेत है लिए कार्यशिहियां करता हूं।

उरत सम्यन्ति हे पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी श्रम्य न्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: --इ १ में प्रयुक्त अक्दों ग्रीर पदों का, जा खक्त ग्रिधिनियम के ग्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वहां ग्रायं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **जन्**स्ची

भूमि श्रौर निर्माण सरवे 370/1ए, 1जी (पारट), 370/ 1 ए, 1 डी०, कयरमञ्जेटु । (डाकुमेंट सं० 2549/2550/81)।

> श्रार० पी० पिलै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

नारीख : 13-8-1982

प्रकप आर्धः दी. एन . एस . ------

भायकार मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 13श्चगम्त 1982

निदेश सं० 11848----ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० पिलै,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें समके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 26/428 है जो रनगे घाँडर स्ट्रीट, कोयम्बटूर में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कोयमब्बटूर (डाकुमेंट सं० 6430/81) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त गंपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अध्या है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की भावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बौद्ध/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 19?? 17922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

बतः अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री नबीसा बी० ग्रीर ग्रवरस
- (भ्रन्तरक)
- (2) श्री सी० मोहम्मद इसमायिल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेपः --

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्योक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकांगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण 26/428, रनगे घौडंर स्ट्रीट कोयम्ब- टूर । (डाकुमेंट सं० 6430/81) ।

ग्रार० पी० पिलै, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

नागेख: 13-8-1982

प्रकृप द्याई • टी • एन • एस •---

श्रायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26 • म (1) के समीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, मद्रास मद्रास, दिनाक 13 श्रगस्त 1982

निदेश रा० 11848—श्रतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 26/428 है, जो, रनगे घौडर स्ट्रीट, कोयम्बट्र में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कायम्बट्र (डाकुमेट स० 6431/81) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त समासि के उजित बाजार मूल्य से तम के दृष्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुदे अर विश्वास करने वा त्रारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति ना उजित आजार मूल्य, उसके दृष्यमान पतिफल स, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्याजनार प्रेत्रन्सरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिक्षा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ज्धीन, निम्निलिखित स्थितियों, अर्थात् :—— (1) नबीसा बी० ग्रौर ग्रदरस

(भ्रन्तरक)

(2) के० रामास्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन को अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पट्योकरण .--इनम प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो उत्तत श्रिष्टि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय प दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-26/428 रनगे घौंडर स्ट्रीट कोयम्बट्र (डाक्सेट सं० 6431/81)।

> ग्रार० पी० पिरूलै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-11, मद्रास

नारी ख: 13-8-1982

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-II मद्रास
मद्रास, दिनांक 13 श्रगस्न 1982

निदेश सं० 16908—अतः मुझे, स्नार० पी० पिल्ले, स्नायकर सर्विनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रवीत गांग पाधिकारी को, यह विश्वास करने हा कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- छ० से स्रिक है

श्रौर जिसकी मं० टी० एस० 8205/5 है जो बालाजी एवेन्यू मद्रास 17 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप मे बर्णिन है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय टी० नगर (श्राकुमेट सं० 2704, 2705/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्र प्रतिशत शिक्त है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निख्निन में वास्तविक क्या के लिए। तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण निख्निन में वास्तविक क्या के लिए। तथी

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-फर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

(1) श्री बी० तियागराजन ग्रौर ग्रदरस

(अन्तरक)

(2) श्री रटसला श्रीर निरमला

(भ्रन्तरिती)

को यह पुत्रशा जारा करके पूर्वीश्व सप्यति क वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इन सूचना के राजान नें प्रकाशन की तारी खा में 45 दिन की सर्वाध या तत्मक्वमधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की ध्रवित, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस म्बरा के राजगत में प्रकाशन को नारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोत्रस्ताकारी के पास लिखिन में किए आ सर्केंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रपुतन शब्दों भी पतों का, जो उपत श्रीवित्यम के भग्याय 20-क में परिमाणित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस भश्याय में दिया गया है।

#### ननस्यी

भूमि टी० एस० 8205/5 बालाजी एवेन्यू मद्रास 17। (डाकुमेंट सं० 2704 श्रौर 2705/81)

> श्रार० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियो, अर्थातः—

तारीख: 13-8-1982

मोहर .

प्ररूप आई<sup>1</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

r i

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 श्रगस्त 1982

निदेश सं० 11795—अतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 406/1 592/1ए 407/3 बी है जो श्रोठनतुरै में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है)रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मेट्टपालयम (डाकुमेंट सं० 3070/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंशरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किल्सी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व को प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गी० के० राम कुप्पुस्थामी स्रौर स्रदर्स (स्नन्तरक)

(2) श्रीपी० ग्रार० विट्टल

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिसुयो पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ज<u>ुन</u>्स्ची

भूमि सरवे 406/1, 407/1, 407/5बी 592/1ए स्रोठन तुरै, मेट्टुपालयम । (डाकुमेंट सं० 3070/81)।

ग्रार० पी० पिल्नें सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

नारीख : 13-8-1982

प्रकप बाई॰ दी॰ एन॰ एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 श्रगस्त 1982

निवेश सं० 16830—ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सञ्जन प्राधिकारी वी, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिल्हा उचिन बाजार मून्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं टी एस लं 391/1, है, जो बाल-कृष्णनप्प नायरवन स्ट्रीट, मद्रास 33 है, जो बालकृष्णप्प नायरवन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूधि में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमपाटवम (डाकुमेंट सं 6284/81) में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रविक्त हैं भौर धन्तरक (प्रन्तरकों) भौर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे अक्त धन्तरण लिखिन में वास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसा आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर√या
- '(श्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिष्ठिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठिनियम, या भ्रत-कर श्रिष्ठिनियम, या भ्रत-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, जैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात् :---- 7---256GI/82

(1) श्री बी० के० सुन्नमणियन

(प्रन्तरक)

(2) श्री ए० एच० सेबसटियन

(मन्तरिती)

को यह मूजरा जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियाँ करता हूं।

**एका सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी आक्षेप 1~~** 

- (ज) इप यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारपः
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्माति से हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्डीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रवं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## वनुसूची

भूमि टी० एस० 39/1 बालकृष्नप्प नायखन स्ट्रीट, मम्रास-23 ।  $\left( \overline{\text{डाकुमेंट संo } 6284/81} \right)$ 

श्चार० पी० पिल्ल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 13-8-1982

प्ररूप नार्द. टी. एन. एस.-----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)की घारा 269व(1) के सबीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 9 दिखम्बर 1981

निदेश सं० — प्रतः मुझे, ए० लहरी, आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उव्ह प्रधिनियम' कहा गया है), की प्रारा 249 ख के अधीन भक्षम ब्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उविश्वाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है ब्रीर जिसकी सं० एस० 7 37/2-ए पोतनूर गांव, सेलम हिस्ट्रिक्ट है, जो में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बेलूर (सेलम) में रजिस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 9-12

(डाकुमेंट सं० 1684/81)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिषक के लिए पन्तरित की वर्ष है बौर मुझे यह विभवात करने का कारच है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिषक से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चित्र प्रतिवत्त से अधिक है बौर मन्तरक (मन्तरकों) और झन्तरिती (झन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरक के निए स्य पाया यया प्रति-फश निम्मसिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरच बिखित में वास्तविक रूप से किंवत नहीं किया गया है।——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने से भ्रन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर मित्रियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर बाध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कातः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः--- (1) श्री के० इस्ट सेन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री घार० पी० चीन्नप्पन ग्रीर अवसं

(मन्तिरती)

को यह युचना गारी करके पूर्वोका समाति के पर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूं।

उना जम्मति के प्रवेत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप ---

- (क) इस मूचना के राजनत में अकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दार;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पन्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदी का, जो उक्त ग्रीधनियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रयं होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

(भूमि श्रौर निरमाण—एस॰ सं॰ 137/2-ए पोतनूर डाकुमेंट सं॰ 1684/1981)।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>I, मद्रास

तारीख: 17-8-1982

प्ररूप आहरं.टी.एन.एस. ------

श्रायक्तर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 घ(1) के श्रीम सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास , दिनांक 18 श्रगस्त 1982

निदेश सं० 97/विसम्बर/81—अतः मुझे, एस० लहरी, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संग्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-इ॰ में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 9, 10 श्रीर 11 लागस गारडन रोड, मद्रास-2 है जो में स्थित है (श्रीर इससे उवाबद्ध श्रनुसूच: में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पेरीयमेट, मद्राम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रयोन 23-12-1981 (डाकुमेंट सं० 1661/81) को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत खबस अिंदिनम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे अधिक में सुविधा के शिए। और/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन मा अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) श्री वी० वी० वेंगटनारायजन

(ग्रन्तरक)

(2) शांतीबाय एम० ललका

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में क्योह भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीनर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रश्नितियम के भव्याय 20-क म परिभाषित है, वहा अर्थ होगा जो उस श्रव्याय में विधा गया है।

# बन्स्ची

(भूमि भ्रौर निरमाण डोर सं० 9, 10 श्रौर 11, नांगस गारडन रोड, कोमालेस्वरन, पट्टी, मद्रास-2 डाकुमेंट सं० 1661/81)।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1 मब्रास

तारीख:18-8-1982

मोहरः '

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 श्रगस्त 1982

निवेश सं० 1/विसम्बर/81—श्रतः मुझे, एस० लहरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से विधिक है

श्रौर जिसकी सं० 41, सम्बुदास स्ट्रीट जारज टाउन, मद्रास 1 है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास जारत में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-12-1981 (डाक्मेंट संख्या 9969/81)

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिख्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व मों कभी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात् :--

- (1) श्री दाऊद अबदुल्ला बाय रंगवाला ग्रौर अदरस (श्रन्तरक)
- (2) श्री यूसूफ श्रगबरली वन्गरवाला (श्रन्तरिती)

( , ,,,,,,,

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्हस्ताकरी के पास लिखित में किए जा स्कॉगे।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्बो और पवीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(भूमि श्रौर निरमाण---डोर सं० 41, सेम्बुवास स्ट्रीट, जोरज टाउन, मद्रास-1, डाकुमेंट सं० 9969/81)।

एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I। मद्रास

तारीख: 16-8-1982 ।

प्ररूप० आई० टी० एन० एग०--- ---

प्रायकर प्रिचितियम, 1981 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरवार

> कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनाक 17 श्रगस्त 1982

निवेश स० 8/दिसम्बर/1981—-प्रतः मुझे, एम० लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. स आधिक है

श्रीर जिसकी सं० डोर स० 42 बाशयकारलू नायुडु स्ट्रीट जी० टी० है, जो मद्रास- $\Pi$  में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अतुसूची में श्रीर पूर्ण क्य में विणित है), रिजिन्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सेकारपेट मद्रास में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 9-12-1981 (डोक्सेंट सं० 741/81)

को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से वास के दूरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पति का छित्र बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐप दूरवमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरिक (अन्तरिकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की नावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (प) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कां, हिजाकू भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों मों, उक्त अधिनियम, की शारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) जे० प्रम्मुकुमारी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० जी० दामोदरन श्रौर श्रदरस (श्रन्तरिती)

को यर पूजना बारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिया गर करता हूं।

उन्त सन्पत्ति के ग्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हुंती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पटिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(भूमि ग्रीर निर्माण——डोर मं० 42, बागयकारलू नायठु स्ट्रीट, जी० टी० मद्रास -1 (डाकुमेंट सं० 741/81)।

एसं० लहरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 16-8-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  $rac{1}{2}$ प्रजीन रेंज- $rac{1}{2}$ , मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 श्रगस्त 1982

निदेश सं० 11/दिसम्बर/811—श्रतः मुझे एस० लहरी, आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एस० मं० 315 गांधी रोड, पलिपेट्टै, श्ररकोनम है, जो मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०- $\Pi$  श्ररकोनम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-12-1981 (डाकुमेंट सं० 1467/81)।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है। --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा फेलिए: आरि/या
- (क) एंक्स किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :---

(1) बाल किंडणन और श्रद्रस

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सी० रामदस।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त को अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
  45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत्
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्त्रची

भूमि और निरमाण डोर सं० - 37, (ए स० स० 315) गाँधी रोड़, पलनिपहै अरकोनम-डाक्मेट स०: 1467/81)

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर <mark>श्राय</mark>ुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>I, मद्रास

तारी**ख** : 16-8-1982 ।

मोहरः

प्रकार आई० टो० एन० एस० -----

माथकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 16 श्रगस्त 1982

निदेश सं० 12/दिसम्बर/81---अतः मुझे, एस० लहरी, आयकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गण है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि ह्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 315/2, गांधी रोड, पलनिपेट्टै, श्ररकोनम है, जो (डाकुमेंट सं० 1469/81) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि कारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार०-II ग्ररकोनम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-12-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रित्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमह प्रतिशत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नृष्टीं किया गया हैं:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आध की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में प्रविधा के लिए;

सतः सब, उक्त प्रविभियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की खारा 269-व की उपधारा (1) के प्रक्रीन, निक्निशिवत व्यक्तियों, अर्थात् !--- (1) पी० माधवन नायर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति ग्रार० शन्ता बाय

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **धर्जन** के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामोल से 39 दिन का प्रवाध, जा मी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रागरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संप्रति में हित- बढ़ा किसी अन्य व्यक्ति द्वार। प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा नकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों शा, जो उक्त अधिनयम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में त्रिया गया है।

## अनुस्ची

(भूमि श्रौर निरमाण एस० स० 315/2, गांधी रोड, पलनिपेट्टै, श्ररकोनम डाकुमेंट सं० 1468/81)।

एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज-I, मद्रास,

**सारीख** : 16-8-1982

# प्रकृष आई.टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) स्ती धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

#### भारत संग्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 ग्रगस्त 1982

निदेश स० 13/विसम्बर/81—श्रतः मुझे, एस० लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० सं० 315, गांधी रोड, पलनिपेट्टें, श्ररकोनम है, जो (डाक्सेंट संख्या 1469/81) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०-II श्ररकोनम में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-12-1981

को पूर्वा वित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व क्षित सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निक्तिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्द्द किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कशी करने या उससे वजने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए भा, कियाने में सृतिभा ते लिए;

(1) श्री पी० रामचन्द्रन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सी० रामदास

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगी।

स्पद्धीकरण: — इसमे अयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

> एस० लहरी, मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायक्र ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भूगें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) कैं अधीन, निम्नीसीसत स्थितियों अर्थात्:--

तारीख · 16-8-1982 मोहर . 1

1

## प्ररूप आई∙ ही॰ एन॰ एस॰------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-व (1) के धधीन स्वना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 16 ग्रगस्त 1982

निदेण सं० 20/दिसम्बर/81—ग्रतः मुझे, एस० लहरी, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिम इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में प्रधिक है और जिसकी सं० डोर सं० 12 शिवगंगा रोड, मदुरै (टी० एस० है, जो सं० 43 में स्थित है (ग्रींग इससे उपायड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय टल्लाकुलम, मदुरै में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 7-12-1981

को पूर्वोंक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अम्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्स अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिथित व्यक्तियों, अर्थात—

8-256GI/82

(1) श्री एस० बी० बी० जुरुस्वामी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० पेरीयनन

(श्रन्तिरती)

को यत् **पूष**ना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लि**ए कार्यवाहियाँ कर**ता हूं।

उन्त सम्पत्ति के यूनेंग के सम्बन्त 🕇 कोई भी श्राप्तेय:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिए की सबिह, में भी ध्रवित जार में सारण प्रांती ही, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्यत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोइस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिक्षित्यम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो तम अध्याय में दिया गा है।

# अमुस्ची

(भूमि ग्रीर निरमाण——डोर सं० 12 शिवगंगा रोड मद्दरै । (डाक्मेंट सं० 5649/1981) ।

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण, श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 16-8-1982

# प्रकप आई टी. एन. एस. - -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-I, मद्रास

मद्रास-1, दिनांक 16 श्रगस्त 1982

निदेश सं० 21/दिसम्बर 1981—अतः मुझे, एस० वहरी, आयकार अधिनियम, 1981 (1961 का 43) िजिसे इसमें इसके पश्वात 'उवत अधिनियम' कहा गण ही, की धारा 269-स के अधीन मक्षाम प्राध्िकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रह में शीशन ही

धौर जिसकी सं० डोश स० 1, पी० टी० राजन होड II, स्ट्रीट, मदुरै है, जो (डाकुमेंट सं० 5712/81) में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टल्ला- कुलम, मदु<sup>‡</sup>, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-12-1982

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार म्लय में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भ
- (स) ऐसी किसी आए या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्मरण मो, मों, उक्स अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियां, अर्थात् :~~ (1) श्रीमति एस० विसालककी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित पी० राजसैन्दरम @राजास पीटरस (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>3</sup>।

## अनुसूची

(भूमि और निरमाण——डोर मं० 1, पीं० टी० राजन डोड II स्ट्रीट, मद्रै—— (डाक्मेट मं० 5712/81)।

> ्स० लहरी, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, मद्राम

तारीख: 16-8-1982

प्ररूप आर्ष: ती. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाक 18 भ्रगस्त 1982

निदेश म० 25/दिसम्बर/81—ग्रत मुझे, एस० लहरी, आयकर शिविनयम, 1961 (1961 वर 43) (निसे प्रसमें इसके पश्चात् अनत शिविनयम' कहा तथा है), की बारा 269-ख के श्रिजीन समाम श्राधिकारी की, यह विश्वास करने का रारण है कि स्थावर उप्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से श्रिक है

ग्रीर जिसकी सं० डोर स० 27 इंट्रिंग रोड हस्तपमट्टी, सेलम 7 है, जो (डाकुमेट स० 7724/81) में स्थित है (ग्रीर इसमें उपायद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार०-1 सेलम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयप, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाक 26-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य में कम के दूष्यमान प्रतिफल ने लिए पन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूष्यमान प्रतिफत सं, ऐते हुण्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से पिष्ठक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमति लक्षमी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नललैयन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भन्स्भी

(भूमि श्रीर निरमाण—डोर सं० 27, इटटेरी रोड हस्त-म्पट्टी, मेलम (डाकुमेंट सं० 7724/81)।

> एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

नागेख : 18-8-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनोक 16 श्रगस्त 1982

निदेश स० 27/दिसम्बर/81—-ग्रतः मुझे एस० लहरी, आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त' अधिनियम्' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० डोर सं० 26, कासा मेजर रोड एगमोर, मद्रास-8 है, जो (डाकुमेंट सं० 1578/81) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), राजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पेरीयममेट, मद्रास में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 7-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निल्खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ अधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उयत अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमति जी० सान्ता

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित श्रार० हैमावती

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त श्रुव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(भूमि श्रौर निरमाण—-डोर सं० 26, कासा मेजर रोड, एगमोर, मद्रास-8— (डाकुमेंट सं 1578/81)।

> एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज-I मद्रास

वारीख : 16-8-1982

# प्ररूप आर्च. टी. एन्. एस. ,-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 श्रगस्त 1982

निदेश स० 29/दिसम्बर/81--श्रत. मुझे, एस० लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० म० 136, एगमोर कील-पाक, मद्रास है, जो (डाकुमेंट सं० 1583/81) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पेरीयमेट, मद्रास में भार-तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर 1981

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापवींक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नालुखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हर्इिकसी आय की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने भें स्विधा के लिए;

(1) श्री बीज्यती वेंगट रंगरत्न्म @बी० डी० वी० रंग-रत्नम दूस्टी श्राफ बीजयदी कमकम्मा

(ग्रन्तरक)

(2) ए० एम० कतीरेसन

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुत्रोंकत सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस यूजनाके राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 4.5 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की श्रविध , जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित• बद्ध किसी भ्रन्य श्यक्ति द्वारा स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण '--इसमें प्रयुक्त गर्कों मौर पदों का, जो अक्त श्रिक्र नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नमुस्वी

(भृमि--श्रार० एस० सं० 136, एगमोर गाँव कीलपाक मद्रास । (डाकुमेंट स॰ 1583/81)।

> एम० लहरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I मद्रास

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

सारी**ख**: 16-8-1982

प्रस्प आइ<sup>६</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मदास

मद्रास, दिनांक 16 श्रगस्त 1982

निदेश स० 30/दिसम्बर/81——श्रतः मुझे एस० लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी स० प्लाट सं० 225, ए० ए० तगर, पेरीय-कूडल है, जो गांव मद्रास (डाकुमेंट सं० 1584/81) में स्थित है (ग्रर इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरीयपेट मद्राम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रगस्त 1981

- को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिन उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--
  - (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
  - (स) ऐसी किसी आयु या किसी धुन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :-- (1) श्री सुतीर रामचंद बुलचन्टानी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति गीता अगरवाल और अदर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस् स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति यूंगरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(भूमि प्लाट सं० 225, ए० ए० नगर पेरीयक्**ड**स गांव मद्रास ।  $(\exists \hat{g} \hat{H} \hat{c} = 1584/81)$ ।

> एम०लहरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, मद्रास

नारीख: 18-8-1982

माहर:

प्रकप भाइं. टी एन. एस.-----

प्राथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरोक्षण)

श्चर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाक 17 अगस्त 1982

निदेश स० 38/दिसम्बर/81—ग्रत मुक्षे एस० लाहरी ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी स० एम० मं० 56/1, है तथा जो पृथीरा गुन्डनपालयम, श्रात्त्र ताल्क मेलम डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधि-कारी के कार्यालय पेथानायाकनपालायम में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31 श्रगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अत-रिती (अतिरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक संप् से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर्रिया
- (ख) ऐभी किसी आप या किसो धम या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त मधिनियम, या घन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में मुविधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री भी० रामासामी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीर्गात बी० चन्द्राकान्त

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(भृमि श्रौर निर्माण—एस० स० 56/1, पृथीरागुन्डन-पालयम, श्रातूर तुल्क । (डाकुमेट स० 1603/81)।

> एस० लहरी, सक्षम स्रधिकारी महायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-I, मद्रास

नागेख : 17-8-1982।

मोहर .

## प्रक्रम आहा. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)  $% \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} + \frac{1}{2$ 

मद्रासः; दिनांक 17 श्रगस्त 1982

निदेश सं० 40/दिसम्बर/81—ग्रतः मुझे एस० लहरी, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 4, श्रार० सी० स्ट्रीट माडाकुलम गांव है, तथा जो पलंगानाथम, मदुरै-3 (डाकुमेंट मं० 6769/81) में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध में श्रीर पूर्ण हप से वर्णित है), राजस्ट्री-

कर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० ए० आर०—IV मदर्र में

भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के श्रधीन 14-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री पिच्चेंकुट्टी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० बी० थीमन एण्ड को० तिमिटेड (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अनुसूची

भूमि स्त्रोर निर्माण—डोर सं० 4, ग्रार० सी० स्ट्रीट, माडाकुलम गांव, पक्षंगानायम, मद्रै, डाकुमेंट सं० 6769/81)

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, मद्रास

तारीखा : 17-8-82

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-ा, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 श्रगस्त 1982

निदेश सं० 47/दिसम्बर/81—श्रतः मुझे एस० लहरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० तिची है तथा जो तिची मेन रोड, मेलम (डाकुमेंट मं० 7874/81) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार-I सेलम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधि- नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-12-1981 को पूर्वों क्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की पावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिरियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलियन व्यक्तियों, अर्थान् :---9---256 GI/82 (1) श्री पभानाश्चा चेट्टीयार

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गोविन्दराजु पंडाराम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्सूची

(भूमि श्रौर निर्माण--तिची मेन रोड, सेलम (डाकुमेंट सं० 7874/81)।

> एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, मद्रास

सारी**छ**: 17-8-1982

# प्रस्प माई• टी• एन• एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनोक 18 भ्रगस्त 1982

निवेश सं० 49/दिसम्बर/81—श्रतः मुझे एस० लहरी, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके परवार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पूरुष 25,000/- घ० से ग्रधिक है और जिसकी सं० डोर सं० 35, Ist स्ट्रीट नारायन नगर, है, तथा जो सेलम-। (डाकुमेंट सं० 7914/81) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार०—। सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन 11-12-1981

को पूर्वोकन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-का के लिए प्रस्तरित की बड़े है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पर्वहरू प्रशिशा अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और बन्तरिती (ग्रन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पामा गया प्रतिकत, निम्तलिबित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण लिखित में स्वादिक हो ने क्यिन नहां किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उपन अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक क शियस्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अबः उक्त ग्रिधिनियम की भ्रारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपभ्रारा (1) के अभीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) एस० प्रार० अरज्नन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति सन्तोषकुमारी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की सामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी
  ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में काशन को तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थाधर सम्पत्ति में हितकड़ किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण:--इपर्ने प्रपुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(भूमि ग्रौर निर्माण—श्रोर स॰ 35, स्ट्रीट नारायन नगर, मेलम-I (डाकुमेंट सं० 7914/81) ।

एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज I, मद्रास

तारीर : 17-8-1982 ।

श्राय तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 20 श्रगस्त 1982

निवेश सं० 11858—ग्रतः मुझे ग्रार० पी० पिल्लै, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्न ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-इ० से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० सरवे 136/1, 136/1ई, है, तथा जो कोमार-पालयम कोयम्बट्र में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिढिकारी के कार्यालय, कोयम्बत्त्र (डाकुमेंट सं० 6814, 6815, 6817/81 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बोच ऐसे प्रन्तरफ के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप में कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अक्टरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर भिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री कादिरेसन भक्तवत्सत्तम, श्रीनवासन (ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० ए० कादर ग्रमीना (भ्रन्तरिती)

को पर्युवनः नारी करक प्योक्त पत्यांत के प्रजंग कोलए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति ह अर्वेत के सम्बन्ध में कोई भी छाक्षेप :--

- (क) इप प्वता के राजगत में प्रकाशन को तारीख से 45 दित की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी शविधि बाद में समाप्त औती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा महेंगें।

हरावती करण :--इनमें प्रयुक्त अब्दों और पदी ना, जो उक्त आधि-नियम के श्रव्याय 20-क में गरिसाबित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस यहवाय में दिया गया है।

#### धमसंबी

भूमि सरवे नं० 136/1, 136/ई कोमारपालयम कोयम्बतूर । (डाकुमेंट सं० 6814, 6815, 6817/81) ।

> श्चार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-<sup>II</sup>, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

तारीख: 20-8-1982

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मदास

मद्रास, दिनांक 20 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० 11858—यतः मुझे, श्रार० पी० पिलं, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 136/1, 136/1 एफ० कोमारापालयम है, जो कीयम्बटूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कीयम्बटूर, (डाकुमेंन्ट सं० 6813, 6816/81 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिषाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री टी० कदिरेसन, बकतावटचालम

(श्रन्तरक)

(2) श्री श्रारुम्गहम ग्रीर कृष्णमाल

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारो करके पृत्रों क्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हु।
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# वनुस्ची

भूमि सर्वे सं० 136/1 श्रौर 136/1 एफ, कोमारपालयाम कोयम्बट्र (डाकुमेंन्ट सं० 6813, 6816/81)

> श्रार० पी० पिल्ल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 20-8-82

मोहरः

# प्र**कप् काई. टी**. एन. एस.---- -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, भोपाल

कोयम्बटूर, दिनाक 20 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० 11858—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० मरवे: 3168/1, है जो कोमारपालयम में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्ट्र (डाकुमेन्ट सं० 6818/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16), के श्रधीन दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नायत, उत्तस निधानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री श्रार० तिरुवेनफटस्यामी पुत्र श्री रामास्वामी नायडू 11/25ए नारायण दास ले ग्राऊट नं 4 ताताबाद, कोयम्टूर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री श्रार० राम सिवकामी
पुत्ती श्री रामनाथन चेतियर ग्नातनकुडी, जिला रामाड।
(अन्तरिसी)

का यह सूचभा जारी करके पृथाँकत सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकरीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

भूमि सरव 3168/1, कोमारपालयम, कोयमम्टूर (डाकुमेंट सं० 6818/81)

> श्रार० पी० पिल्ल सक्षम भ्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज II, मद्रास

तारीख: 20-8-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर प्रश्विनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

**प्रा**र्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 श्रगस्त 1982

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/~ स्थए से प्रधिक है

ष्प्रीर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 4/604, प्लाट नं० 25-ई० सर्वे नं० 367, हिस्सा नं०, (1) है तथा जो सान्ताकुज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-12-1981

को पूर्वेक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशन से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तिक रूप मे कथिय नहीं किया गया है: →-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्चनियम के श्रधीन कर टेने के ग्रन्तरक के दायित्व मे कमी करने या बचत में सुविधा के लिए; ग्रीर,या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिवियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर श्रिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीरन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्रीमती एस० एल० साल्डान्हा
  - 2. श्री डब्ल्यू० एस० साल्डान्हा
  - 3. मालाईड कांपॉरिशन

(धन्तरक)

- (2) लोरेटे वीला को० मॉ० हार्ऊिसग सोसायटी लिमिटेड (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी ध्यक्तियो पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भो अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यक्तियों में से किसी ध्यकित दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे।

स्पच्छीकरण:-इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है

## वन्सूची

श्रनुसूची जैसा कि, विलेख सं० एस० 1226/81 श्रौर जो सब-रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा वि० 5/12/81 को रिजस्ट्रर्ड किया गया है।

> एम० एम० शुक्ला सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 13-8-1982

प्रकृप बाह् .टी.एन एस . ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बंबर्ष

बम्बई, दिनांक 13 भ्रगस्त 1982

निर्देश सं० ए० श्रार० 2/3265-5/81-82—श्रतः मुझे, एम० एम० श् $\phi$ ना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. में अधिक है

ग्रौर जिस्कृती सं० प्लाट नं० 32 टि० पी० एस० 78 हैं तथा जो साँताऋज में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 7-12-1981

को पूर्वो क्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में अभी अरने या उससे बचने में सृतिधा करिलए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री विनोद चेंद्रकांत पितके

(ग्रन्तरक)

 सेक्रेटरी, सांताकुज मेडिकल को० ग्रांप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

3. श्रीमती सरूबाबाई एफ० बन्दुकताला (वह व्यक्ति जिसके श्र**धिभोग** में सम्पति हैं )

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 5398/75 श्रौर जो सब रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा दि. 7/12/81 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एम० एम० शुक्ला सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बस्बई

तारीख: 13-8-1982

प्रारूप बार्ड टी एन् एस .-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 सितम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/2825—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी मं० म० नं० 12/122 है, तथा जो गोलबाजार रायपुर में हिषत है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय रायपुर, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 29-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पण्या गया प्रतिफल, निम्नलिबित उच्चश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हाइ रिर्मी ाय का द्वारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; अरि/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सूबिधा अहे लिए।

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स

- (1) श्री सुखनन्दलाल गुप्ता पुत्र रामेश्वरलाल गुप्ता, निवासी बंजारी चौक गोलबाजार, रायपुर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री किशनचंद पुत्र शौकीराम निवासी श्यामनगर, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति को कर्षन के लिए कार्यनाहियां शुरू कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

गोलबाजार रायपुर स्थित मकान नं० 12/122

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-7-1982

मोहरः

प्रकार प्राप्ति टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 29 जुलाई 1982

निर्देण स० ग्राई० ए० सी०/श्चर्जन/2826—-श्चतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० प्लाट नं० 17/1 का प्लाट नं० 6 है, तथा
'जो सिविल लाइन्स में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची मे
ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिट्टीकर्ता ग्रिधिकारी के
कार्यालय, रायपुर, में रजिस्ट्टीकरण श्रिधिनियम, 1908
(1908 का 16) के ग्रिधीन 8-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्यत अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्ससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;-----

(।) भी जिणनिम्हि प्रस्तान, एग्व एच्व ८६० सिबित लाइन्स, रायपुर ।

(अन्तरक)

(1) श्री जितेन्द्र सिंह गुरचा, पुत चचलसिंह गुरचा, नित्रामी सिविल लाध्न्य, रायपुर । (ग्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल में 30 दिन की अविध., जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किंग जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:— इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय मे दिया गया ही।

### अनुसूची

मिविल लाइन्स रायपुर के ब्लाक न० 15 के प्लाट न० 17/1 का भाग प्लाट न० 6

देव प्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी सहायके स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन, रेज भोषाल

नारीख 29-7-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भीपाल, दिनांक 29 जुलाई 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/2827—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी यं० म० नं० 1 है, तथा जो स्टेशानवार्ड सिवनी में स्थित है (गौर इसरो उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, सिवनी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 4-12-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) 1. श्री हरगुनदास वल्द वीरमल सिधी,
  - 2. रामनाथ पोद्दार पुत्र धर्मचंद अग्रवाल,
  - लाल चंद वल्द मनीराम सिंधी,
     निवासीगण तहु व जिला सिवनी।

(भ्रन्तरक)

(2) ग्राणवानी ट्रस्ट, प्रो० श्री उधादास पुत्र हरगुनदास श्राणवानी सिंधी. निवासी कचहरी वार्ड, सिंबनी ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्टिकिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक् अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमसची

स्टेशनवार्ड सिवनी स्थित मकान नं० 1 (दोमंजिला)

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख : 29-7-1982

प्रकप धाई• टी॰ एन॰ एस॰-

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/2828—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त.

ब्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-रुपये से श्रिकि है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाटणीट नं० 4 है, तथा जो चंदुग्रा भाटा बिलासपुर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और सुझे पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत से मधिक है और पन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के भीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नांनिका उद्देश्य से उनत भन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रत्तरण सं हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्राधि-नियम के घंधीन कर देने के घंग्यरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचमें में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसो किमी भाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर आंधानयम, 1932 (1922 का 11) या उक्त भिविषम, या धनकर भिविषम, या धनकर भिविषम, या भकर भिविषम, विश्वतियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः असः, उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिज्यम की धारा 262-घ की अपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तिओं, श्रवांतु:--- (1) श्री श्रब्बासभाई पुत्र मुल्ला श्रब्दुलश्रली नि० खापरगंज, बिलासपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रशोक कुमार विजय कुमार पृत्नगण दर्शनलाल पंजाबी, निवासी दयालबंद, बिलासपुर।

(अन्तर्रती)

को यह सूचना <mark>जारी करक पूर्वीक्त संपत्ति के ग्रम</mark>न के लिए कार्य**वाहिया करता है**।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र

- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेक्ति, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्परित मां हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनता अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अनुसूची

अंदुग्राभाटा जूना बिलासपुर स्थित लेटर्नवाला खपरापोण पक्का मकान ब्लाक नम्बर 6 शीट नम्बर-4।

> देवांप्रय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख : 28-7-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस,------ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)को धारा

269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 9 जुलाई 1982

निर्देई स० भाई० ए० सी० (ग्रर्जन) 2829---ग्रत: मुझे, देवप्रिय पन्त,

**भायकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/-कार्य से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 30 है, तथा जो प्रोफेसर कालोनी इंदौर स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 19 दिसम्बर 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफार का पन्द्रह प्रतिशास अधिक है और भन्तरक (अन्तरकां) ग्रार प्रनारेतो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबस सक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बर्चन में सुविद्या के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त पर्धिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🕏 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) इंदौर बिल्डर्स, 27 यशवन्त मार्ग, इंदौर। (अन्तरक)
- (2) श्री नन्दकुमार दलाल पुत्र श्री बालक्रुप्ण निवासी 10 शकर बाजार इंदौर (म० प्र०) (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के रम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसा अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पध्दीकरण:--इसमें प्रयुवन शम्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रांग-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रय होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नम्बर 20 प्रोफेसर कालोनी, भवर कुम्रां रोष्ट्र इदौर (म० प्र०)।

> देवप्रिय पन्तः सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेन्ज, भोपाल

नारीखा . 9-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की; धारा 269 घ (1) के मिनि सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 श्रगस्त 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी० (ग्रर्जन) 2830--ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रूपये में अधिक है

श्रीर जिसकी स० सर्वे नम्बर है, 6/2/1 है, तथा जो ग्राम मूसाखेडी इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुस्वी में श्रीर पूर्ण के रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिसम्बर 1981।

(1908 का 16) क अधीन दिसम्बर 1981। की पूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) प्रनारण से हुई कियो प्राप्त की बाखा उका प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किमी स्राय या किसी धन या स्रत्य स्नास्तियों कौ, जिन्हें भारतीय स्नाय-कर स्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनन स्रिधिनियम या धन-कर स्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- (1) श्री कादरभाई पुत्र श्री उस्मानभाई मैनन 103, नार्थ मुसाखेडी इदार (म० प्र०)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कुसुमलता गोयल पन्नि श्री धन्नालाल गोयल निवासी 49 जानकी नगर, इंदौर (म० प्र०) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे !

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त मधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उम श्रध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

भिम सर्वे नम्बर 6/2/1 ग्राम मूसाखेड़ी तहसील एवं जिला इंदौर तथा निर्मित क्षेत्र

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-8-1982

प्ररूप जाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 9 श्रगस्त 1982

निर्देश स० श्राई० ए० मी० (श्रर्जन) 2831—श्रत मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्थाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० सर्वे न० 6/2/1 है, तथा जो मूसाखेडी इदौर मे स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय इदौर मे रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपरित् के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्टिनयम के भध्याय 20 क में यथा परिभाषित दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसिथयों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अध, उक्ट अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मा, मी, उक्ट अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अतिन, निम्निजिसित व्यक्टियों, अथित ----

(1) श्री कावरभाई पुत्र श्री उस्मानभाई मैनन 103 मूसाक्षेड़ी, इदौर (म० प्र०)

(ग्रन्सरक)

(2) श्री प्रहलाददास गोयल पुत्र हीरालालजी गोयल निवासी 49, जानकीनगर, इदौर (म॰ प्र॰) (अन्तरिती)

को गह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हिरुबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पस्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनिथम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **अभृत्**ची

भूमि सर्वे नम्बर 6/2/1 मूसाखेड़ी तह० व जिला इंदौर (म॰ प्र॰) तथा निर्मित क्षेंव ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्षण स्राधुक्त (निरी**क्षण**) स्रर्जन रेन्ज, भोपाल

नारी**ख**ं 9-8-1982 मोहर प्रकप बाह् .टी. एन. एस. -----

आयुक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 ध्रगस्त 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी० (श्रर्जन) 2832—श्रतः मुक्ते, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269- इस अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 6/3/1 है, तथा जो मूसाखेडी इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1981।

को पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हे एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ने) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों. अधीत :--- (1) श्री सिद्दीक भाई पुत्र उस्मान मैनन 103, नार्थ मुसाखेड़ी डंदौर

(ध्रन्तरक)

(2) श्री कैलाश चन्द्र गोयल पुत्र श्री हीरालाजनी गोयल 102, ग्रमुवाल नगर, इंदौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्स स्म्यस्सि के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पळीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जनुसूची

भूमि सर्वे नम्बर 6/3/1 ग्राम मूसाखेड़ी इंदौर (म॰ प्र॰)

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख 9-8-1982

प्ररूप आई. टी. एम. एस.

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रजंन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० मी० (ग्रर्जन) 2833—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे मं० 6/2/2 तथा जो मूसाखेड़ी इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्चा अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5 दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पस्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उथस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस वचने में सुत्रिक। के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित :--- (2) श्री श्रिकित गाउं पुत उप्मागगाई मैनन 103, नार्थ मुसाखेडी इदौर (म० प्र०)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शिवकुमार गोयल पुत्र किशोरीलाल गोयल 102, ग्रग्नवाल नगर इंदौर (म० प्र०)। (ग्रन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में विया गया हैं।

### अनुसूची

भूमि सर्वे नम्बर 6/2/2 ग्राम मूसाखेड़ी तहर व जिला इंदौर (मर्थ प्ररू)

देवप्रिय पन्ते सक्षम प्राधिकारः सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरंक्षण) ग्रर्जन रेन्ज भोपाल

तारीख: 9-8-1982

प्रकप धाई० टी० एत० एत०------

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन स्वता

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन क्षेत्र, भोपल

भोपाल, दिनांक 9 अगस्त 1982

निर्देश संव ग्राईव एव मीव (ग्रर्जन) 2831--- ग्रत: मुझे, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मह्य 25,000/-रुपये से मधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 7/3 है, तथा जो ग्राम मुसाखेड़ी इंदीर में स्थित है (श्रीर इसमे उपबद्ध श्रन्सुची में श्रीर पूर्ण च्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1981। ू

को प्याक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापविकत सम्पत्ति का उपित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाॅ) और अंतरिती √ग्रन्तरितिसी) के बोच ऐस ग्रन्तरण के लिए, तयपाया गया प्रति-फल निम्नोलिसित उद्दोरय से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम क प्रयोज कर दन के ग्रस्तरक के दायिश्व में करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए घीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत मधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए।

अतः, यय, उन्त अधिनियम, की धारा की 269-गके अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपद्यारा (1) क अधीन, निम्ननिखित व्यक्तियों भ्रयीत ;---11--256 GJ/82

(1) श्री ज्नेद भाई पुत्र उस्मान भाई मैनन 103, नार्थ, मसाखोडी इंदौर (म० प्र०)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेशकुमार गोयल पत्र किशोरीलाल गोयल 102, अग्रवाल नगर, इंदीर (म० प्र०) (ग्रन्तरिती)

को यह मुचना बारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त मन्त्रति ह प्रबंत के सम्बन्ध में कोई भो ग्राक्षेप :→→

- (क) इस सुचरा के राजरत में प्रकासन की तारी क से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
  - (ख) इस स्वता के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पद्यों का, जो अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि सर्वे नम्बर 7/3, ग्राम मुलाखेडी तह० एवं जिला इंदौर (म० प्र०)

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल

तारी**ख:** 9-8-1982 मोहर:

प्रहाप आई. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्वर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 9 म्रगस्त 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जन) 2835—ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी गं० प्लाट नं० है, तथा जो मनोरमागंज इंदौर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, 21 दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्त उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व मां कामी कारने या उससे अचने मां स्विधा के लिए; और/मा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री नवरतनमल पुत्र श्री राधाकिशन माहेश्वरी 113/114 श्रनूपनगर इंदौर (म० प्र०)। (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रोमप्रकाश पुत्र राधाकिशन मूदड़ा (मनोरमागंज (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

कार यह सूचना जारी कारके पृथांक्त सम्यक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाक्तित सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तन स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यपित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भवन तथा प्लाट नम्बर । मनोरमागंत्र इन्दौर (म० प्र०)

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख** : 9-8-1982 मोहर: प्ररूप आई.टी एन.एम.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन मूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनाक 6 अगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी० (अर्जन) 2836——श्रत. मुझे देवप्रिथ पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उणित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 222 है तथा जो खातीवाला टेक इदौर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रिधिकारी के कार्यालय, इदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 26 दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; बौर/बा
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्वों, अर्थात:—- (1) श्री ग्रब्दुल वहाब खान पिता ग्रब्दुल वहीद खान निवासी 6/2 सियागंज इदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद सलीम पिता श्रब्दुल मजीद गोरी पी० 37/3 मोहनपुरा इदौर (म० प्र०) । (श्रन्तरिती)

का यह सूचना नारो करके स्वकित सम्पत्ति के भन्नेन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजप में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी एस 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दो और प्दो का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंगा हैं।

#### सम्मनी

प्लाट नम्बर 222 स्कीम नम्बर 44 खातीवाला टेक इंदौर (म० प्र०)

> देवप्रिय पन्न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोषाल

नारीख : 6-8-1982 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ष(1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 5 श्रगस्त 1982

निर्देश म० ग्राई० ए० मी० (ग्रर्जन) 2837—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिषत बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

स्रीर जिसकी स० प्लाट न० 7 है, तथा जो मिलदिक के कालोनी इदीर में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद स्नुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, इदौर में र्राजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन 9 दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत म अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिवा) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म बाग्तिक हप संकिथत नहीं किया गया है ——

- (अ) अन्भरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भे कमी करने या उससे क्याने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धन या फिया चाना चाहिए था, जिल्लाने में मुविधा के लिए;

(1) श्री सरदार खा पिता ग्रब्दुला सत्तार खा रिसाधन गली न० 1 मकान नम्बर 129, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रब्दुल गफूर पिता मोहम्मद साहब निवासी 9 लाहौर पट्टी, इदौर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यं क्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन का अविध बाद में समाप्त होती हा, के नीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित्स में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

प्लाट नम्बर 7 मिलीद किवें कालोनी इदौर (म॰ प्र॰) तथा उस पर बना टिन शेंड ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेन्ज, भोपाल

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्निणिखित व्यक्तियो, अर्थीत् ---

तारीख 5-8-1982 मोहर प्ररूप आई.टो.एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, भोपाल

भाषाल, दिनाक 18 ग्रगस्त 1982

निर्देश म० श्राई० ए० मी० (श्रर्जन) 2838— अत मुझे, देवप्रिय पन्त,

आप्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सपित्त, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा में अधिक ही

श्रौर जिसकी स० 659 है, तथा जो ज्यू देवास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप स वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय देवास में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23 दिसम्बर 1981

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मृत्य स' कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपिति का उचित बाजार माय, उसके त्र्यमान पित्रका से, एसे दश्यमान निकास का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए,

अत' अब, उचत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्ररण म, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत ---

- (1) डा० विजयकुमार पिता शकरराव निवासी इन्दौर ।
  - 2 डा० श्रीमती सविता पत्नी डा० विजय कुमार इनामदार, यशवत निवास इन्दौर (म० प्र०) (अन्तरक)
- (2) श्री बकटलाल पुत्र हीरालाल गुप्ता निवासी 47 नीलकठ कालोनी इन्दौर (म०प्र०) (श्रन्तरिती)

कायहस्चनाजारीकस्क पूर्वोक्तसपत्तिके अर्जन केलिए कार्यवाहियाशुरूकरताहु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सब्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस मूचना के राजपण्ण मा प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरण ---इसमा प्रयुक्त शब्दो और पदो का जा उक्त अधिनियम के अध्याय १०-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया स्था है।

### अनुसूची

भूमि जो कि सर्वे नम्बर 659 की भूमि का भाग है, जो कि ज्युनियर देवास में स्थित है और जो कि वह सम्पत्ति है जिसका विवरण उस ग्रन्तरण के इन्स्ट्र्मेण्ट में है जो कि रिजस्टर्रिंग श्रिधकारी देवास के कार्यालय में 23-12-1981 को पंजीकृत हुआ है।

देवप्रिय पन्न सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भाषाल

नारीख 18-8-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 6 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० (श्रर्जन) 2839—श्रत: मुझे, देविप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- स. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० खाता न० 76 है तथा जो ग्राम बावण्या देवास में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रानुसूची में श्रीर पूर्ण चप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 23 दिसम्बर 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एेसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय की बाबरा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, अबत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् — (1) 1 श्री मोतीलाल उर्फ राधेण्याम पिता लक्ष्मणजी चौहात 2. पुरुषोत्तम पिता रामचन्द्र चौहात दोनो निवासी खारी बाबडी मोहल्ला देवास (म० प्र०)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बकटालाजी पिता हीरालालजी गुप्ता निवासी 47 नीलकठ कालोनी, इंदौर (म० प्र०) (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और १६ का, जो उक्स अधिनयम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया ही।

### अनुसूची

खाता नम्बर 76 कुल सख्या नम्बर 8 भूमि ग्राम बायडया नहसील देवास में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल

ना**रीख**ं 6-8-1982 मोहर प्ररूप आहूर टी एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) क अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्याराय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल दिनाक 6 ग्रगस्त 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० मी० (ग्रर्जन) 2840—ग्रंत मुझे, देवप्रिय पन्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह पिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स में अधिक है

स्रोर जिसकी म० सर्वे न० 43 मे 48 तक है तथा जो ग्राम बावख्या देवाम मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची मे भ्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी ने कार्यालय देवाम मे रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, दिसम्बर 1981

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरिस की गई हैं और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य स उपत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बाने के अन्तरक के दायित्व मा कमी करने या उसमें बचने मो स्विधा के लिय, मौर/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए,

- (1) 1 श्री मोतीलाल उर्फ राधेण्याम पिता लक्ष्मणजी चौहान ।
  - पुरूषात्तम पिता रामचन्द्र चौहान दोनो निवासी 59 खारी बाश्रडी देवास (म० प्र०) (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बकटलालजी पिता हीरालातजी गुप्ता निवासी 47 नीलकठ कालोनी डदौर (म० प्र०) (ग्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके</mark> पूर्वाक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन का तारील सं 45 दिन की जनां या त्रसम्बन्धी व्यक्तिगा पर सचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रकित यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूधना के गजपत्र मा प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्स मा हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधाहस्ताक्षरी के पास निस्तित मा किए जा सकाग।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया। गया है।

### अनुसुची

भूमि सर्वे नम्बर 43, 44, 15 46 47, 48 ग्राम बाबङ्या नहसील देवास।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेन्ज, भोपाल

जत जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उण्धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभौत् :—

नारीख 6-8-1982 मोहर

# प्ररूप आइ. टी. एन. एस . -----

# **ण्यकर जी्पनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० (म्रर्जन) 2841—प्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 85 है. तथा जो सिविल लाइन्स में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्जिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय. देवास में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 4 दिसम्बर 1981

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ह हैं और मूफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नृतिवित् व्यक्तियों, नृष्ति हरू (1) श्रीमती सौ० प्रफुल्लता जाघव पत्ति श्री णरवचंद्र जाघव एडव्होंकेट, 57 भगतसिह भार्ग, देवास (म० प्र०)।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मेसर्स हिंद फिल्टर्स प्रायवेट लिमिटेड 12/18 विट्ठलभाई पटेल रोड, बाम्बे।

(ग्रन्तरियो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त यादों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

### अन्स्ची

प्लाट नम्बर 85 सिविल लाइन्स देवास।

देविशय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेन्ज, भोषाल

नारीख: 6-8-1982

म्रोहर:

प्ररूप आहू". टी. एन . एस . -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अभीन सुचना

भागत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन, क्षेत्र भोपाल भोपाल, दिनांक 6 श्रगस्त 1982

निर्देश म० म्राई० ए० सी० (म्रर्जन) 2842—म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे कमाक 11 सर्वे कमांक 30 है तथा जो ग्राम कम्हारी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणिन है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जावरा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसम्बर 1981

को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई हैं और म्फे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक क्य से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा सिट्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——
12—256GI/82

- (1) स्वामी कृष्णचार्यजी पिता स्वामी पी० बी० श्रप्तताचार्यजी
- (2) पी० बी० श्रीनिवासाचार्य पिता स्वामीकृष्णचार्यजी
- (3) पी० बी० म्रन्तताचार्य पिता कृष्णचार्यजी
- (4) पी० बी० यरदाचार्य पिता कृष्णाचार्यजी
  13. साघीया स्ट्रीय काचीपुरम तिमलनाडु हारा
  मु० स्रा० गांवधनदास पिता गणेशीलाल मोदी
  निवासी बजाजखाना जावरा।

(म्रन्तरक)

- (2) काटजू हार्ङासग कारपोरेशन जावरा के भागीबार
- (1) पारसमल पिता सीभागमल
- (2) कलाणचंन्द पिता मन्नालालजी कोठारी पागरिया जावरा भ्रादि के भागीदार: निवासीगण जावरा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कांई भी आक्षप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

### अनुसूची

भूमि—सर्वे अभाक 11 सर्वे अभाक 30 जाराजी स्थित ग्राम कुम्हारी जावरा (म० प्र०) तथा कुग्रा

> देवाप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख 6-8-1982 मोहर प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

# पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सुबना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) व्यर्जन क्षेत्र, भौपाल

भौपाल, दिनांक 7 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी० (ग्रर्जन) 2843, — ग्रत. मुझे देवप्रिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० खनरा नं० है, तथा जो ग्राम राऊ इंदौरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 11 विसम्बर 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का परद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रभारक (मन्तरकों) श्रीर पन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के तिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहेश्य में उका प्रनारण निवित्त में नाम्निक रूप में किया गया है:---

- (क) भ्रस्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त ध्रिय तियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायिक में कमी करने या उसस बचने में पृविधा के क्या; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियां को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर पश्चितियम, 1922 (1922 को 11) या उकत ग्रिधितियम, या धनवर ग्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्थरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने ए मुखिशा के लिए;

श्रत: श्रव, उक्त श्रविनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त प्रविनियम की घारा 2 69-म की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री लक्ष्मीनारायण
  - 🤼 यामुल
  - 3. वैनाश
  - 4 प्रहलाद

पिता बिहारीलालजी पैंकि नम्बर 4 श्रा० पा० का नम्बर 1 निवासी ग्राम राऊ तहसील इदौर (श्रन्तरक)

(2) श्री हर्राजन्दर्रामहं पिता रावेलीमिह जी निवासी 212 द्रामपोर्ट ग्रेन इंदौर 2 ग्रमीर्लामह पिता किरममिह निवासी 31 प्रतापनगर इदौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में होई भी प्राप्तेप 🗻

- (क) इस पूचना है राजगत्र में प्रकाशन की नाराख ते 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्न व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजन्त्र में प्रशाणत की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्राघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्राधिक नियम के श्रष्टपाय 20 के में परिभाषित है. बहा अर्थ होगा, जो उस श्रष्टवार में दिया गया है।

### अनुसुची

भूमि---खमरा नम्बर 544/2 ग्राम राऊ तहसील इदौर।

देवप्रिय पन्न सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन क्षेत्र भोपाल

तारीखाः: 7-8-1982

प्ररूप आहाँ . टी . एन . एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनाक 7 ग्रगस्त 1982

निर्देई सं० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जन) 2844—ग्रतः मुझे देविप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 544/2 है, तथा जो ग्राम राऊ, इदौर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है राजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, इदौर में राजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 11 विसम्बर 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित मे वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा को लिए;

अत अश्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मे, मै, उक्त आधिनियम की धारा 269-भ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री लक्ष्मीनारायण 2. गणेश 3. कैलाश 4. प्रहलाद पिता श्री बिहारीलालजी पैकि नम्बर, 4 श्रा० पन० नम्बर 1 निवासी ग्राम राऊ तहसील इन्दौर व जिला इंदौर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरमेन्दर्रासह पिता करमिसह भाटिया निवासी 39 ए प्रेमनगर इन्दौर 2, सतेन्द्रपाल सिंह पिता रावेलिंमह निवासी 3० ए प्रेमनगर इंदौर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीचु से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त ह्यांती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंपिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अन्स्ची

खसरा नम्बर 544/2 ग्राम राऊ तहसील इंदौर व जिला इंदौर ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र भोपाल

नारीख: 7-8-1982

# प्ररूप आई० टी० एत० एस०-----

# म्रायकर श्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की घारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० अर्जन 2845—श्रत: मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये ने प्रधिक है

ग्रौर जिसकी स० म्यु० नं० है, तथा फ्रीगंज उज्जैन में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध ग्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण ग्रिधकारी के कार्यालय उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 5 दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कन के दृश्यमण्य प्रतिकृत के लिए यन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पम्ब्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत भ्रायकर श्रिष्ठ-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धा यो श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायंकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री नरेशचन्द्र भ्रात्मज, जुगलशोरजी महाजन निवासी भ्रमर्रासह मार्ग फी गंज उज्जैन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरस्वतीदेवी पित्न बालमुकुन्द खैरया निवासी ग्रशोकन्तरम फीगंज उज्जैन

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के धर्जन के सिंह करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की धविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधीहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अतसची

म्यु० मकान नम्बर 71 क्षपणक मार्ग माधवन्तगर उज्जैन मे स्थित है। (मकान का एक भाग)

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-**ग की उपधारा** 

सारीख: 7-8-1982

, 1 - 1 1

### प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस०-

# आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269-घ(1) के अघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी० (ग्रर्जन) 2846—प्रतः मुझे देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या मकान म्यु० है, तथा जो माधव नगर फीगंज उज्जैन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन 5-12-1981

को पूर्विक्त संपितित के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः वन, उक्त अभिनियम, की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्री नरेशचन्द्र ध्रात्मज जुगलिकशोर जी महाजन निवासी घ्रामर्रासह मार्ग फीगंज उउजैन (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री मनहरलाल श्रात्मज श्रम्बालाल श्रमीन श्रीमती मीनाक्षी बेन पत्नि मनहरलाल श्रमीन निवासी फीगज उउजैन

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्दशरा कार्यवाहियां करता हुंगू।

उक्त सम्पत्ति के पर्वन के संबंध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस मूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीश से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हां करेग :--इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का जा 'खनत अग्निनियम' के अष्टयाय 20-क में वरिमाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अख्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान म्यू॰ नम्बर 71 का भाग क्षपलक मार्ग माधवनगर फ्रीगंज उज्जैन में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन क्षेत्र, भोषाल

तारीख: 7-8-1982

प्ररूप आहे". टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी० (धर्जन) 2847--- श्रत: मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्रिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जसकी सं ं मंकान म्यू ं नं ं 71 है तथा जो माधवनगर फीगज उज्जैन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 5 दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहममान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बौड/का
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्यं आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती ब्यारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तु अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नरेशचन्द भ्रात्मज जुगलिकशोरजी महाजन निवासी श्रमरसिंह मार्ग इंदौर

(श्रन्तरक)

(ग्रन्सरिती)

(2) श्री नत्थीबाई पत्नी श्री रमेशचन्द्रजी पाठक निवासी नया बाजार मुगावली जिला गना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कि पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगराची

मकान म्यू० नम्बर 71 क्षपणक मार्ग माधवनगर फीगंज उज्जैन का भाग।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-रेन्ज, भोपाल

तारीख : 7-8-1982

प्ररूप बाह्र . टी. एन . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी० (ग्रर्जन) 2848—ग्रत: मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. मे अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान म्यू० नं 71 है तथा जो माधवनगर फीगंज उज्जैन में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध भ्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है ) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, द्भुज्जैन में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन 4 दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्न संपत्ति के उचिन बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल में, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों अर्थातु:--- (1) श्री नरेशचन्द्र भ्रात्मज जुगलिकशोरजी महाजन निवासी अमरेसित गार्ग उज्जीन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामलाल ग्रात्मज गिरधारी लाल चौहान टेलर निवासी घास बाजार रतलाम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कित क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और एडी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

मकान म्यूमें सम्बर 71 क्षपणक मार्ग भाधवनगर फीगंज उज्जैन का भाग ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-रेन्ज भोपाल

तारीख: 7-8-82

### प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आपकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260 घ (1) वे अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 7 अगस्त 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी० (अर्जन) 2849—श्रत मुझे, देयप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो मोहल्ला मोती बाग, मेंवा में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध श्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय. सेघवा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 17 दिसम्बर 1981।

को पूर्वो कत सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्निलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण में लिखिन वास्तियक रूप में किथान नहीं किया गया हैं --

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम क अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसस बचन में सृविधा क लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1522 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिस्त व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) नगदीण पिता सगाजी पाटीदार निवासी पिसनावल नहसील सेघवा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चदाबाई पति श्रीकृष्ण महाजन सेनवा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्स सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारः,
- (क) इस स्थान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुस्ची

तीन मजिला मकान मोहल्लामोतीबाग मेधवा

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायंकर श्रायंक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-रेन्ज, भोषाल

तारीख : 7-8-1982

प्ररूप आहु टी. एन एस -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मन्तना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 8 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए०सी० (ग्रर्जन) 2850—ग्रनः मुझे, देवप्रिय पन्त,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000′- रुपण् में अधिक है

ग्रौर जिसकी स० 51 है, तथा जो नीमच केन्ट परगना नीमच में स्थित (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्चा श्रधिकारी के कार्यालय नीमच में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 10 दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या पन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तियती देवारा प्रकट नहीं किया प्रयासियों या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सिवधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियां, अर्थान —— 13—256GI/82 (1) श्री रामजालात लध्मीनारायण गायल पण्ड यह ुरः। कर्चा रामजीताल गायल निवामी नीमच कैण्ट नीमच (म० प्र०)।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्म कमल किराना स्टार, टंगार, मार्ग, नीमच कैण्ट परगना नीमच (म ० प०)

(भ्रन्तिंगता)

का यह मूचना जारी करका पूर्वोक्त मम्पत्ति के अजन के लिए कायवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई आक्षेप ---

- (क) इस भूजना क राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी त्यितियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद मा समाप्त हाती हा, क भीतर प्रतिका भी किसी ज्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा, अशहस्ताक्षरी के पाम लिखित से किए का सकती :

स्पट्टीकरणः -- इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उम अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

बगला स्य० निगम नस्त्रर 59 नीमच केण्य परगना नीमच में स्थिन प्लाट नावर 51

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त प्रायक्त (निरीक्षण) पर्वन रेस्ज, भोषाल

नारीख : 8-8-82 मोहर प्रस्प आहाँ, दी एन एस - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

### शास्त सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 श्रगस्त 1982

निर्देश म० ग्राई० ए० मी० ग्रर्जन 2851—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-■ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० म्यू० पा० मकान नं. 2 है तथा जो रानीपुरा गली इंदौर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय इदौर मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 दिसम्बर 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ये से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार ५-३ व्याप दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्वात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (कन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष्य विद्वार विद्वार में उच्च अन्तरण निम्नत में बाग्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे इचने में स्विधा के लिए; श्रीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्मरण में. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :---

 (1) श्रामती सी० शालाबाई पति समप्रसादजी, मुरजमल व मनाहरलाल पिता श्री रामप्रसादजी निवासी 95/6 परदेसीपुरा, इदौर

(ग्रन्नरक)

(2) श्री हरभजन पिता श्री लन्तुदास, कृजबिहारी, गिरीराज, हिलोकचंद पिता श्री हरभजन, नियासी 2 1 रामसुरा, इ. र.।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप '---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रशास्त्र व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः--इसम प्रयुक्त शब्दाः और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में दिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस कथाय में दिया गया है।

### अनुसुधी

म्यु० पा० मकान नम्बर 2 गली नम्बर 1 रानीपुरा इंदौर का भाग ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, भोषाल

तारीख : 6-8-1982

मोहर

प्ररूप आहूरं.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 7 ग्रगस्त 1982

निर्देश म० श्राई०एन०सी० (ग्रजन) 2852—श्रत मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० न० 243 है तथा जो देवास में स्थित है (श्रीर इसस उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 19 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सरित के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भां यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीं ति सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंस उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

(कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/मा

ť

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री प्रीतर्मासह पिता ताराचन्द पजाबी, निवासी मोहल्ला भवानीसागर देवास (म०प्र०) (ग्रन्तरक)
- (2) श्री दर्णनिसह पिता मोहन सिंह पजाबी, निवासी बहादुरणा मार्ग देवास (म० प्र०) (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पृषांक्त सम्पत्ति क अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस म्वन। को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त मो हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अभूसूची

भूमि नम्बर, 243 देवास ।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख 7-8-1982 मोहर. प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्राजैन रेज, भोषाल

भोपाल, दिनाक 7 श्रगस्त 1982

निर्देश स० ग्राई०ए०सी० (ग्रजेन) 2853---ग्रत मुझे. देवप्रिय पन्त,

आयबार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें काम प्रभाव उकत प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी ग० नं० 328 है. तथा जो ग्राम वाग तहसील, देवास में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय देवारा में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन 30 दिसम्बर, 1981

को पृत्नोंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार भ्रत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथाप्याकित भ्रंपित का उचित दाजार मृल्य, उसनो दश्यमान प्रतिफल स एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रहें प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के नीच एक अन्तरण के लिए तर पाया ग्रा पित्रका, विश्वितिया उद्देवश्य के जनत अन्तरण कि लित से वास्तियक हुए स कथित नहीं किया ग्रा है .--

- (क) अन्तरण रा हाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करे, जिल्हा भारतीय आयब्द अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया ग्या था किया जाना चाहिए था किपाने के सविधा के लिए;

्त अथ. उक्त अधिनियम की धारा 269 न के अन्सरण में, में एपन भिनियम की भारा 200 ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 (1) श्री हिम्मतलाल पिता रेवाणकर मेहता, निवासी मेन्डकी रोड देवास (म०प्र०)
  - (2) श्रीमती श्रन्नपूर्णावाई पत्नी हिम्मतलालेजी महता निवासी सन्डकी रोड देवारा (म० प्र०) (ग्रन्तरक)
- 2 (1) श्री रमेश चन्द पिता लक्षमणजी चौहान,
  - (2) मोतीलाल उर्फ राधैण्याम पिता लक्ष्मण जी चौहान खारी बावड़ी मोहल्ला देवास (म०प्र०) (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गे।

स्पर्ध्योकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुधी

भृमि सख्या नम्बर 328 ग्राम वागर तहसील देवास ।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेज, भीषाल

नारीम 7-8-1982

माहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के धरान सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० म्राई० ए०मी० (ग्रर्जन) 2854—म्प्रत मुझे, देवप्रिय पन्न,

भायकर मिर्मिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पम्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० मे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 113 है, तथा जो श्रग्नवाल नगर नई कालोनी इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में र्राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 29 दिसम्बर, 1981 को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से श्रिष्ठक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल तिम्नलिखित उद्देश्य से उना अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सृविधा के लिए; और√या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः अब, उन्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उन्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, स्थात्:~-

- (1) श्रीमती कुमुमलता श्रग्नवाल पति श्री राधेण्याम श्रग्नवाल निवामी 511 महात्मा गांधी रोड तर्फो मुख० दामोदर पिता मोतीलाल निवामी हुकुमचन्द मिल कम्पाउड़ इंदौर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री गोपालदासजी गुप्ता पिता श्री फकीरचन्द जी गुप्ता निवासी मकान नम्बर. 7 तेली बाखल इंदीर (म० प्र०) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त समाति के सर्जन के लिए कार्यशाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यवारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिम्बन में किए जा सकांगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वनसची

प्लाट नम्बर 113 अग्रवाल नगर नई कालोनी इंदौर (म० प्र०)

> देर्वाप्रय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राक्यर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 9~S-1982

प्र<del>रू</del>प आर्ड्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 9 ग्रगस्त 1982

निर्देश म० श्राई० ए०मी० (श्रर्जन) 2855—ग्रत. मुझे. देवप्रिय पन्न,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमा इसक पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000 'रा स जो कहाँ

त्रीर जिसकी मं० प्लाट न० है, तथा जो मुभाप नगर जबलपुर, मे स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जबलपुर, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन. 30 दिसम्बर, 1981 को पूर्वों क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तररितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूमरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री मूपेन्द्र कुमार पृत्न पी० सक्सेना. निवासी नेपा नगर जिला—खंडवा (म० प्र०) (अन्तरक)
- (2) श्री डी० पी० ग्रग्नवाल निवासी राइट टाउन जवलपुर (म० प्र०) (ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस तिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पध्टीकरण:--इसमा प्रमुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था है।

### अनुसूची

प्लाट नम्बर, 3 राइट टाउन मौजा मुभाषनगर जबलपुर (म० प्र०)

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन, रेंज भोपाल

तारीख . 9-8-1982 मोहर. प्ररूप आइ। टी एन एस ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, भोपाल भोपाल दिनाक ५ श्रगस्त 1982 वर्तेण सुरु शार्टिशालसीक (सर्वेच ) २९६८ - शुक्

निर्देश स० श्राई०ए.०सी० (ग्रर्जन ) 2856——श्रन मुझे देविप्रिय पन्त

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिमे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु मे अधिक है

स्रोर जिसकी स० प्लाट न० 2 है तथा जो सुभाषनगर जबलपुर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्चा श्रधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधोन दिनाक 9 दिसम्बर, 1981 ।

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यथाप्वें कि मम्पित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल स, एम दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मिविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिन्धा के लिए.

अत अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मो, मी, जल्म अधिनियम की भारा 269 प्रकी संप्रधार (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात —— (1) श्रा जितन्द्र माहन सक्सेना पृत्र श्री एस० ४० सक्सना मूर्ति नगर लखनऊ !

(ग्रन्तरक्)

(2) मालनी देवी पन्नी श्री डी० पी० प्रग्नवाल राइट टाउन जवलपुर, (म० प्र०) (ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सपस्ति के अर्जन के सबध म काई भी जाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राज्यकृ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध हस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए जा सकोगे।

स्पष्टिकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ण्लाट नम्बर 2 राइट टाउन मौजा सुभाषनगर जबलपुर (म० प्र०)

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायके श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज भोषाल

तारीख 9→8−1982 मोहर प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 259 घ (1) क अधीर स्चना

भारत सरकार

कार्यालय महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 ग्रगम्त 1982 निर्देश मं० ग्राई०ए०सी०/ग्रजन/2857—प्रतः मुझे, देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूप में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 73 व है, तथा राइट टाउन जवलपुर, स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जवलपुर, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 10-12-1981 ।

को पूर्वोक्स संपरित के उचिन बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अध्यक्ष है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिम्निलिखन उद्देश्य से उसत अन्तरण में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सृष्टिका के जिला बैर/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनका अधिनियम, या धनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मियिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) कमता वाला भाग वैत्रा स्व० श्री स्रतिल विहारी घोष. तिवासी स्रादर्श कालोती. गुडा रोड, जबलपुर । (श्रन्तरक)

(2) श्री हरीणकुमार ग्रात्मज रामदास श्रग्नवाल सर्राक्ता बाजार, जबलपुर, श्री कढोरीलाल श्रात्मज णिवप्रसाद श्रग्नवाल सकिन मिलौनीगंज, जबलपुर ।

(भ्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गृथा है।

#### बतसची

राईट टाउन वार्ड जबलपुर स्थित प्लाट न० 73 ब

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोषाल ।

तारीख: 10-8-1982

प्ररूप भाई • टो • एन • एम •---

बायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज भोपाल भोपाल दिनांक 10 म्रगस्त, 1982

निर्देश मं० श्राई०ए०सी० (श्रर्जन) 2858—श्रत मुझे देवप्रिय पन्त, आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (196 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित आजार मृस्य 25,000/- कपए से प्रधिक है, श्रीर जिसकी संख्या बंगला नं० 2 प्लाट नं० 150 है, तथा जो धमोह में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यान्य, दमोह में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 10 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुधे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमात प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमात प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तर के (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितेयों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखा उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से दुई किसी भाय को बाबन उक्त भ्रष्टिनियम के अधीन कर बैने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बंचने में सुविधा के लिय; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थीत् :——
14—256GI/82

(1) यूनाइटेंट चर्च ग्राफ नार्दन इण्डिया, ट्रस्ट एसोशियेशन द्वारा एफ मी० जोनाथन, बिशप ग्राफ डायसस जबलपुर । (श्रन्तरक)

1

(2) श्रीमती साधना मोनिका मोलोमन पत्नी रत्नेश मोलोमन, निवासी मिशन बंगला, नम्बर, 2 दमोह, (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्य सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध म कोई भी आहेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न म प्रकाशन की तारीख म 45 विन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शितब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अद्विनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहां अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

बंगला नम्बर, 2 दमोह की भूमि प्लाट नम्बर, 150 शीट नम्बर, 68, 70 ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज भोपाल

तारीख: 10-8-1982

### श्रक्य बाहाँ, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत म्रकार्

कार्यालय, सहायक अयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज भोपाल,

भोपाल दिनांक 10 ग्रगस्त, 1982

निर्देश मं० श्राई०ए०सी०/श्रर्जन/2859—श्रन्त मुझे देवप्रिय पन्त,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचार 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु मे अधिक है

श्रौर जिसकी सं० बंगला नं०-2 है, तधा जो दमोह में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय दमोह में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दम दिसम्बर, 1981

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निक्खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निक्षित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त कींध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में मृबिधा के लिये; और/या
- (स) एरो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 के पा) या उक्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में महिथा के नि

भत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) यूनाइटंड चन आफ नार्थन टेडिया, ट्रस्ट एसोसिएणन द्वारा, रिव० एफ०सी०, जोनाथनाविणाप श्राफ डायोमीज जबलपुर निवासी 1033 नेपियर टाउन, जबलपुर,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रत्नेण सालोमन पुत्र रिव० पिटर सालोमन, निवासी मिणन बंगलो नं० 2 दमोह । (भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर स्थाना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त स्थाक्तयों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### अनसची

दमोह स्थित प्लाट नं० 150 पर निर्मित बंगला नं० 2 तथा भूमि ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज भोपाल

तारीख 10-8-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज भोपाल, भोपाल दिनांक 16 ग्रगम्त, 1982

निर्देश मं० श्रार्ड०ए०सी०/श्रर्जन/ 2860—अप्रत : मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० प्लाट नं० 19 है, तथा जा क्लीमी कालोनी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 22-12-1981।

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आये या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अबे. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थीत् :—— (1) श्री खान श्रली पुत्र श्रलीभाई,
 2. श्रली हुसैन पुत्र श्री श्रब्बास भाई बोहरा,
 निवासी चांदनी चौक रतलाम
 (बोहरा बाखल)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रली हुसैन पुत्र ग्रब्दग्रली बोहरा, निवासी लक्कड़मीठा, रतलाम, म० प्र०

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्यत स्थावर सम्पत्ति मो हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्थष्टोकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उन्क्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विस्था गया है।

! । १ " ? **अन्स्ची** 

क्लोमी कालोनी रतलाम स्थित प्लाट न॰ 19 ।

दंवप्रिय पन्त । सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज भोपाल

नारीख: 16-8-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. ------

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) वो अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज भोपाल भोपाल दिनाक 10 श्रगस्त, 1982

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/2861---श्रत: मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० प्लाट है, तथा जो नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर, में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-12-1981

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितेफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उण्चित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह भिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती उर्मिला रानी बतरा,
 गिंग प्रभा वर्मा
 मजनी बतरा
 निवासी, 238,
 नेपियर टाउन, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रमृत कौर पत्नी सरवार संतसिह, छोटी श्रमेठी जबलपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बख्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुस्ची

नेपियर टाउन जबलपुर, स्थित प्लाट तथा उस पर बना मकान ।

> र्दवप्रिय पन्तं, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भोपाल

नारीख : 10~8-1982

# प्रक्य बाई.टी.एन.एड.------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### नारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज भोपाल,

भोपाल दिनाक 10 ग्रगस्न, 1982

निर्देश स० श्राई०ए०सी०/श्रर्जन 2862—श्रन मुझे, देवप्रिय पन्त

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राप्तिकारों को यह दिवस्थास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा में अधिक है

धौर जिसकी स० बगला न० 45 है तथा जो साउथ सिषिल लाइन्स जबलपुर में स्थित है (ग्राँग इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में धौर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 20-12-1981

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मृल्य म कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती अन्तरित्या के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, अक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करनं या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मा, मी., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्निनिश्चत व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) श्री दीपक प्रकाण संगन पुत्र श्री बलराम संगन, निवासी, 1425, नारम रोड, गोरखपुर जबलपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) सुनीता जैन पत्नी श्री वी० के० जैन, निवासी 999 राष्ट्रट टाउन जबलपूर,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस मूधना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियो द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### सनस्वी

साउथ सिविल लाइन्स जवलपुर, स्थित ब्लाक न 38 का प्लाट न० 1 पर निर्मित बगला न० 549 का एक भाग ।

> देवप्रिय पन्त, भक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज भोपाल

तारीख 10-8-1982 मोहर प्ररूप आर्झ. टी. एन. एस.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 16 ग्रगस्त, 1982

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/श्रर्जन/2863--श्रतः मुझे,

देवप्रिय पन्त, ग्रायकर <mark>अधितियम, 1961 (</mark>1961 का 43) (जिसे **इ**समें इसके पश्चात् 'ज≉न अधितियम' कहा गया है), की *धारा* 

इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिचत बाजार मृष्ट्य 25,000/- ४० में अधिक है

भौर जिसकी सं प्लाट नं 7 है तथा जो मानिक बाग फड़नीस कालोनी इंदीर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची मे भौर पूर्ण क्य से बिणत है), रिजिन्द्रीकर्ना प्रिष्ठकारी के कार्यालय इंदौर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 21-12-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति फल के निए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरों) श्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाय की बाबत उन्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दाश्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, इस अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथितः—

- (1) श्रीमती कमलाबाई पत्नी रामरतजी निवासी ग्राम पिलाई, जिला शाजापुर म० प्र० (श्रन्तरक)
- (2) फिरोज पुत्रस्रब्बासम्बली सिंगापुरवाले, 2. श्रीमती शलमाबाई पत्नी फिरोज सिंगापुर-वाले नि० जवाहर मार्ग, इंदौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जी भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन काकितयों में से किसी क्यकिन द्वारा;
  - (ख) इस सूत्रना के राजपव र ग्रह्मणत की नाराख से 45 दिन के भीतर छन्त स्यावर सम्पत्ति पंहितवढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यान्तिकरण:--इनमें प्रयुक्त ग्रन्थां और नदी का जी उनत प्रश्चितियम के ग्रह्मार 20 क में परिभाषित है, वहीं भ्राये होगा, जी उस प्रधाय में दिसा गया है।

## अनुस्ची

मानिक बाग रोड ग्रनेक्स फर्डनीस कालोनी इन्दौर स्थित प्लाट नं० 7 ख नं० 1533 ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रजन रेंज भोपाल

तारीख: 16-8-1982

## प्ररूप ब्राई॰ टी॰ एन॰ एस०--

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा **269-म (1) के भ्रधी**न **मूचना** 

बारत मरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 17 श्रगस्त, 193

निर्देण मं० ग्राई०ए०मी० (श्रर्जन) 2864—-ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्नीन सक्षम प्रधिकारी को, यह जिल्लाम करने का कारण है कि हथावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु• से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० म० न० 826 है, तथा जो राइट टाउन जबलपुर मे स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्चा श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर, 1981

कां पूर्वा क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) भी गिरीणचन्द सक्सेमा श्रान्मम श्रीभगवानवास सक्सेना
  - श्रीमती सुविधा मक्सेना पत्नी श्री किणनचन्द सक्सेना 3 श्री सलिल सक्सेना ग्रात्मज किशनचन्द सक्सेना सभी निवासी ई०-1, ग्ररेरा कालोनी भोपाल (म०प्र०) (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हरी प्रसाद अग्रवाल वल्द श्री छोटेलाल श्रग्रवाल निवासी हनुमानताल वार्ड, जबलपुर, (म० प्र०) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **अर्जन के** लिए कार्य<mark>याहियां करता</mark> हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन
  व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पाम
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडटोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क मे परिभाषित है, वही श्रर्थ हो गा, जो उस श्रष्ट्याय मे दिया . गया है।

#### maruel)

नगर निगम मकान नम्बर, 826 राइट टाउन वार्ड जबलपुर, (म० प्र०)।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 17-8-1982

प्ररूप नाईं.टी.एन.एस.-----

यायकर ध्रिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के ध्रधीन स्वाना

## भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 16 श्रगस्त, 1982

निर्देश मं० ग्राई०ए०मी०/ग्रर्जन/2865--श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं मिंग्न नं 826 है, तथा राईट टाउन में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख 5-12-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— '1) श्री महेन्द्र कृमार सक्सेना पुत्र श्री निघारणचन्द 2. श्रीमती कृष्णा सक्सेना पत्नी श्री एम० के० सक्सेना 3. श्री प्रभातकुमार सक्सेना पुत्र एम० के० सक्सेना, निवासी गांधी रोड, ग्वालियर, म० प्र० ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीनारायण एवं श्री मुरारीलाल पुत्रगण श्री खुबचन्द ग्रग्नवाल निवासी 57 उपरेन गंज वाई, जबलपुर, (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरण—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं उर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

न ० नि० मकान नं० 826 राईट टाउन जबलपुर, जो डाय० प्लाट नं० 164 शीट नं० 72 के भाग पर स्थित है है जो कारपोरेशन प्लाट नं० 81, 82, 83, 84, का भाग है ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

तारीख: 16-8-1982

मोहर: `

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

# ग्रायकर बिश्वियम् 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के घष्ठीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण भ्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 ग्रगस्त 1982

निर्वेश सं ग्राई०ए०सी० (ग्रर्जन) 2866-श्रत: मुझे, देवप्रिय पन्त,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सम्राम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाबार मृत्य 25,000/-**६**● से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 826 है, तथा जो राइट टाउन वार्ड, जबलपुर में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजम्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के पृत्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का अधरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान पतिषक्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भीर अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छहेश्यों से उन्त धन्तरण लिखित में बास्त्रविक रूप से कवित नहीं किया गया है: →-

- अन्तरण से हुई किसी साय की बाबत उक्त श्राध-(书) नियम के प्रधान कर देने के प्रस्तरक के वायरब में समी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किया आय या किसी घन या अल्प शास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो., मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिमित व्यक्तियों अर्थात् :---15-25 6GI/82

- (1) महेन्द्र कुमार सक्सेना श्रात्मज श्री स्व० निवारण चन्द सक्सेना 2. श्रीमती कृष्ण सबसेना
  - पत्नी श्री एम० के० सक्सेना,
  - 3. श्री प्रभात कुमार सक्सेना सभी निवासी गोंधी रोड, ग्वालियर (म० प्र०)

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमली चन्द्र कुमारी पत्नी श्री संतोष कुमार श्रग्रवाल मा० राइट टाउन वार्ड, जबलपुर, 2 श्री राजेश कुमार अग्रवाल श्रात्मज के०सी० ग्रग्रयाल, निवासी साकिन मिलोनीगंज जबलपुर (म० प्र०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवितयों पर सुचला की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य अपनित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जासकें मे

स्पब्टी करण :--इसमें प्रयुक्त गाव्यों भोर वर्षों का, जो सकत अधि-निवम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रमें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुस्ची

नगर निगम मकान नंबर 826 राइट टाउन वार्ड जबलपुर, (म० प्र०)

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-8-1982

प्ररूप आई टी एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 17 अगस्त 1982

निर्देश म० ग्राई०ए०सी० (ग्रर्जन) 2867--श्रत मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुक्त से अधिक है

भ्रोर जिसकी स० मकान नं० 826 है तथा जो राइट टाऊन जबलपुर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 5 दिसम्बर, 1981

को प्वांक्त सपित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

(1) श्री महेन्द्र कुमार सक्सेना भारमज श्री निवारण चन्द्र सक्सेना 2. श्रीमती कृष्ण सक्सेना पत्नी श्री एस० के० सक्सेना 3 श्री प्रभात सक्सेना आत्मज श्रो एम० के० सक्सेना मभी निवासी ग्वालियर, (म० प्र०)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री खूबचन्द श्रग्नवाल पिता श्री पुरनलाल श्रग्नवाल साकिन मिलोनीगज जबलपुर (म० प्र०) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सीबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किंसी व्यक्ति ब्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

नगर निगम मकान न० 826 राइट टाउन बार्ड जबलपुर (म० प्र०)

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपास

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण मे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

तारीख 17-8-1982 मोहर प्रकृप आहु". टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 भ्रगस्त 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी० (ग्रर्जन) 2868--ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० मकान नं० 826 है, तथा जो राइट टाउन बार्ड जबलपुर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिध-कारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिसम्बर, 1981 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उच्चित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह्र है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित्त बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (फ) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; गीर/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन था अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत<sup>.</sup>, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात—

- (1) 1. श्री गिरीश चन्द सक्सेना
  ग्रात्मज श्री भगवान दास
  2. श्रीमती सरला सक्सेना
  पत्नी श्री गिरीशचंद मक्सेना
  3. श्री ए० के० सक्सेना,
  ग्रात्मज श्री गिरीश सक्सेना सभी निवासी,
  1/ई ग्ररेरा कालोनी, भोपाल (म०प्र०)
- (2) श्री राजेन्द्र कुमार ग्रग्नवाल, ग्रात्मज श्री छोटेलाल जी ग्रग्नवाल साहब हनुमानताल जबलपुर (म०प्र०)

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 विन की अविभ, जो भी अविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- विष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थिक्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नम्बर 826, राइट टाउन वार्ड जबलपुर (म०प्र०)

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-8-1982

प्रारूप बार्ड .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 भ्रगस्त 1982

निर्देश सं अप्राई०ए०सी० (अर्जन) 2869-प्रात : मुझे, देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का \*43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25000 ∕ - रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 829, 833 है, तथा जो राइट टाउन जबलपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधि-कारी के कार्यालय जबलपुर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफोल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वांक्त सम्परित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिशत से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/गा
- (ख) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ अन्तरिली दुवारा प्रकट नहां किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियो अर्थात :---

(1) किणनचन्द सक्सेना श्रात्मज श्री भगवानदास श्रीमती सुविधा सक्सेना पत्नी श्री किशनचन्द सक्सेना 3 सलिल सक्सेना भारमज श्री किंगनचन्द सक्सेना श्री गिरीशचन्द सक्सेना 5. श्रीमती सरला सक्सेना पत्नी श्री गिरीशचन्द सक्सेना 6. श्री ए० के० सक्सेना सभी निवासी 1/ई-1 ग्ररेरा कालोनी भोपाल (म० प्र०)

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती साविधी धर्मपत्नी श्री जमनाप्रसाद भ्रग्नवाल निवासी बल्देववाग 2. श्री प्रमोद कुमार आत्मज श्री कालराम श्रग्रवाल काकिन पाटन तससील पाटन जिला जबलपुर (म० प्र०) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्सि के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# अम्सूची

नगर निगम मकान नंबर 829 से 833 राइट टाउन जबलपुर (म० प्र०)

> देवप्रिय पन्तः सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. भोपाल

तारीख :16-8-1982

# प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 ध्रगस्त 1982

निर्देश सं० म्राई०ए०सी० (ग्रर्जन) 2870—ग्रत: मुझे, वेविशय पन्त.

आकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पहचार 'उना पिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास वरने क करण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी संव प्लाट नंव ईव 21 है, तथा जो साकेत नगर इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29 दिसम्बर, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में किया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियां, अर्थात :--

- (1) मेजर श्रर्जुनराव सिन्हा पिता श्री घूमबहादुर सिन्हा तरफे श्राम मुखत्थार घूमबहादुर पिता रामप्रसाद जी सिन्हा निवासी 1/75 श्ररेरा कालोनी भोपाल (म०प्र०) (श्रन्तरक)
- (2) पुष्पा पति श्री मनोहरलाल जैन निवासी ई०-21 साकेत नगर कालोनी इंदौर (म०प्र०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवषुभ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं मुर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## वनसूची

प्लाट नम्बर, ई०-21 साकेत नगर इंदौर (म ०प्र०) तथा मकान ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-8-1982

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष (1) के अधी**न मूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 18 भ्रगस्त 1982

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी० (ग्रर्जन) 2871—ग्रत : भुन्ने, देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 32 है, तथा जो पत्नकार कालोनी इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है)रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मधुकर पिता शंकर गुप्ते निवासी पत्नकार कालोनी इंदौर (म० प्र०) (श्रन्तरक)
- (2) श्री बाब्भाई पिता रमणभाई शाह, निवासी पक्षकार कारलोनी इंदौर (म० प्र०) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अकोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनस्थी

प्लाट नम्बर, 32 पत्नकार कालोनी इंदौर (म० प्र०) तथा उस पर बना मकान ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० ग्राई०ए० सी० (ग्रर्जन) 2872—श्रत मुझे, देवप्रिय पन्त.

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 143 है तथा जो जानकी नगर इंदौर में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्ग प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में उम्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती सौ० उर्मिलादेवी पति सीतारामजी वर्मा निवासी कंसराबन्द तहसील धरमपूरी :

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती गीतादेधी गर्ग पति मोहनलाल गर्ग उषागंज छावनी गली नं० 2 मकान नं० 17 इंदौर (म० प्र०)

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शम लिखित में किए जा सकरों।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुस्ची

प्लाट नम्बर, 143 जानकीनगर एक्सटेंशन इंदौर (म०प्र०) तथा उस पर बना मकान

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-8**-**1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 श्रगस्त 1982

निर्देश ग्राई०ए०सी० (श्रर्जन) 2873—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है, तथा जो ग्ररविन्द नगर उज्जैन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री श्रवतीशचन्द्र जुनेजा श्रात्मज विलोकनाथ जी जुनेजा, निवासी माधवनगर उज्जैन हाल मुकाम बोड़ेली जिला बड़ौदा (गुजरात) द्वारा म० श्राम सुभाषचन्द्र श्रा० विलोकनाथ जी निवासी माधवनगर उज्जैन, (श्रन्सरक)
- (2) श्री भगवान श्रात्मज होतचन्द सिन्धी निवासी हीरा मोती बिल्डिंग सन्तराम सिन्धी कालोनी उज्जैन (म० प्र०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हैं।

उक्त सम्परेत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नम्बर, नम्बर, 2 रविन्द्र नगर <sup>र</sup>दमदमा उज्जैन (म० प्र०) तथा उस पर निर्मित भवन

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख :18-8-1982

रंग पद्धा भी असे एसे,०००० ०

आराकर अहाराज्यम, 1961 (1961 का 43) की भारत १८९ भ (1) के जिल्लीट सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त, (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 श्रगस्त 1982

निर्देश मं० श्राई०ए०सी०/श्रर्जन/भोपाल/2874- - प्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 र रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 46 है, तथा जो जावरा कम्पाउन्ड, इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय इंदौर मे रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1981

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक्ष रूप से किथा गया है हिल्ल

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अचने में सृविधा के जिंगा, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 21) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरी धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिनिकित व्यक्तियों, अधीत :--16-256 GI/82

 प्रो मानिता। जैन पत्र ॥ १६४३। वि 2 कमला पर्ता श्री मानितार जैन
3 प्रकामचन्द्र जैन, पुत्र मानितार जैन
4 प्रस्विन्द पुत्र श्रा मानितार जैन,
सभी निवासी 1/1,
साउथ नुकोगन दंदीर (ग्रन १०)

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्रीनिनी कमला देवी पत्ना श्रा ग्रहलादराय माहेक्वरी 2. श्री अनिल कुमार श्री प्रहलादराय माहेक्वरी 3. श्री मुनील कुमार पुत्र प्रहलादराय माहेक्यरी सभी निवासी 70, जानका नगर इन्दौर (मं०प्र०) (श्रत्नरिनी)

क्र यह सूचना जारी करक पृषां कत मम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति हवाराः
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सरपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्लाक्षरी की पाप लिखित में सिए गाएकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बर्ध होगा जो उस गुज्याय में दिया ग्या है।

## अनुसूची

प्लाट नम्बर 46 जावरा कम्पाउंड इंदौर (म० प्र०)

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्रतिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 17-8-1982

## प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 18 श्रगस्त 1982 निर्देश सं० श्राई०ए०सी० (श्रर्जन) 2875—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

मास्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृल्य 25,000/- रापये से अधिक हो

श्रीर जिसकी सं म्यू पा नं 87/3 बी है, तथा जो निल्या बारवल इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिध-कारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 16 दिसम्बर, 1981 को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरिधियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलीखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) एसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात:— (1) भूराणंकर पिता भेरुलाल जी व णिवनारायण पिता श्री रमेणचन्द्र जोशी, निवासी ग्राम सुनेल, जिला झालावाड़ राजस्थान,

(ग्रन्तरक)

(2) मंगलकरण सोमानी पिता श्री राधेश्याम जी सोमानी 215, जवाहरमार्ग इंदौर (म॰ प्र॰) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पृत्ति के अर्फन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत, व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पच्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

म्यू० पा० नम्बर, 87/3 बी नलिया बार**ब**ल (भरतमार्ग) इंदौर (म० प्र०)

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅंज, भोपाल

तारी**ख**: 18-8-1982

प्रकप बाइं.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

## भारत सरकार

अर्जन रेंज, भोपाल

**पु**भोपाल, दिनांक 16 भ्रगस्त 1982

निर्देश र्स्त० भ्राई०ए०सी०/भ्रजन 2876—म्ब्रत मुझे, देवप्रिय पन्त.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० म० न० 304 है, तथा जो जबाहरमार्ग इदौर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित) है, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,

1-12-1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिंतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,, नीम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री स्थामसुन्दर पुत्र लक्ष्मीनारायण, निवासी 248, तिलकपथ, इंदौर.।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिलीपकुमार मेघराज नि॰ 304 जवाहरमार्ग, इंदौर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परिक्ष के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सर्वंध में कोई भी आक्ष्में :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा शकोंगे।

स्थव्होकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

जवाहर मार्ग इंदौर स्थित मकान नं० 304 का एक भाग ।

देवप्रिय पन्त मक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख: 16-8-1982

# प्ररूप आहुर, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी० (श्रर्जन) 2877—-श्रत : मुझे, देवप्रिय पन्त.

शायकर अधिनिष्म, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट एवं भवन ऋं० 26 है, तथा जो राजस्व कालोनी, उज्जैन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 30 दिसम्बर, 1981

का पूर्वाचित् संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि गथाप्नीवत मंपितन का उचिन बाजान पूल्य, उश्वके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिज्ञान स्थापक है । स्वार्थक (सत्तर्था) और (स्वार्थि) (अन्तरितियों) ने तीन एसे जन्मरण के किए पर पाया भ्यापक , नियानितित उद्देशक से उन्ते अन्ते के नित्तर में वास्तिवक स्प से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्राधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किमी आय या किसा धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्रत व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री रमेण चन्द्र श्रात्मज रामचन्द्र निगोसकर, निवासी 123/12 शिवाजी नगर, भोपाल (म० प्र०)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जवाहरलाल आत्मज माणकलालजी ध्रग्नवाल निवासी दशहरा मैदान उज्जैन (म०प्र०) (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कार्ड भी बाक्षेप ----

- (क) उस स्चना कं राजपत्र मं प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट एवं भवन क्रमांक 26 स्थित राजस्य कालोनी उर्ज्जैन (म०प्र०)

> देवब्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-8-1982

मोहर .

प्ररूप आई टी एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना भारत मरकार

कार्यालय, भहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 16 श्रगस्त 1982

निर्देश स० ग्राई०ए०मी० (ग्रर्जन) 2878—-ग्रन मुझे, दर्वाप्रय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रु स अधिक है

श्रीर जिसकी म० निगम श्रमाक 3/1503 है, तथा जो बलोटीपुरा उज्जैन में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुभूची में ग्रार पूर्ण रूप म वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी क कार्यालय उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 22 दिसम्बर
1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स' कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल स' एस द्रश्यमान प्रतिफल का पदह पतिना । प्राथा ' गंग रूपक्व (अन्तर्या) और अन्तरिती (जन्ते 'िया) के बांच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मो कमी करने या उसमें बचने मा सूविधा के लिए, और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहियं था स्थिपान में सविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ग, म रात विनियम की भारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निचिति व्यक्तियों, अर्थात ---

- (1) नत्थूराम उपनाम नत्थ्लाल ग्रात्मज जिग्नीलाल जी भावसार निवासी विलोटीपुरा वीर दुर्गादाम मार्ग पथ क्रमाक 4 गली नम्बर 1 उज्जैन (म प्र०) (ग्रन्तरक)
- (2) श्रिष्टिल भारतीय दागी श्रिविय सघ पजीयत सिमिति निबंधित कार्यालय, दानीनगर पोस्ट लाव, गया विहार द्वारा शाखा महामेन्नी दुल सिह श्रात्मज भवानीसिह पटेंग निवासी ग्राम उटाँवदा जिता धार (मण्प्रण) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सपरित के अर्जन सबध में कोई भी आक्षप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद मा समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तिया मा मा किमी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रवाशन की लागील सा 45 दिन के भीतर किता राग र सम्पत्ति मा हिन्बयध किसी जन्य व्योक्त द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मोहल्ला बिलोटीपरा त्रोर दुर्गादास पथ नं० 4 गली नम्बर 1 में स्थित मकान नगरपालिका निगम क्रमाक 5/1503 उज्जैन !

दवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर फ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

नारीख 16-8-1993 मोहर प्रस्प आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० म्राई०ए०सी० (म्रर्जन) 2879—म्प्रत : मुझे देवप्रिय पन्त,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० न० पा० नि० कमांक 3/1503 है तथा जो बिलोटीपुरा, उर्जन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के के कार्यालय उर्जन मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 22 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में म्विधा के लिए।

जल: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिकत व्यक्तियों, अर्थीत् :—

- (1) श्रीमती होरा बाई पत्नी नत्यूलालजी भावसार, निवासी बिलोटीपुरा उज्जैन (म०प्र०) (ध्रन्तरक)
- (2) श्री श्रिखिल भारतीय दांगी क्षेत्रिय संघ पंजीयत समिति निबन्धित कार्यालय, वाँगी नगर पोस्ट लावगया बिहार : द्वारा शाखा महामंत्री दलेसिह श्रात्मज श्री भवानी सिंहजी पटेल निवासी ग्राम उटावदा जिला धार (म० प्र०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्होकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# अन्सूची

मोहल्ला बिलोटीपुरा वीरदुर्गादाम मार्ग पथ नं० 4 गली नं० 1 में स्थित मकान नगरपालिका निगम क्रमांक 3/1503 उज्जैन (म० प्र०)

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, भोपाल,

नारीख 11-8-1982 मोहर:

# प्रक्य बाह्रं.टी.एन.एस. ------

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल दिनाक 16 श्रगस्त, 1982

निर्देश मिं० भ्राई०ए०सी० (श्रर्जन) 2880—प्रत मुझे, देशप्रिय पन्त,

नायकर निर्मित्तयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निर्मित्तम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के नधीन सक्तम प्राम्थिकारों को यह दिववास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० दो मजिला कावन जो राजोद तह०धार, सरदारपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सरदारपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 8-12-1982।

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितियाँ उच्चे देश से उस्त अन्तरण जिल्लित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूरिषधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय नाय-कर क्रीभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ बन्दौरती व्यारा प्रकट नहीं किया प्या का या किया जाना जाहिए था कियाने में सुविधा के तिवह

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री क्रिय मिह राग घोरपढ़े पिता सरदार श्रा णकरदाव जी मोहिते निवासी लण्कर, ग्वालियर द्वारा मु० श्राम ज्वालाप्रसाद, ग्वालियर, (श्रन्तरक)

(2) स्नादिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्योदित राजोद तह्र० मरदार, जिला धार म०प्र० (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

# उनत् सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्येप्रस्न--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तार्तींच सें
  45 विन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, वो भी
  संबंधि बाद में समाप्त होती हो, में भीतर पूर्वोक्त स्वीवत्यों में से हिंकसी स्वृतिक वृत्याः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसवब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा वृथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक नै।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

तह० राजोद जिला धार स्थित एक पुराना **दो मंजिला** भवन ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख : 16-8-1982

मोहर.

# प्ररूप जाहरे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृष्यना

## भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज भोपाल

भोपाल दिनांक 16 श्रगस्त 1982

निर्देश स० भ्राई०ए०सी० (श्रर्जन) 2881——श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० मकान नं० 304 है, तथा जो जबाहर मार्ग इन्दौर मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनाक 3 दिसम्बर, 1981

(1908 को 16) के प्रधान, दिनाक 3 दिसम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखित में करने वास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) सतानन्द पुत्र निक्षिति रायण 248, तिलक मार्ग इन्दौर (म०प्र०) (श्रन्तरक)
- (2) महेन्दर सिंह पुत्र अर्जुन सिंह, मंजीत कौर निवासी 304, जवाहर मार्ग, इंदौर (म०प्र०) (श्वन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रिंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया -गया है।

## अनुसूची

मकान नम्बर 304, जबाहर मार्ग इंदौर (म० प्र०) का भाग

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 16-8-1982

भोहर 🗓

प्ररूप आई. टी एन. एस ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  $269 - \mathfrak{A}(1) \ \, \hat{\mathbf{A}} \hat{\mathbf{A}} = \mathbf{A} \hat{\mathbf{A}} \hat$ 

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 16 श्रगस्त, 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी० (श्रर्जन)/2882—श्रत. मुझे, देवप्रिय पन्त

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स क अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 304 है, तथा जो जवाहर मार्ग, इन्दौर मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निस्ति मे वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृथिधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--17--256 GT/82

- (1) श्री ण्याम सुन्दर पुत्र श्री अक्ष्मीनारायण 248, तिलक मार्ग , इन्दोर (म० प्र०) (ग्रन्तरक)
- (2) श्री विजय कुमार ग्रौर हेमन्त कुमार पुत्र अंकर राव जोशी 304, जवाहर मार्ग, इन्दौर (म० प्र०)

(अन्तरिती)

का यह मुचना जारी करकं पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अपन के सम्बन्ध मा कार्य भी आक्षप -

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण --इममे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में दरिभाषित प्यादी।

## अनुसुची

मकान नम्बर 304 जवाहर मार्ग, इन्दौर (म०प्र०)

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 16~8-1332

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनाक 16 श्रगस्त, 1982

निदेश सं० श्राई० ए० मी० (श्रर्जन), 2883—श्रत: देवप्रिय पन्त,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिष्टिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र • में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 304 है, तथा जो जवाहर मार्ग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 1 दिसम्बर, 1981

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्नलिखिस उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया हैं:--

- (क) अनुसरण से हुड़ किसी जाय की वाबत, उस्त जिथ-नियम के मधीन कर देने के भ्रन्तरक क दायिस्य में कमी करने या उसन अधने में सुविधा के आपए। भीट/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के लिए;

(1) श्रीमती गीताबाई पत्नि लक्ष्मीनारायण 248 तिलक मार्ग, इन्दोर (म० प्र०)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजकुमार पृत्न राधाकिशन 304 जवाहर मार्ग, इन्दौर (म० प्र०) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वाक्त सम्याल के प्रजन है सिल कार्यवाहिया करता हु।

उन्त सम्रति हे प्रजेत ह सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप -

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स अवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तिया मैं स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सपत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सर्वें है।

स्पष्टीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट ग्रिधिनियम के श्रद्भयाय 20-क में परिकापि हैं वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

मकान नम्बर 304 जवाहर मार्ग, इन्दौर (म० प्र०) का भाग ।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

दिनांक 16-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 16 ग्रगस्त, 1982

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जन) / 2884---श्रतः देवप्रिय, पन्त,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य - 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 304 है, तथा जो जवाहर मार्ग इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 1 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नीनियत उद्दश्य मे उक्त अन्तरण विश्वित मे बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत:——

- (1) श्री सतानन्य पुत्र लक्ष्मीनारायण 248, तिलक मार्ग, इन्दौर (म॰ प्र॰) (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हरभजन सिंह पुत्र सरवार सिंह 304, जबाहर मार्ग, इन्दौर (म॰ प्र॰) (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबवृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शुब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

मकान नम्बर 304, जबाहर मार्ग, इन्दौर (म० प्र०) का भाग ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक : 16-8-1982

मोहर

# प्रकप बाइ. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्णलय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भाषाल भोषाल, दिनाक 16 अगस्त 1982

निदश स० श्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)/2885---श्रत मुझे देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० म्यु० पा० न० 304 है, तथा जो जवाहर मार्ग, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर मं, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 को 16) के ग्रिधीन, विनाक 10 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथात नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत उक्त बीध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जजने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री सतानन्द पिता श्री लक्ष्मीनारायण जी अग्रवाल निवासी—248, तिलकपथ, इन्दौर (म॰ प्र॰) (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुरजीत सिंह पिता श्री अर्जुन सिंह बेंदी निवासी---304 जवाहर मार्ग, इन्दौर (म० प्र०) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की दामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयास शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियय गया है।

# अनुसूची

म्यू० पा० नम्बर 304 जवाहर मार्ग, इन्दौर (म० प्र०)

देवप्रिय पन्न सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

दिनाक 16-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

- ग्रर्जन- क्षेत्र , भोपाल भापाल, दिनांक- 16 ग्रगस्त, 1982

निदेश स० ग्राई० ए० मी० (श्वर्जन)/2886—-श्रतः देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भकान नम्बर 304 है, तथा जो जवाहर मार्ग, इन्दौर मे स्थित है (श्रॉग इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर मे, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 1 दिसम्बर, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) क बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिये; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) श्री मुकेश कुमार पुत्र लक्ष्मीनारायण 248 तिलक मार्ग, इन्दौर, (म० प्र०) (ग्रन्तरक)
- (2) श्री तेजेन्दर वीर्रासह पुत्र दलजीत सिंह 304 जवाहर मार्ग, इन्दौर (म० प्र०) (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स् 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ममुस्यी

मकान नम्बर 304, जवाहर मार्ग, इन्दौर (म० प्र०) का भाग ।

> देवप्रिय पन्त सक्ष प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 16-8-1982

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 भ्रगस्त, 1982

निदेश सं० श्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)/2887---श्रत , देवित्रिय पन्त,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिमका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० मकान नम्बर 304 है, तथा जो जवाहर मार्ग, इन्दौर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 1 दिसम्बर, 1981

कते पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिथा के लिए,

ग्रतः अव, उपत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मुकेश कुमार पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण 48 तिलक मार्ग, इन्दौर (म० प्र०)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री खुशबीर सिंह पुत्र दलजीन सिंह 304 जवाहर मार्ग, इन्दौर (म० प्र०) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनसची

मकान नम्बर 304 जवाहर मार्ग, इन्दौर (म० प्र०) का भाग ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (नरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक 16-8-1982

प्ररूप आर्ड .टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहत्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोषाल,

भोपाल, दिनांक 16 अगस्त, 1982

निदेण सं० ग्राई० ए० मी० (श्रर्जन)/2888—ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नं० 144/1/2 है, तथा जो ग्राम पान गुराड़िया तह० बुधनी में स्थित है (श्रौर इसमें उपायद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बुधनी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक 26 दिसम्बर, 1981

को पृषां क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तिविक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई िकसी आय की धाबत, उकत अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा को लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री दलीप सिंह पुत्र श्री पूनम चन्द मिश्रा निवासी पान गुराड़िया तहमोल बुधनी (म॰ प्र॰) (श्रन्तरक)
- (2) श्री लखन सिह् पुत्र भेरो सिह निवासी पान गुराड़िया तह० बुधनी (म० प्र०) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त बीधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि खाना नम्त्रर 144/1/2 ग्राम पान गुराडिया तहसील बुधनी (म० प्र०)

देवप्रिय पन्त समक्ष प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 16-8-1982

प्ररूप आई टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 अगस्त 1982

ि निवेण मं० ग्राई० ए० मी० (ग्रर्जन)/2889—-ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्न.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० नं० 144/1/1 है, तथा जो गुराड़िया तह० बुधनी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय. बुधनी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 26 दिसम्बर 1981

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों न्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक्य में कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री दिलीप सिंह पुत्र पूनमचन्द मिश्रा ग्राम पान गुराड़िया तहसील बुधनी (म० प्र०) (ग्रन्नरक)
- (2) श्री भारत सिह पुत्र भेरो सिह निवासी पान गराड़िया तहसील बुधनी (म०प्र०) (ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारा कर व्यावित सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि सं० नम्बर 144/1/1 ग्राम पान ग्राङ्गा तहसील बुधनी (म० प्र०) ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक श्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 16-8-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कां धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 अगस्त 1982

निर्देण सं० ग्रार्ट० ए० सी० (ग्रर्जन)/2890——ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसवा उचित बाजार मून्य 25 000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 881 है, तथा जो ग्राम चाकरोद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची से ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गाजापुर से रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 3 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में जिया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अखने में सृविधा के लिए; **जार/या**
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित :----18—256 GI/82

- (1) श्री पनोखीलाल, केसर सिंह पुत्रमण सहलो। विभागा काला पापन कृषत नावशद । (अन्तरक)
- (2) श्री काबरा एग्रो इण्डस्ट्रीज प्रायवेट लिमिटेड भोपाल ।

(ग्रन्तरिनी)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भंप्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का. जा अकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया

## भम्सूची

सर्वे नम्बर 881 भूमि स्थित चाकरोद (शाजापुर) (म० प्र०) ।

> देवप्रिय पन्न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

दिनांक 16~8~1982 मोहर प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 16 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० (श्रर्जन)/2891—अतः, मुझे, देवप्रिय पन्त.

भायकर पिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूस्य 25,000/- द० से भ्रिषक है

श्रौर जिसकी सं० भवन नगर निगम नं० 17/866 है, तथा जो कम्पू रोड लक्ष्कर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में धौर पूर्ण के रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लक्ष्कर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 14 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निमालिखत छद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने दा इससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री गोपालराव पुत्र माधवराव श्रापटे व श्रीमती रमाबाई ग्रापटे पन्ति माधवराव श्रापटे व भौ० मालती श्रापटे पत्ति श्री गोपालराव श्रापटे व विवेक पुत्र गोपाल राव श्रापटे व माधना पुत्री गापालराव श्रापटे निवामी णिन्दे की छावनी, लक्कर, ग्वालियर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सौ० इन्दरजीत कौर पत्नि दलजीत सिंह सिक्ख । निवासी—फालका बाजार लक्कर, ग्वालियर (म० प्र०) । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीनन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उस्त श्रिष्ठितियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

भवन निगम नम्बर 17/866 जुज स्थित कम्पू रोड लक्ष्कर ग्वालियर (म० प्र०)

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, भोपाल

दिनांक: 16-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजन क्षेत्र, भोपाल

भाषाल, दिनाक 16 ग्रगस्त 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)/2892--श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पात, जियका अवित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी म० भवन निगम नं० 17/866 है, तथा जो कम्पू रोड लश्कर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण के स्प में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, लश्कर, ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 14-12-1981

को पृथों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाम की वाबत उक्त जिए-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; जौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा को लिए;

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उथन अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) भी अभीन, निम्निशिक्षित व्यक्तियों, अर्थान् :--- (1) श्री गोपालराव पुत्र माधवराव श्रापटे व श्रीमती रमाबाई श्रापटे पिल माधवराव श्रापटे व सौ० मालती श्रापटे पिल श्री गोपालराव श्रापटे व विवेक पुत्र गोपालराव ग्रापटे व साधना पुत्री गोपालराव ग्रापटे निवासी शिन्दे की छावनी लक्कर ग्वालियर (म० प्र०) ।

(भ्रन्तरक)

(2) सौ० मुरेन्दर कौर पत्नी सरदार जुगेन्द्र सिंह सिक्ख निवासी फालका बाजार, लक्कर, ग्वालियर (म० प्र०)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-थाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भवन निगम नम्बर 17/866 जुज स्थित कप्पू रोष्ठ लक्ष्कर ग्वालियर (म॰ प्र॰) ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 16-8-1982

प्रकप माई० टी० एत० एस०-~-

धायकर घिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के ग्रिवीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 17 श्रगस्त 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)/2893—ग्रत. मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-ए० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० नं ० 1307/3 है, तथा जो महलगांव ग्वालियर में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण के रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर मे रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाआर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है थ्रोर मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का एम्ब्रह् प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) थ्रौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरंग में हुई किमी भ्राय की बाबन, **एक्न** भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए भीर/या
- ्ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, सुर्धात्:— (1) सिधिया देवस्थान ट्रस्ट क्राच श्राफिस, न्वालियर (म० प्र०)

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमनी राजकुमारी पत्नी राजकुमार एयम् रामग्रवनार पुत्र श्री जगन्नाथ नियासी दाल बाजार ग्वालियर (म० प्र०)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका समाति के अर्जा के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उपन सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अवधि, जी भी सर्वधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्न स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अपन्य अपिन द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के घट्याय-20क में परिभाषित है, बही धर्म होगा जो उस घट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सं० नम्बर 1307/3 महलगांव, ग्वालियर (म० प्र०)

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज, भोपाल

दिनाक 17-8-198*2* मोहर . प्ररूप आइ ं. टी. एन. एस.------

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-ध (1) के मधीन सूचनः

## भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ऋर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 श्रगस्त, 1982

निर्देश स० ग्रार्ट० ए० सी०/ग्रजन/भोषाल-2894---श्रत मुझे, देवप्रिय पन्त,

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 28,000/- क से बिध्क है श्रीर जिसकी स 1307/18 है, तथा जो चंदबंदनी का नाका खालियर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोत्तत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह बिज्वास करने का कारण है कि प्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धिक्ष-नियम के प्रधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा के लिए; भौर/या
  - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर्य निम्हिलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :-- (1) श्री सिधिया देवस्थान ट्रस्ट ग्वालियर (म० प्र०) ।

(स्रन्तरक)

(2) (1) श्रीमती गायती देवी पत्नी रमेणचन्द्र निवासी नया बाजार, ग्वालियर (2) महेशचन्द्र गोयल पुत्र श्री नत्थू लाल गोयल, पिछोर ग्वालियर (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि संख्या नम्बर 1307/18 छती बलटेण्वर चन्द्रबदनी का नाका ग्वालियर जो कि वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका उल्लेख एवम् विवरण श्रन्तरितियों यों द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी मे निहित है।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

100

दिनांक 19-8-1982 मोहर प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 17 श्चगस्त, 1982

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/2895— श्रनः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम मह्लगांव, ग्वालियर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वो नत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य् से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निग्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबते अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी अाथ या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: शब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिमिन त्यिक्तियों, अर्थान :---

(1) श्री सिंधिया देवस्थान द्रस्ट ग्वालियर (म० प्र०)

(भ्रन्तरक)

(2) (1) श्री हरीशचन्द्र (2) श्री सुरेशचन्द्र निवासी फालके का बाजार लक्ष्कर, ग्वालियर (म० प्र०)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बसे 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की जनिथ, जो भी बनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किंग्र का सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि महलगांव जिला ग्वालियर, स्थित जो कि वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका उल्लेख एवम् विवरण श्रन्तरिती सर्वे श्री सुरेश चन्द्र एवम् हरीशचन्द्र द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में दिया गया है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 17-8-1982<mark>]</mark>

प्ररूप आहूँ.टी.एन.एस.------

# अ(यकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के ग्रधीन सूचना

## मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 ग्रगस्त, 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी० /2896—श्रनः मुझे, देवप्रिय पन्त,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के अग्रेन पश्चन प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर नम्यास जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपए में मिधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 64 है, तथा जो भोपाल में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रतिफल निम्नलिक्तित उद्देश्य से अक्त बन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप में कवित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रश्नीन कर देने के घन्तरक के वाबित्य में कसी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए और/या,
- (आ) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर मिसिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिसिनियम, या धन-कर मिसिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंग बाया किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उन्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के धन्तरण में, में, उन्त प्रधिनियम की मारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शुर्थात्:— (1) श्री ग्रहण कुमार जैन ग्रास्मज श्री ताराचन्य जैन सहायक श्रायुक्त श्रावकारी विभाग सागर (म० प्र०) ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरिशंकर निवारी ग्रात्मन श्री लक्ष्मीनारायण तिवारी निवासी रामनगर कालोनी भोषाल (म० प्र०) (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीका नकाति के अर्हन के लिएकार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के ग्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भग्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास निखित में किएजा सकोंगे।

स्पण्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त श्रीवित्यम के अध्याय 20-क में परिमाचित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रश्याय में दिया गया है।

# वनुस्ची

एक किता प्लाट नम्बर 64 राम नगर कालोनी भोपाल (म० प्र०) निर्मित क्षेत्र सहित ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षीण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 18-8-1982

# प्ररूप आर्डं.टी.एन एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोगाल

भोपाल, दिनाक 17 ग्रागमन 1982

निर्देश सं० ग्रार्ड० ए० सो०(ग्रजन)/2897-----ग्रत मुझे. देवप्रिय पन्न,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसका स० ख० न० 141/2 है, तथा जो ग्राम पान गुरिंडया में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ अनुसूचे। में ग्रीर पूर्ण के रूप से विजित है), रिजस्ट्राकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बुधना में रिज-स्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाक 26 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति को उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उव्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अत. अब, उन्तत अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) अं। दलाण निरु पुत प्तमचन्द मिश्रः विश्वासा -पान गुर्णसा तह् वृद्धनः । (अन्तरक)

(2) श्रा जसबन सिंह पुत्र भेग सिंह निवासी -पान गुरङ्गिया नहरू ब्रधनी

(अस्तितः)

को यह सूचना बारी करके पृत्रावित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षप ;--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अभूस्ची

भूमि खाता नम्बर 144/2 ग्राम पान गुरङ्गिया तह० बुधर्न।

देविप्रय पन्त सक्षमः प्रतिव्रहारी सहायक ग्रायकर श्रायक्तः (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज, भोपाल

दिनाक 17-8-1982

## प्ररूप काइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अि नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अभीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाव 18 प्रगस्त 1982

निर्देश म० ग्राई० ए० मा० (ग्रर्जन)/2898—-ग्रत मुझे, देविश्रय पन्त.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन मक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र, से अधिक है

श्रौग जिसकी में प्लाट ने 6/107/10 है, तथा जो ब्लाक नं विकास में है (श्रौग इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारों के कार्यालय, रायपुर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक 15 दिसम्बर, 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नालियत उद्देश्य में उच्त अन्तरण निखित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे ब्चने में मृविधा के लिए और/या
- (म) एंगी किसी भाय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;
- अत अब, अक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनमरण में, में, 'क्क्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:---19---256GI/82

- (1) श्रामतो सुरजीत कौर विदीं एवम् ग्रन्य (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शकुन्तला जैन रायपुर (म० प्र०)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभिनयम, के अभीय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गय है।

## वन्स्ची

नगर क्लाक नम्बर 14 प्लाट नम्बर 6/107/10 रायपुर (म० प्र०) ।

देयप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनाक : 18-8-1982

मोहर .

प्ररूप आई टी एन.एस -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 18 ग्रगस्त, 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० मी० (ग्रर्जन)/2899—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 31/2 पर मकान है, तथा जो स्टेट बैंक गली रायगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूर्यों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीध हार्रा के कार्यान्य, रायगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम, दिनांक 29 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (क) अस्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक क स्वित्तर में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के निए; श्रीर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय कायकर धिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत प्रक्षिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्तिसित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री गौतिन्द राभ, गोपाल राय, लक्ष्मन राय एवम् नरह(र पुत झानन्द वाडिया, श्रीमती संध्या विधवा रामबाबू वैध रायगढ़, गोधी गोज रायगढ़ वार्ड न० 15, तह० रायगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) सरदार गुरुबचन सिंह , तरदार इजबरिसग पुत मुकुन्दलाल अनूजा रायगढ़ वार्ड नम्बर 15 (3) सरदार हरबन सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह (4) सरदार आलोक सिंह पुत्र हरजा सिंह 3 और 4 नियामी पातलगांव धर्माजीगढ़, रायगढ़ (मू० प्र०)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस पूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीबा से 45 विन की धवाध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन को धविध, जो भी धविध बाद में समाण्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में अकाशन को तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किशी ग्रन्य व्यक्ति हारा अग्राक्ताझरी के गम लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अनुलुकी**

मकान नजूल प्लाट नम्बर 31/2 स्टेट बैंक गली रायगढ़ में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरिक्षण ग्रर्जन रोंज, भोपाल।

दिनांक . 18-8-1982 ->---

प्ररूप आइं .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम्, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनाक 18 अगस्त, 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)/2900---श्रत. मुझे, देविश्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. में अधिक हैं

स्रीर जिसका मं० 14 है, तथा जो सयागितागज इन्दौर में स्थित है (भौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप स वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीवरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 14 दिसम्बर, 1981

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का, निम्निचित उद्वादय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधीनयम, के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विभा के लिए;

असः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निबिसित व्यक्तियों, अधीत् ६—— (1) श्री लक्ष्मण प्रसाद पुत्न बादलराम 14 पारसी मोहल्ला मेन रोड इन्दौर (म० प्र०)

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सीताबाई पत्नी ग्रानर्न्दा लाल जी ब्यावरा (म० प्र०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

स० 14 पारमी मोहल्ला मन राष्ट संयोगितागंज इन्दौर (म० प्र०)।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षीण) ग्रर्जन रोंज, भोपाल

दिनाक 18-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

अभयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 18 श्रगस्त 1982

निर्देश सं० स्नाई० ए० सी० (श्रर्जन)/2901—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्तः,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्रममें ध्रमके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

ग्रौर जिसका सं० म्यु० पा० नं० 43/46 है, तथा जो म० रा० तु० कलाथ मार्केट इन्दौर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक 7 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और प्रभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक ते हुइ कि की नाव की नावक, उनक् भाषित्वक के स्थीन कर दोने के क्नारक के दासिक में कभी करने या उनके नुकते में तुनिका के किए; भारि/वा
- (ब) एसी किसी बाब वा जिसी भूग वा बाब बारितयों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अधीतः :---

- (1) (1) श्री कमल किशोर (2) राधामोहन (3) (3) राजिकशोर (4) चन्दमोहन पिता श्री कृष्णदास जी मेहता निवासी 220 साधी स्ट्रीट मह । (श्रन्तरक)
- (2) (1) श्री जवाहर पिता घेवरचन्द (2) विजय कुमार पिता घेवरचन्द निवासी ← 46 श्रन्पनगर उन्दौर (म० प्र०)। (श्रन्तरितं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वृह्यी वर्ष होगा को उस मध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

महाराजा तुकोजी राव क्लाथ मार्केट इन्दौर मि० १०) यहा पर स्थित सकान स्युनिसपल नस्बर 43/46।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल।

दिनांक : 18~8~1982

(श्रन्तरक)

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 ग्रगस्त, 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)/2902---श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्तं,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसके स० नि० न० 26/68 है, तथा जो तानसेन रोड में स्थित है (और इसम उपावद्ध अनुसूर्या में और पूर्ण हप से विणा है), पिनस्ट्रा हर्ना अधिकारी के कार्यालय, खालियर में रिनस्ट्रा करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाद दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल क लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उका अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रीमती सौ० रानो महरोता पत्नी राजिक्योर महरोता निवासी-बलराम पुरा जिला गौड़ा उ० प्र० हाल पड़ाव तानसेन रोड़, ग्वालियर (म० प्र०)
- (2) श्रीमती सी० मुन्नादेवी श्रग्नवाल पत्नी लक्ष्मणदास जी श्रग्नवाल । निवासी-शीतोले साहब का बाड़ा जयेन्द्र गज नगर लक्कर, ग्वालियर (म०प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पस्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया हाँ।

#### अन्स्ची

निगम नम्बर 26/68 सम्पत्ति स्थित तानसेन रोड (पड़ाव) नगर ग्वालियर (म० प्र०) ।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक : 18-8-1982

प्ररूप आहर्, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के मुधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन क्षेत्र, भोषाल भोषाल, दिनाक 18 ग्रगस्त 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी० (ग्रर्जन)/2903—म्ब्रत मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस एश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर पम्पति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क्षण सं अधिक है

स्रीय जिसकी में भारतान नस्बय 1518/1, 1519 हैं, तथा जो राइट टाउन में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में प्रीय पूर्ण रूप में जिल्हा है), रजिस्ट्राकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्राकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधान, दिनाल 2 दिसम्बर, 1981

को पृष्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तिनियो) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक हप में किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए,

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री भोपाल मिह (2) राजाराम
  - (3) श्री हल्के इलेग्राम विजय सिह
  - (4) बारेलाल सभी पुत्र श्री पूरनलाल
  - (5) राम स्वरूप पुत्र श्री राम सिह निवासी ग्राम लुहारी तह० पटन जिला जबलपुर (म० प्र०) ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रोमती श्रनुभा चौबे पत्नी श्री बी० सी० चौबे निवासी---1518, 1519 राइट टाउन जबलपुर (म० प्र०) ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनसची

मकान नम्बर 1518 एवम् 1519 राइट टाउन जबलपुर (म॰ प्र॰) ।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज, भोपाल

दिनांक : 18-8-1982

के ग्राधीन

दिनांक

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोच्चिन~16, विनाक 16 प्रगस्त 1982

निदेश सं० एल० मी० 589/82-83--यतः, मुझे, पी० जे० तोमसकुट्टि,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ज के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसको सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो विश्वविधेकर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वि है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विश्विवपेकर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

30-12-1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रुयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और भ्रुन्तरक (भ्रुन्तरको, श्रीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ना पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किंबत नहीं किया च्या है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की वायत उक्त अधिनियम के श्रवीन कर देने के शम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए। और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अभ्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर मिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनयम, या धन-कर मिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थीत् :~-

(1) शीमनी सर्वादेशी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुसम्मा जीण

(श्रन्तरिती)

का <mark>यह भूवना नारा कर</mark>र एवोका १८९८ जनवर के ४४ए का**र्यनाहियों** गुरु **करता** है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क नवध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन श्री सवित्व मा तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की नामीश्र से 30 दिन श्री अविद्या, जो भी सविद्याद में ममास्त होती हो, के भीतर वर्षोक्त व्यक्तियों में 1 किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) ६स सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4 ) दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितका किसी धन्य स्थावित द्वारा निशीहस्ताक्षरी े पा-लिखिन में किए जा सर्कीं।

स्वष्टीकरण ---इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्ष्मिवियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ने वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय कि

## अनुसूची

7.375 cents of land with a double storeyed building in Sv. No. 133/1 of Trichui village.

पी० जे० तोमसकुट्टि सक्षम प्राधिकारी गहायक स्रायकर ध्रापुक्त (निराक्षण) स्रजैन रेज, एरणाकुलम

दिनाक 16-8 1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 श्रगस्त, 1982

निर्देश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 104/82-83-यतः मुझे, एम० जेगनमोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3-4-1, 3-4-783/4 है, जो बर्कत पूरा, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण- एप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, चिक्क- उपस्ली, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1 दिसम्बर, 1981

को पूर्विक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (') के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धातः :—

(1) श्रीमती तारादेवी बर्कत राय पिता बलराम सिंह ताकुर । 340, सचापिर स्ट्रीट, पूना ।

(अन्तरक)

(2) दोषक रियल एस्टेंट एण्टरपाइनेंग 112, मारेडपल्ली सिकन्दाबाद ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृवाेंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

मवान नं 3-4-1, 3-4-783/4, गीता निकेतन, कावेगूडा रोष्ट में बर्कतपुरा हैदराबाद जैसे कि विस्तीर्ण 868 स्केवर यार्डम, रजिस्ट्रीकृत विलेख में 1080/81 रजिस्ट्रीकृत कार्यालय अधिकारी चिक्कडपल्ली द्वारा ।

एम० जेगनमोहमन सक्षम श्राधिकारी सहायक सायगर पायुक्त (निर्राक्षण) स्रजन रोज, हैदराबाद

दिनाक: 18-8-1982

ःमोहर

प्रकृप आहु . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदर:बाद, दिनांक 18 ग्रगस्त, 1982

निर्देण सं० ग्राप् ये० मी० नं० 103/82-83---यतः मुझे, एम० जोगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-य के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिक्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संगमकान नंग 60/4 ग्रारण्टी है, जो बर्कतपूरा, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपावज श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय चिक्कडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए;

(1) था पार नात रागेण्यर राम, पिता प्राम्बन्द्र राव 60/4 प्राप्त टी० वर्कतपूरा, हैदरावाद । (श्रन्तरक)

(2) डाक्टर नन्द कुमार दोक्षित पिता देवीदास राव 3-4-1013/24, वर्कतपूरा, हैदराबाद । (ऋनिरिता)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>1</sup>।

## अम्स्ची

मकान नं० 60/4 आर० टी० मुन्मीपल नं० 3-4--512/26, बर्कतपूरा, हैदराबाद में 404.44 स्क्वेयर यार्डस विस्तीण रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 993/81, महायक रिजिस्ट्रीकृत कार्यालय प्रधिकारी द्वारा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जनरेंज हैदराबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, न्मिनिलियन व्यक्तियों अर्थात् :---- 20—256GI> ४२

**दिनां**क : 18-8-1982

## प्ररूप माई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षीय सहायक <mark>श्रायकर श्राय</mark>ुक्त कार्यालय श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 श्रगस्त, 1982

न्नार० ये० सी० नं०——102/82—83——यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 16-7-737 है, जो कटटलगुडा हैदरबाद। में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घर्स्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्न या उससे बचने में सुविधा के शिये; और/या
- (स) एसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए भीर/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) को अधीन निम्नीलेखित क्यक्रितमों, अर्थात :--- (1) डा॰ एच॰ वी॰ कुलकर्णी, पिता बलवन्त राव 1510 ईस्ट, 1100 नार्त लोगन यूटाह 84321, यू॰ एस॰ ए॰ जी॰ पी॰ ए॰ सिण्डीकेट बैंक, वी॰ एस॰ परकाल द्वारा निजाम शाहि रोड, हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) (1) श्रीमती पोटटी राजेश्वरि, पित : नरसंहाराय, (3) लीमूर्ति, कल्वा श्यामला, पित : प्रभुराव, मकान नं० 8-4-37, कृष्णा कालोनी, वरेंगल, (लोकल पता, जनता फट कम्पनी, कट्टलगड़ा चादरघाट, हैदराबाद)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

मकान नं 16-7-737, विस्तीर्ण 1285 स्क्वेयर यार्डस, कट्टलगुडा हैदरबाद कमल टाकीज के नजदीक जैमे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 6994/81 सहायक रजिस्ट्रीकृत कार्यालय श्रिधकारी सिकन्दराबाबाद बारा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदर(बाद

दिनांक : 18-8-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

अ।यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षय महायक श्रायकर ग्रायुक्त श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदाबाद, दिनांक 18 श्रगस्त, 1982

ग्रार० ये० सी० नं० 101/82-83--यतः मुझे, एनम० जेगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 3-4-138 है, जो वर्कतपूरा, हैदराबाद । में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत हे), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिसम्बर, 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्राधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——  श्री नारायन विश्वराध जोशी पिता बी० बी० जोशी । महेन्डले मोडल कालोनी, पूना । (3-4-138, बर्कतपूरा, हैदरबाद)

(म्रन्तरक)

(2) श्री सुरेण केशव पटवर्धन, पिता केशव शंकर पटवर्धन 3-4-138, बर्कतपूरा, हैदराबाद ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाजन का तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोक्षा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 3-4-138 बर्कतपूरा, हैदराबाद (जमीन मल्गी) जैसे कि विस्तीर्ण 1439 स्क्वेयर फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7000/81 सहायक रजिस्ट्रीकृत कार्यालयाधिकारी सिकन्दराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 18-8-1982

मोह्रर :

प्ररूप आई० डी० एन० एस०--

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षीय सहायक भ्रायकर भ्रायक्टत भर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 श्रगस्त, 1982

**भार**० ये० सी० नं० 100/82-83---यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

प्रायकर श्रक्तिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाबार मुस्य 25,000/- ६० से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4-1-829/1 है, जो जे० एन० रोड, श्रविडर्स हैदराबाद में स्थित है (श्रौर उससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मन्य, इसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रव व्यतिशत अधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) मन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के निए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविह रूप ये हथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अस्तरिती बारा प्रकट नहीं किया या ं या किया जाना **चाहि**ए **या**, छि**पाने** में स्विद्या केलिए।

धत: ग्रव, इश्न अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्स अधिनियम की बारा 260-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनीयत व्यक्तियों, वर्धात :---

(1) बोर्ड श्राफ ट्रस्टीम, एमिली कार्नेलियम मेमोरियल द्रस्ट, प्रबन्ध रोड, जी० पुल्ला रेड्डी द्वारा पिता जी जी० हुसैन रेड्डी, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरोजिनी नायडु मेमोरियल ट्रस्ट हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए रायंगहियां करता है।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (भ) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविद्धा जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवात में भिए जा सर्वेगे।

स्यब्दीकरगः --इसर्ने प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत मिनियम, के मध्याय 20-क में परिकालित हैं, वही अर्थ होगा जो उस घडवाय में दिया गया है।

अन्स्ची

म्य्निसिपल नं० 4-1-829, जवाहरलाल नेलकः रोड, श्रवउस, हैदरावाद में जैसे कि 1775.83 विस्तीर्ण । रजिस्टी-कृत सख्या नं० 7696/81 महायरजिस्ट्रीकृत कार्यालय श्रधिकारी हैदराबाद द्वारा ।

> एम० जेगन मोहन मक्षयम श्रधिकारी सहायक ग्रायकरनन्नायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 18-8-1982

भोतर

प्ररूप आहुर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षीय सहायक स्रायकर स्रायक्त

श्रजेन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 18 श्रगस्त, 1982 ग्रार० ये० मी० नं० 99/82—83——,यत. मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन है, जो श्रतिवेल्ली गांव में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णेक्ष्प में वर्णित है), रिजम्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रार० ग्रार० जिला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिसम्बर, 81

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल में एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतिरती (अन्तिरियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति दिक स्प में किथन नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) श्रीमती योभा देवी भ्रग्नवाल 4-5-718 ईसीमिया बाजार, हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पी० ज्योती रेड्डी
   6-3-864, सादत मिजल '
   श्रमीर पेट, हैदराबाद ।
   (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाद्या करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## ग्रनुसूची

जमीन नं० सर्वे न० 292, 294, 296 अतिबेल्ली गाव में विस्तीर्ण 19.07 एकर्स, मेडचल तालृका आर० आर० जिल्ला मे रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या मे 7751/81 रजिस्ट्रीकृत कार्यालय अधीक्षक आर० आर० चिला द्वारा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाक : 18-8-1982

मोहर: प

प्ररूप काइ .टी. एन. एस. -----

मायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय, निरीक्षीय सहाय एम्रायकर भ्रायुक्त श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 भ्रगस्त, 1982

श्रार० य० सी० नं० 98/82-83—यतः एम० जगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1-9-286/4/2 है, जो रामनगर, हैदराबाद । में स्थित है (श्रौर इससे उावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप मे है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद । में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वों कित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कार को दृष्टमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको दृष्ट्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथात नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्री पी० वी० रामिलिगम्बर राव )
  (2) श्री पी० पूर्ण चन्द्रराव | जी० पी० ए० पी०वी०
  (3) श्री पी० निरंजन राव | रामिलिगम्बर राव
  (4) श्री जी० राधाकुष्ण मूर्ति | 1-9-286/4/2
  (5) श्री पी० रंगाराव | विद्यानगर, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
  - श्री श्रार० चोक्काराव,
     (2) श्रार० चन्द्रशेखर ।
     4-3-75 जहीर मोहल्ला, करीमन गर, श्रान्ध्र प्रदेश ।
     (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्इ भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त झोती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुई, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

मकान नं० 1-9-286/4/2, रामनगर पुल के पास विद्यानगर, हैवराबाद जमीन फ्लोर विस्तीर्ण 692 स्क्वेयर फीट थ्रौर पहला मन्जिल 692 फीट थ्रौर दूसरा मंजिल 530 स्क्वेयर फीट र्गजस्ट्रीकृत विलेख में 7385/81 सहायक रजिस्ट्रीकृत कार्यालय भ्रधिकारी हैदराबाद द्वारा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 18-8-1982

## प्ररूप आई० टी० एन० एस•-------

**कायकर** अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षीय भ्रजीन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 ग्रगस्त, 1982

म्रार० य० सी० नं० 97/82-83—यतः मुझ, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिह्की वं० खुली जमीन है, जो सैदाबाद, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णकर से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के धृश्यमान प्रतिकल के लिए अग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का परदृह् प्रतिगत से अधिक है और अग्तरिक (अन्तरकों) और अग्तरिती (अतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तकिक रूप से किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम से अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री गलाला\*प विकतन पिता सनाय्या
- (2) दर्गा स्वरूपा पनि विवेकानन्दा
- (3) कल्ली निजरूप पित : इन्द्र प्रकाश जीव पीव एवं डाव जव रामेश्वरराय, पिता : वेकटराव 106 बी, सन्तोणनगर कालोनी, हैदराबाद ।
- (2) (अन्तरक)
- (2) श्री वानी कोग्रापरेटिव हौसिगसोसाइटी, डी॰ सत्यनारायना द्वारा पिता : वेंकट रंगाराव 8→105, णान्ति नगर कालोनी, हैदराबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना <mark>जारी करके पृत्रों क्</mark>स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## सकत सम्पत्ति के नर्शन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोझ है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक एक: ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्यास में दिया गया हैं।

## अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 202 से 205 विस्तीर्ण 30 गुन्टा मैदाबाद, हैदराबाद मे रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या मे 7527/82, रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्रधिकारी हैदराबाद द्वारा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

**दिनांक** : 18-8-1982

प्ररूप आहर्ष, टी एस एस, सरस्यार

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 18 श्रगस्त 1982

न्नार० ये० सी० नं० 96/82-83--यन:, मुझा, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर संगति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र.. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन है, जो कल्लूर गांव, कर्नूल जिला में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कर्नूल में रिज-स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अश्तरण से हुई किसी आय की बाबत सकत अधि-नियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रम्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर ग्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रस्तिरती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

 श्री जंपला सितय्या, पिना नीरसा 46/679 ए०, बुद्धारपु पेट, कर्नूल

(ग्रन्यरक)

(2) कर्नूल जिल्ला गवर्नमेंट एप्पलाइज वेलफेयर एसी-सियेशन, के० पेद्धय्या द्वारा । (प्रेसिडेंट), पिता दस्तगिर 40/58, ए० एन० ग्रार० पेट, कर्नूल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सुकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन विस्तीर्ण 10.83 एकर्स, कल्लूर गांव कर्नूल जिल्ला में जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5852/81, सहायक रजिस्ट्रीकृत कार्यालय श्रीधकारी द्वारा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक . 18-8-1982

प्ररूप बाहैं.टी.एन एस -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 श्रगम्न 1982

श्रार० ये० सी० नं० 95/82-83-यत मुझे, एम० जेगन-मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/ राज्ये अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 10-2-8 है, जो ए० सी० गार्डस, हैदराबाध म स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, सिकन्दराक्षाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक दिसस्वर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मृतिथा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् .---- 21- 256GI/R2

(1) भी गरिफ मीर्जा पिता : पुरीद मीर्जा 52 हन्साग्डा, हैदराबाद ।

(प्रनामाः)

- (2) (1) श्री उप्तीयाख हुम्मैन, पिता : प्रप्फक हसैन
  - (2) श्रीमती नफीस मृल्ताना, पति : इप्तीयाखां हमैन । 10~2~8, ए० मी० गार्टम, हैदराबाद । (अल्लिंग्ती)

को यह सूचना जारी कर के प्योंक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वेक्ति त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क भें परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूखी

मकान नं ० 10-2-8, ए० मी० गार्डस, हैदराबाद में विस्तीर्ण 616 स्क्वेयर यार्डस, रजिस्ट्रीकृत विलेख मंख्या मे 7149/81, सहाय रजिस्ट्रीकृत कार्यालय द्वारा ।

एम० जेगनमोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर स्रायुक्त, निरीक्षण स्राप्तीन रेज, हैदराबाद

दिनांक 13-8-1982 मोहर*ा*ः प्रस्प भाई• टी• एन• एस•-

## अध्यक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्या नय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 श्रगस्त, 1982

निर्देश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 94/82-83-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त स्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-च कि स्थीत सजय गाधिकारों को प्रद् विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित वाजार भूल्य 25,000/- रुपये से भिधिक है

ष्ट्रौर जिसकी सं० जमीन है, जो गुडिडमल्लापूर, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981 को

पूर्वोक्त सम्मिक्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है सीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तर्थ के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखि। धहेश्य में उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूम से कथिश नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने से मुविधा के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

नतः सब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित् व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती बी० स्वयमिकुसुगाम्मा । पति . बी० रगय्या , मकान न० 1-8-453, गाधीनगर, बाकारम, हैदराबाद ।

(ग्रह्मरक)

(2) मेसर्म सेरवंत को० ग्रापर्रटिव हौसिंग सोपाइटी लिमिटेड टी० ए० वी०, 59, प्रेसिडेंट : जी० कोन्डलराव. पिता राममूर्ति, 10-2-317/ए०/19-ए०, विजय नगर कालोची हैदराबाद 500 457 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंका सम्पत्ति क श्रर्वेन क निए कार्यवाहियां करता हं।

उत्ताम्यक्ति के प्रजंत के स्वयध में होई भी आक्षारः ⊶र

- (क) इस गूबना के राजपत्र में प्रकाश की लारी वान 45 कि की अविधिया तत्मक्त्रियों व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किये जा सकेंगे।

स्यव्योकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधि नियम के अध्याय 20-कमे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, तो जा प्रथम में दिए गया है।

## ग्रनुसूची

जमीन विस्तीर्ण । एकड़ 7-1/2 गुन्टा, सर्वे नं 234 में गुडडीमल्कापूर गाव, हैदशबाद में जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख में 1768/81, सहायक रजिस्ट्रीकृत कार्यालयाधिकारी खैरताबाद द्वारा ।

एम० जेगनमोहन सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 13-8-1982

## प्ररूप आई पी एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनाक 11 ग्रगस्त 1982

स० श्रार० ए० सी० न० 93/82-83-यत मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम-इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 8-3-315/2 है जा यूसुफगूडा हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रीधकारी के कार्यालय खैरनाबाद हैदराबाद म रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रीधीन दिनाक दिसम्बर 1981

का पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वांक्त सपिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ पाया रया प्रतिफल, निम्निजियित उद्दश्य स उक्त अन्तरण निक्ति म बास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयं की बाबत उक्त ऑफॉनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसस बचने मं सूबिका के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिविधा के लिए,

- (1) श्रीमती रोचल्ली कें भीरघन्दनी
  पति किशन रेवाचन्द मीरचन्दनी
  मकान न० 103 पारक लेन, सिकन्दराबाद ।
  (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुशीलाबाई ग्रग्नवाल पति रतनलाल श्रग्नवाल मकान न० 8-3-315/2, यूमुफगूडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सपित्ति के अर्जन के सबध म काई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राज्यक् मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद मा समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (म) इस मूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध हस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण --इसम प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

मकान न० 8-3-315/2 यूसुफगूडा, हैदराबाद मे 951 स्क्वेयर यार्डेस विस्तीर्ण जैस कि रजिस्ट्रीकृत सख्या न० 1761/81 सहाय रजिस्ट्रीकृत कार्यालय, खैरताबाद द्वारा ।

एम० जेगन माहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, हैदराबाद

कत अव, जक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्सरण मो, मो, उक्त अधिनियम की भाग 269 घ की उपथाग (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् —

दिनाक 11-8-82 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

श्रायकर **धांबनियम, 1981 (1981** का 43) की **धारा 269-घ (1)** के प्रद्यान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 20 श्रगस्त 1982

श्रादेश सं० : राज/महा० श्रा० श्रर्जन/1309---यतः सुझे, मोहन सिह,

भायकर भविनियम, 1961 (1961 हा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये में श्रीयह है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 26-12 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाप हरने हा हारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उनके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल के। पन्द्रह पाणिक से अधिक है चार अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित्ती (अन्तरित्यों) के बीत ऐसे प्रन्तरण के लि, तर पात गया प्रतिफल, निम्नलिखि उद्देश्य । उत्तर प्रतिकृत के म कथि, नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से तुई किमी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/ण
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तिरती आणा प्रकट नहीं निया गया या या किया जाना चाहिए या दिपाने में मृजिधा व लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

- (1) श्री भ्रानन्द सिंह पुत्र श्री रेवत सिंह राजपूत निवासी--रेवत निवास गुलाब सागर, जोधपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्री मदन लाल पुत्न केसरी मल जी निवासी जोधपुर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति, के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🖫--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की श्रवधि या तत्संबंधी स्थिकतयों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

ण्डीकरण: → - इसमें प्रगृक्त जिल्ला हैं। वियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होता, जो उस्त्रक्षा में दिया गया है।

## अनुसूची

लाट नं० 2, वाके गहर जोधपुर पी० डब्ल्यू० डी० कालोनी के पास, जो पंजियक, जोधपुर द्वारा ऋम संख्या 2904 दिनांक 26-12-81 पर पंजिबद्ध विकीय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 20 -8-1982

प्रसप आई० टी० एन० एस०-

ग्रायक्तर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रिधीन सूचना

#### भारत मरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 20 श्रगस्त 1982

भ्रादेश म० राज०/सहा० श्रा० स्रर्जन/1310---यतः मुझे, मोहन सिंह,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नेश नात् "उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है विस्थानर पंपत्ति जिसका उचित बाजार सूल्य 25,000/- इ० में प्रिष्ठिक है

ग्रीर जिसकी म० प्लाट है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक 26-12-81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीर है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) क बीच एंसे पन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किनितियों उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण म हुई किमो स्नाय की बाबन उक्त स्रधि-नियम के स्रधीन कर देने के सन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः पव, उनत ग्रम्भिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अवन गिधिनियम की धारा 268-ए की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री भ्रानन्द सिंह पुत्र श्री रेवत सिंह राजपूत निवासी रेवत निवास गुलाब सागर, जोधपुर । (श्रन्तरक)
- (2) चतरभुज, निवासी——जोधपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भा प्राक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ब्रित-बस्न किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोत्हरनाक्षणी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वडहोकरण:---इसमे प्रयुक्त गद्धी ग्रीर पदी का, जा उन्त ग्रीविनियम कन्नड्याय 20-क मे परिभाषित है, वही प्रयं होगा, ना उत्प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट वाले गहर जोधपुर पी० डक्ल्यू० डी० कालोनी के पास, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2905 दिनांक 26-12-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र मे ग्रोर विस्तृत रूप मे विवरणित है ।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनाकः : 20-8-1982

प्ररूप पाई॰ दी• एनः एस० ---

आयक्षर प्राप्तिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 श्रगस्त 1982 श्रादेश सं० : राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1311—यतः मुझे, मोहन सिंह,

श्रायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सभम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ठ० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 26—12—1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन में, ऐने दृश्यमान प्रतिकत का उन्दृह प्रतिशत से प्रक्षिक है भीर भन्तरक (भन्तरको) और अन्तरितो (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिकल, निम्नसिश्चित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कविन नहीं किया गया है भन्न

- (क) अन्तरण मं हुई किसी बाय की बावन उक्त बिधिनियम के ब्रोन कर ोने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या प्रसमे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किया आप या किसी घन या अग्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर प्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अग्तिरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अस: अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--

- (1) श्री भ्रानन्द सिंह पुत्न रेवन सिंह जी राजपूत निवासी-रेवन निवास गुलाब सागर, जोधपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रेखा देवी पत्नी मदनलाल जी श्रांसवाल जैन निवासी जोधपुर ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की। अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की धविष, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भोतर पूर्वीवत व्यक्तियों में में कि ने व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबता के राजपत्र में प्रकाशन की ताराध स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

प्लाट नं० 3, महर जोधपुर, पी० डब्ल्यू० डी० कालोनी, के पास, जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2906 दिनांक 26-12-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में श्रौर विस्तृत स्प में विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 20-8-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यात्रयः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 20 ग्रगस्त 1982

म्रादेश स० राज०/सहा० म्रा० म्राजन/1312---यतः मुझे, मोहन मिह,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित्त बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० प्लाट न० 120 ए०, है तथा जो जोधपुर मे स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जोधपुर मे, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 31-12-1981

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्नतिष्ति उद्देष्य मे उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिवक क्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; हा भीर/या
  - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती दिखाव देवी पत्नी तेजराम जी जैन निवासी जोधपुर बाई जी के तालाब के पास जोधपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) डाक्टर दणस्थमल भडारी पुत्र रणजीत मल जी भडारी निवासी—सरदारपुरा, तीसरा रोड, जोधपुर । (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पन्ति क अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत्त स्थानकता में में किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा नकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 120 ए०, शास्त्री नगर, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा ऋम मंख्या 2962 दिनांक 31-12-1981 पर पंजिबद्ध विऋय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप में विवरणित हैं।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, जयपुर

दिनांक 20-8-1982 मोहर: प्ररूप आई टी एन एम -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 श्रगस्त 1982 श्रादेश स० राज०/महा० श्रा० श्रर्जन/1313—यत मुझे, मोहन सिह,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रौर जिसकी स० प्लाट न० 334/4/ए० है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 24-12-1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) क बीच एस अन्तरण के निए उग्र पामा गया प्रति-फल निम्निलियित उद्दर्श में उसने अन्तरण जिस्ति में बार्यायक हम में किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या टिया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण म मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाल (1) म्धीन, निम्नीविधित व्यक्तियों, अधीत् —— (1) श्रीमती प्यारी बाई पत्नी मागी लाल जो श्रामवाल पुरानी धानमण्डी, जोधपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रकाण सचेती पुत्र सरदारमल जी निवासी—-शास्त्री नगर, जोधपुर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर म्यांक्तयों में से किसी स्यक्ति दुवारा,
- (ख) इस सूबना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिनबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोत्स्ताक्षरी के पास निखिष्य में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

#### बनस्ची

प्लाट नं० 334/4/ए० णाम्स्री नगर, जोधपुर जो उप पजियक, जोधपुर द्वारा कम सम्ब्या 2891 दिनाक 24-12-81 पर पजि-बद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपूर

विनांक : 20-8-1982

प्ररूप आइ<sup>5</sup>. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अघीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 ग्रगस्त, 1982

श्रादेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1314--यत: मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 त्व के अधीन सक्षम अविधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.,000/- र<sub>ि.</sub> से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है तथा जो जोधपूर मे स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 26-12-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपितः बाबार मुल्य, उस्के इस्प्रमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यसे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सर्विधा के लिए:

्रिक्षित्र विक्तं अधिनियम् की धारा 269-ग के अन्सरण (२) खेत्र अंब, उन्त आधानयम का पारा ८०० विकास (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---22 -- 256GI/82

- (1) श्री राजू सिंह पुत्र ग्रानन्द सिंह राजपूत निवासी--रेवन निवास गुलाब सागर, जौधपुर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री महेन्द्र कुमार पुत्र ग्यानचन्द जी निवासी जोधपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपर्तित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन् कौ अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; \* 19 \*F/3 7 \*
- (ख) इस सूचना को राजपन को प्रकाशन की तीरीखें। से '45' दिन के भीतर उक्ते स्थावर संम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टींकरण:--इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जों 'उँक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

STATE FAIR PORT STATE

प्लाट नं० 3, पी. डब्ल्यू० डी० कोलोनी के पास, जोधपूर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारी ऋम संख्या 2907 दिनांक 26-12-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरिणत है।

> मोहन सिंह , सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, जयपूर

दिनांक 20-8-1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर श्र**धिनियम, 196**1 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 ग्रगस्त 1982

ग्रादेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1315—यतः मुझे, मोहन सिंह.

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/≈रुपये से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जोधपुर मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाक 26-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी स्राय की बाबत स्वत श्रष्टि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिश्व म कमी करने या उससे बच्ने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनिक्स, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनिक्स, ग्राधिनिक्स, ज्ञाना चाहिए था छिपाने में ग्राधिन के लिए;

- (1) श्री राजू सिंह पुत्न म्रानन्द सिंह जी राजपूत निवासी—रेवत निवास गुलाब सागर, जोधपुर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पुखराज पुत्न केशरीमल जी निवासी--जोधपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 2, पी० डब्ल्यू० डी० कालोनी के पास, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 2908 दिनांक 26— 12—1981 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

अत: मं, मं, - मब; उन्त प्रविनियम की बारा 269-व के प्रविनियम की वारा 269-व के प्रविनियम की वारा 269-व के प्रविर्ण वारा 269-व की उन्वारा (1)

सहायक भागकर

अरूप आर्ड्ः टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रजन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 16 भ्रगस्त 1982

म्रादेण म० राज०/महा० श्रा० श्रर्जन/1307- यत मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000 /- रा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० महला हाउस है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनाक 29-12-1981 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का गल्ड प्रतिशत में अधिक है और श्रन्तरित (श्रन्तरित प्राचित का प्रतिकत है और श्रन्तरित (श्रन्तरित को अरेर श्रन्तरित (श्रन्तरित को निम्ति खत प्राचा गया प्रतिकल, निम्ति खित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है।--

- (क) नन्तरण न तुर्शिक्ती आयं को बाबत, उक्त श्रक्षि-विगम, के अधीन कर देने क अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा र लिए;

अनः प्रवः, उका प्रधिनियम को धारा 369-ग के ग्रन्-सरण में, भै, उका ग्रविनियम की गारा 269-घ की उपधारा (1) के <mark>प्रधीन निस्न</mark>लिखित क्य**क्तियो ग्रथित**ः-

- (1) श्रीमती माजी उद्दव कवर भटियानी विधवा ठाकुर उम्मेद सिह । निवासी-ग्राम महला वर्तमान निवासी उम्मेद भवन, चौमू हाउस, सी०-स्कीम, जयपुर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुषमा बहल पत्नी श्री मुरेन्द्र कुमार बहल, 606 श्रादर्श नगर, जयपुर । (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपद में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी भवी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी बत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूबना के राजपन में झकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
  हितबद्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी
  के पा लिखिन में किए जा पकेंगे।

हरक्योक्तरणः -- इत्यम् प्रयुक्त गक्दो भीट पदींका, को जका भिक्षित्यम क सम्याय 20-क में परिभाषित है, यही धर्ष होगा जो उस प्राच्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

महला हाउम, खातीपुरा रोड, अजमर रोड नामक सम्पत्ति का भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम सख्या 3145 दिनाक 29-12-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में य्रीर विस्तृत रूप स विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जयपुर

| दिनाक | 16-8-1982 | मोहर प्ररूप बाइं. टी. एन्. एसं. -----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 16 ग्रगस्त 1982

श्रादेश स० राज०/महा० श्रा० श्रर्जन/1308—यत मुझे, मोहन सिह,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी म० महला हाउम है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है) र्राजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 29-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए क्रिंग्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक इप से किथत नहीं किया गया है?

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी भूग या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों,अर्थात् :---

- (1) श्रीमती उद्दव कयर भाटियानी विधवा ठाकुर उम्मेद सिह उम्मेदभवन चीमू ही उस, मी०—स्कीम, जयपुर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मुरेन्द्र कुमार बहल पुत्र श्री हम राज बहल 606, आदर्शनगर, जयपुर । '(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्षरा स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्कित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## ननुसूची

महला हाउस, श्रजमेर रोड, खातीपुरा रोड, जयपुर जो उप-पिजयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 3146 दिनाक 29-12-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्न मे श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जयपुर

दिनांक 16-8-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

वार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋजीन रेंज, बंगलूर बगलूर, दिनांक 3 ऋगस्त 1982

निर्देश सं० मी० आग्० 62/33763/81-82—यतः मुझे, मंज् $\frac{1}{2}$  माधवन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- राष्ध् से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 46 है, तथा जो 17वा क्राम मल्लेण्वरम, बेंगलूर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजिनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-2-1982

को पूर्वेक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ल का निम्नलिक्ति उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रारितयों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के लिए;

अत: अय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्री के० वी० रामचन्द्रन
 स० 46, 17वा ग्रकास, 11वा मैन रोड
 मल्लेश्वरम ।
 बेंगलूर---55

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रर्जुन के श्रहूजा श्रौर माया के० श्रहूजा 42/1, एन० एस० एय्यंगार, स्ट्रीट बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टोकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 5331/81-82 दिनाक 10-2-82) सम्पत्ति जिसका सं० 46, 17 वां क्रांस. सल्लेश्वरम बेंगलूर में स्थित है ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलुर

दिनांक : 3-8-1982

मोहर .

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बंगलूर

बगलूर, दिनांक 6 ग्रगस्त 1982

निदंश म० मी० भ्रा $^{r}$ ०/33682/81-82 एक्यू० बी०---यत. मुझे, मेंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० टी० एम० म० 1581-15/ए-1, श्रार० एम० सं० 84-3 ग्रीर 84-8 87-ए०,हैं, तथा जो कार्दी विलेज कार्दी वाई. मंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर सिटी में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 16-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ग के अन्सरण . में, अक्त अधिनियम की यारा १५०० । १०० (।) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अथित्:—

- 1 (1) श्री ग्रेशन मस्करेनहास, स० 14, मर्वोत्तम खान, दादर, बम्बई-52 ।
  - (2) श्री विवियन टिबरटियम मस्करेनहास, स० 6 गार्डन एवैन्य, इगल्याङ ।
  - (3) श्री फ्लेबियन ए० मस्करेनहास, ब्रेजिल स० एक श्रपने लिए ग्रौर स० दो ग्रौर तीन के पबर श्राफ ग्रहारनी होल्डर है।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हेक्टर एण्डड्रेड श्रीमती मेरी एडड्रेड वहरेन मे काम करते हैं। उनके पवर श्राफ श्रटारनी होल्डर हैं. श्री एलिक एडहेड मन/श्राफ विन्सेट एडहेड बैंक श्राफीसर मरकरा हील, कार्दी, मगल्र-2 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपर्ति को अर्जन के संबंध म काई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मां हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया हैं।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1305/81-82 दिनाक 16-12-81) सम्पत्ति है जिसकी सं० टि० एस० स० 1581-15/0,9-1. ग्रार० एस० स० 84-3 ग्रीर 84-8, 87-0,9, कार्दी विलेज कार्दी वार्ड, मंगलूर में स्थित है।

मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

विनाक 6-8-1982 मोहर . प्ररूप आई टी.एन.एस - ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरेज बगल्र

बेगलुर, दिनाक 3 अगस्त 1982

निदंश स० सी० ऋरि०/62/33749/81-82—यत मझे, मज् माधवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुन में अभिक हैं

भ्रौर जिसकी से पुराना से 2 तथा से 40 है तथा जो गोणाढ़ि रोड वेगलूर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बाँगत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय गाबीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का

16) क अधीन दिनाक 10-2-1982

का पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य म कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की रई ही और मफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापर्वाकत सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का पद्ग प्रतिक स्थापक ही और अतरक (अतरको) और अतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददेश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया द्रौ ——

- (क) अन्तरण से हें फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्न में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अय-कर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हे पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा श्कट नहीं किया गया था या किया जना चाहिए था, छिपाने में सित्धा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मा, मौं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मिलिसित व्यक्तितयों, अर्थात :-- (1) श्री एम०/एग० ८० एग० ग्रा४० ट्रस्ट स० 19 णातप्पा लेन बगल्र+2 उसके ट्रस्ट। श्री ≉० पी० सत्यनारायण मेट्टी ।

(भ्रन्तरक)

(1) संवतिलाल के सत

(2) श्रीमती कातावेन एम० सत स० 5 उत्तरादि मर्लेन चिक्कपेट क्रास बेगलूर-53

(3) श्रीमनी णाताभाई सिन्ग्वी

(4) श्रीमती तिताभाई सिग्बी

्रे <sub>1</sub> 3 ∕ 1 0, सिगवी सदन पि० एम० के० राष्ट्र शकरपुरम वेगलुर—4

(5) महेन्द्राकुमार के पारक-59-ए०, बी० बी० क० एय्यागार रोट

(6) श्री भाबुता के पारेक दूसरा त्रास बसेट्टिपेट बेंगलुर–53 –।

(7) श्री प्रकाण चन्द्र के पारेक, हुरियायपिट, बेगलूर

(8) श्री अवतिका प्रवीन महता

म० ५३ ग्रदियप्पा नयक स्ट्रीट मद्रास-1

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी बारके पृषाकत सपत्ति को उर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हु।

उक्त सपन्ति के अर्जन क सबध स काई भी आक्षप --

- (क) इस सूचना क राजपत्र मा प्रकाशन का तारौं स से 45 दिन की अविधिया तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों मा स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ल) इस मूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सपीत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियां द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ हाला ज उस अध्याय में दिरण गया हैं।

## अनुस्ची

(दस्तावेज स 3919/91-82 दिनांक 15/2/81) सम्पत्ति है जिसका पुराना स० 2 नया स० 40 णणादी रोड वेगलर में स्थित है।

मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बेगलर

दिनांक 3-8-1982 मोहर प्ररूप आहू". टी. एन. एस.----

शायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलर

बगलुर, दिनांक 10 भ्रगस्त 1982

निदेश सं० 62/32971/81-82/ एक्वी० बी० — यत मुझे, मंजु माध्यन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 41/4 है, तथा जो 15वां कास, मल्लेक्बरम, बेंगलूर-3 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजाजी-नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 7-12-1981

को पूर्वोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिम्मिलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में धास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें दचने में सृविधा के लिए, बीट्र/या
- (स) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृके अन्परणः मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-इ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री एम० कृष्णमराज् मन/श्राफ चन्गमराज् म० 41/2, 15वा कास मल्लेश्बरम, बेंगलूर-3

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० ए० तिस्त्नारायणा सन/ग्राफ लेट एम० ए० लक्ष्मी नानाचार प्लाट नं० 1, श्रीकृपम बिल्डिग्म 15वा, कास मल्लेख्वरम बेंगलूर-3

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पन्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वनरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रभ्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः--इसमं प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज मं० 4451/81-82 दिनांक 7-12-81) सम्पत्ति है जिसका मं० 41/4, 15 वां कास मल्लेण्वरम में स्थित है ।

मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, बंगलूर

दिनाक 10-8-1982

प्ररूप आई टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालग, महायक आयकार आयुक्त (निरोक्षण) स्रजन रेज, बगलुर

बगलूर, दिनाक 9 ग्रगस्त, 1982

निदेश स० 62/33252/81-82/एक्बी०/बी०-यत: मझे मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमी इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करूने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार में मल्य 25,000/- रा मे **अधिक है** 

श्रीर जिसकी स० 15/1सी० (एक भाग) है, तथा जो केमब्रिज रोड, बेगलूर मे स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध स्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, णिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 14-12-1981

को पूर्वाबन सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्विकत सम्पत्ति का उचित वाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिन्यिम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया शाया किया जाना चाहिए था, ज़िपाने में सविधा क्रो लिए

अत अब, उत्रक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरूरण मे, मैं, उतन अधिनियम की धारा 269- वकी उपधारा (1) ने अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों , अर्थात् '---23-256GI/82

(1) श्री वि० बाबा माधयराव न० 92 सरोजिनि देवी राइ सिकन्दराबाद श्रान्ध्र प्रदेश ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स वाला जी एण्टरप्राइजेज **स०** 85/1, शिवशकर के० एच० राष्ट्र, बेंगलर-१७

(मन्त्रिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सपील के अर्जन के सबब में कोई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीय गं 45 दिन की अवधि या तत्मंबधी व्यक्तियो पर सुचना की तामिल स 30 दिन की अवधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हों. के भीतर पर्वेक्त व्यक्तियों मा स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस मुचना को राजपत्र में पकाशन की नारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध ाकसी अन्य व्यक्ति दवारा अश्ंडम्लाक्षरा के पार लिस्तिम विगजास्काँग।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क मो परिभाषित ही, वही अर्थ हागा, जा उस अध्याय में दिया गया हु ।

## अन्स्ची

(दस्नावेज सं० 2808 ना० 14-12-81) न० 15/1सी०, के एक भाग, केमब्रिज रोड, बेंगलूर

> मन्ज माध्यन मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बगलर

दिनाक . 9-8-1982

मोहर 🕆

## प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज, अगल्प

बगलुर, दिनाक 13 श्रगस्त 1982

निदेश स० 62/442/82-83/ क्वी०/डी० मुझे, मंजु माधवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिगर्ग का, गए विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रा से अधिक है

स्रौर जिसकी स० 179 है, तथा जो माथोडु बिलेज, कसवा होव्ली, शिमोगा में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध प्रनृसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिकारी के कार्यालय, शिमोगा में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-12-1981

को प्रवेधित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 19% (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या रिका जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

- (1) श्री एच० बसवराजपा
  सन/श्राप श्री गुरुननजय्या श्रपन श्रीर ग्रपने पृत्तः
  के० देवराज एच० बी० रामप्रकाण, एच० ग्रानन्द
  ग्रीर एच० चन्द्रशंकरन के मैनर श्रीर सरक्षक है।
  साथोडु विलेज, करवा होब्ली, शिमोगा तालुक म
  रहते हैं (2) एच० बी० मिल्लकार्जुना (3) श्री
  जगदीण मर्चेंटम्, बालराजेश्ररम् रोड, शिमोगा।
  (श्रन्तरक)
- (2) श्री ब्रान्टो थामस मेनेजिंग डायरेक्टर मेसर्स मलनाड क्ले प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटेड सीलोगः रोड, शिमोगा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तमील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के रजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकरेंगे।

स्थाध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

(दस्तावेज म० 2436/81-82 दिनाक 16-12-81) सम्पिल है जिसका स० 179, माथोड़ विलेज कस्वा होब्ली. शिमोगा तालुक में स्थित है ।

मज् माधवन सक्षम प्राधिकारी महाभक आयक्षर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, वगलर

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनाक 1.5- 8- 1982 मोहर प्ररूप आहु . टी. एन एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ष (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, नहाय ह प्रायकर ग्रायुक्त (निर्शक्षण) ग्रजन रेज, नखनऊ

लखनऊ, दिनाक 20 अगस्त 1982

जी० ग्राई० श्रार० स० ए०-109/श्रजन--यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कान का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी स० भूमि है तथा जो धनगपुर, भटियारी, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कर्णालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाक 29-12-1981

को पूर्वोकन सपतित के उचित बाजार मूल। स कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल स, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में पास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण म हाइ किसी आध की बाबत उक्त आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में काम विशा के निए; और/वा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती प्रकाशवती पत्नी यशपाल

(भ्रन्तरक)

(2) अनुरुद्ध कोल्स स्टोरेज एण्ड एलाइड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०, लखनऊ द्वारा श्री मीना आनन्द पत्नी श्री ग्रानन्द निवासी महानगर, लखनऊ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारोक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तित्यों में से किसी उर्धावन कुवाया:
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बव्ध किसो अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## बन्स्ची

श्राराजी भूमिधरी बाके धन्यनपुर भटियारी जिला, लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी०, संख्या 8286/81 में वणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्टार, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 29-12-1981 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद
पक्षम प्राधिकारी
सह।प्राः स्रायका (निरंक्षण)
स्रजन रेज, लखनऊ

दिनाक 20-8-1982 मोहर : प्ररूप आई. टी, एन, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 30 भ्रगस्त 1982

निदेश स० चण्डी०/204/81-82--यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं मकान नं 1540 है तथा जो सैक्टर 36— डी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक दिसम्बर, 1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्दोश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नुसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) ग्रुप कैप्टन ए० के० मुकर्जी मुपुत्र श्री बो० एल० मुकर्जी निवासी 12 प्रिसिस पार्क, श्रीफिसर्स होस्टल, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रमर नाथ सुपुत्न स्व० श्री राम लाल श्रीमती राम प्यारी पत्नी श्री अमर नाथ मास्टर केवल कृष्ण (माइनर) मास्टर शम्मी कुमार (माइनर) मास्टर मदन गोपाल (माइनर) सुपुत्न श्री अमर नाथ सभी निवासी मकान नं० 1518, सैंक्टर 22-बी, चण्डीगढ़∰। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करकं पूर्वाक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सर्पात्त के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मा हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे पिरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनसूची

मकान नं० 1540, सैक्टर 36-ई।, चण्डीगढ़ में स्थित है (आयदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ना ग्राधकारी, चण्डीगढ़ के कार्यान्य के विलेख संख्या 1678 दिसम्बर, ।  $\beta$   $\beta$   $\beta$ 

सुखदेय चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

विनांक : 30-8-1982

## प्रकप आर्ध• टी• एव• एस०----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, लुधिपाना

ल्धियाना, दिनाक 30 श्रगम्न 1982

निदेश सं० चण्डी०/202/81-82---यतः, मुझं, सुखदेव चन्दः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राध्कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी स० दुकान न० 212 में 1/6 हिस्सा है तथा जो सैक्टर 29~डी. चण्डीगढ़ में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण स्प से बणित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, दिनाक दिसम्बर, 1981

को पूर्वाक्त गर्मपत्ति के जीचत वाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का जीचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा सविधा के लिए;

अतः कयः, उक्त अधिनियमः की भारा 269-गं की, अनुसरण मों, मैं, अक्त अधिनियमं की भारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) श्री वाबू राम सुपुत्र श्री जती राम निवामी मकान न० 30-एम०, इण्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़ ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कहर सिंह सुपुत्र श्री कर्ता राम निवासी मकान न० 395, सैक्टर 20-ए०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तरा।

स्पष्टीकरण:---क्समो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त स्रिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

1/6 मेयर दुकान नं० 212, सैंब्क्टर 29-डी, चन्डीगढ में स्थित है ।

(जायदाव जो कि र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1644 दिसम्बर, 1981 के श्रधीन दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 30-8-1982

मोहर .

प्ररूप बार्च टी. एन. एस. ---- ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कायां लय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

विधियाना, दिनाक 30 ग्रगस्न 1982

निदेण स० चण्डी०/203/81-82—-यतः, मुझै, सुखदेश चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृन्य 25,000/- फ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० दुकान नं० 212 में 1/6 हिम्सा है तथा जो सैक्टर 29-डी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से बिणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम. 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनाक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दूरयमार प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अल्तरण संहुई किसी अय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दायिस्य में कमी कारने या उसस वचने में सृविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः जब. उभत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**षित व्यक्तिस्यों, अधीत्**:— (1) श्री बाबू राम सुपुत्र श्री जती राम निवासी मकान नं० 30-एम, इण्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री देवी चन्द सुपुत्र श्री पूरन चन्द निवासी मकान न० 406, सैक्टर 30~ए, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

1/6 हिस्सा दुकान न० 212, मैक्टर 29-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है ।

(जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 1645, दिसम्बर, 1981 के ग्रिधीन दर्ज हैं) ।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनाक : 30-8-1982

मोहर:

प्ररूप आई. टी एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरःक्षण) प्रजेन रेज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 30 श्रगस्त, 1982 निदंश म० चण्डी०/201/81-82--श्रतः मझे, मुखदेत्र चन्द,

दायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कला गया है। की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुक्त में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सुरु एम० सी० एफ० नुरु 216 है तथा जो मनी माजरा सूठ टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजर्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्ट सपित के उचित बाजार सल्य में कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिंग उद्देष्य से उक्त अगरण निण्वित में वास्तिबद्ध रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण सं**हुइं** किसी बाय की प्रावत, उक्त अधिनियम के अधीर कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए को अधिनय के स्विभा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धाराः 269-ग के अनसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (!) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात ः—-

- (1) मं० गृहनानक टूरिस्ट बस सविस क० माध्यम श्री परमजीत सिंह मृपुत श्री श्रजेन सिंह निवासी—मकान न० 4 सैक्टर 21-ए० चण्डीगढ । (अन्तरक)
- (2) श्री इन्द्रनाथ गुलाटी मुपूज श्री हर भज राम गुलाटी निवासी-मकान न० 42 सैक्टर 28-ए० चण्डीगढ़ (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त प्रमाति ह प्रजीत के सम्बन्ध में कोड भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमे- प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत जिम्मीनयम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

एस० सी० एफ० न० 216 मनी माजरा, यू० टी० चण्डी-गढ़ में स्थित है ।

(जयादाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ के कार्यालय के विलेख सख्या 1579 दिसम्बर, 1981 के प्रधीन दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनाक 30-- ३-- 1982

मोहर :

प्ररूप आइ'टी एन. एस ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अवीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, ल्धियाना

ल्धियाना दिनाक 30 भ्रगस्त, 1982

निदेश म० चण्डी०/208/ 1-82--श्रत मुझे, मुखदेव चन्द्रः

आयबाद विधिनियण, 1961 (1961 को 43) (जिस इसम इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की बारा 259-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपन्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रासे अधिक है

भौर जिसकी स० मकान न० 509 है तथा जो सैक्टर 33-बी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसची में और पूर्ण स्था से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक दिसम्बर, 1981

को पृथेकित सपत्ति के उचित बाजार मून्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास करन वा कारण है कि यथापूर्वाक्त सप्रति का उचित वाजार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक हैं और असरण (अन्तरको) और अतरिती (अतिरितियो) के बीच एमें अतरण के लिए तर पाया गया प्रति फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथा नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उपत अधि नियम के अधीन कर दोरे के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मिविधा के लिये, और या
- (च) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य जास्तिया का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के रिष्

अत. अअ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269 घ की उपभारा (1) के अधीन निमानिक्त अधिकत्यों अधीत -- (1) श्री प्रि० एन० के० लाल निवासी 26/4 ग्राकाशपुरी कालानी, मयूर राड, इलाहाबाद (उ० प्र०) (ग्रन्तरक)

(2) श्री श्याम मुन्दर (एच० यू० एफ०) निवासी ——1729, मनी माजरा, यू० टी० चण्डीगढ़। (ग्रन्नरिनी)

को यह सूचना जारा करते प्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवि या तत्स्म्यन्धी त्यिक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तिया में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकरो।

स्पद्धीकरण -- इ.स.म. प्रयक्त शब्दो आर पदों बा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसुधी

मकान न० 509 सैक्टर 33-बी० चण्डीगढ़ मे स्थित है। (जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख स० 1736 दिसम्बर, 1981 के श्रधीन दर्ज है)।

मृखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनाक 30-8-1982

मोहर

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Dolhi-116011. the 31st August 198?

No. A. 38012/1/81-Admn.H.—The Chairman, Umon Public Service Commission is pleased to permit Shri M. K. Bhalla, a permanent Programmer in the office of the Union Public Service Commission and at present Senior Programmer on ad hoc basis in this Commission's office to retire from Government service with effect from the 31st August, 1982 (AN), at his own request under rules 48-A of the Central Services (Pension), Rules, 1972.

Y. R. GANDHI, Under Secy. (Admn.) for Chairman. Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 23rd July 1982

No. 32014/1/82-Admn. III—The President is pleased to appoint the following Assistant's of the office of Union Public grvice Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier.:—

SI. Name No.		Period for which promoted		
S/Shri 1. K.G. Nair	·			1-7-82 to 30-9-82
2. B.C. Gupta		·		4-7-82 to 31-8-82
3. M. K. Roy				1-7-82 to 30-9-82

#### The 24th August 1982

No. A. 32013/2/82-Admn. I—The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of CSS to officiate as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission on ad-hoc basis for the period shown against each:—

			3-7-82 to 2-10-82
			2-7-82 to 1-10-82 1-7-82 to 30-9-82
га	ra.	га	ra

Y. R. GANDHI Under Secy (Admn.) Union Public Service Commission

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 1st September 1982

No. 2/18/82-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri B. S. Kainth, Asstt. Engineer (Civil) of the CPWD, as Asstt. Technical Examiner, in the Central Vigilance Commission in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-1-B-35-880-40-1000-EB-40-1200 plus special pay of Rs. 75/- p.m. in an officiating capacity with effect from the forenoon of 9th July, 1982 until further orders,

K. L. MALHOTRA,
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner.

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 2nd September 1982

No. A-19021/12/82-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri G Ramachandra Reddy an officer of Andhra Pra-256GI/82

desh cadre, as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 25th August, 1982

#### The 6th September 1982

No. R-3/69-AD.V.—'The President is pleased to extend the services of Shii Rajinder Lal, Dy. Legal Adviser, CBI, who attained the age of 58 years, for a period of 6 months from 1st Sept., '82 to 28th Feb. 1983.

No. R-3/69-AD-V.—The President is pleased to extend the services of Shri R. G. Gulabani, Dy. Legal Adviser, CBI, who attained the age of 58 years, for a period of 6 months from 1st Oct. 1982 to 31st March, 1983.

No. A-19015/1/80-AD-V.—The services of Shri U. C. Nangia, Section Office: (Policy Division)/CBI are placed at the disposal of Ministry of Home Affairs with effect from the afternoon of the 25th August, 1982.

R. S. NAGPAL. (Admn.) Officer (E) Central Bureau of Investigation.

#### DIRFCTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110022, the 2nd September 1982

No. D.I-12/77-Estt.—Consequent on his appointment as Dy. S.P. on deputation with Mizoram Police, the services of Shri M. S. Raghava, Dy. S.P. of 34 Bn., CRPF are placed at the disposal of Mizoram Govt. w.e.f., 21-8-1982 (AN).

#### The 3rd September 1982

No. O.II-1192/74-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Shri M. A. Jabbar, Dy. S.P. of Group Centre, CRPF, Hyderabad w.e.f., 10-8-1982 (AN).

No. O.II-1455/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Anil Kaushal as Junior Medical officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from the forenoon of 21 August 1982 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1764/82-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Bhabani Prasad Hazarika as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from the afternoon of 26th July 1982 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. SURI, Assistant Director (Estt.)

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 31st August 1982

No 10/30/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion. Shri K. S. Thakur, Senior Geographer in the office of the Director of Census Operations, Himachal Pradesh. Simla, to the post of Research Officer (Map), in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 24th July, 1982, or till the post is filled in. on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri-K. S. Thakur will be at Jaipur.

## The 1st September 1982

No. 11/8/80-Ad. I—The President is pleased to repatriate the following Officers belonging to the Maharashtra Civil Service, who were working as Deputly Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay on deputation basis, to the Govern-

ment of Maharashtra, with effect from the date as mentioned against their names:—

Sl. Name of the officers No.	
1. Shri G.D. Dighe 2. Shri D.V. Kulkarni 3. Shri M.V. Khare 4. Shri D.T. Deshmukh 5. Shri V.S. Dhongde 6. Shri D.D. Date 7. Shri R.D. Kharosekar 8. Shri M. M. Sankhye 9. Shri S.V. Wairagade	 With effect from the after-noon of 31st May,

#### The 3rd September 1982

No. 10/15/81-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number, dated 31-7-1981, the President is pleased to appoint, on deputation Shri N. Rama Rao, Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras, as Assistant Registrar General (Census and Tabulatlon) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, on a purely temporary and ad hoc basis, for a further period of 6 (six) months, with effect from the 13th July, 1982, or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri N. Rama Rao will be at New Delhi,

P. PADMANABHA. Registrar General, India

# CENTRAL TRANSLATION BUREAU (DEPTT. OF OFFICIAL LANGUAGE)

New Delhi-110066, the 1st September 1982

F. No. 3-3/82-Admn.—Shri Hari Krishan Sharma, Office Superintendent (Permanent), is hereby appointed as Administrative Officer, on ad hoc basis, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1-9-82 (forenoon), until further orders.

R. P. MALAVIYA, Director

## MINISTRY OF FINANCE (DFPARTMENT OF E.A.) INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 24th August 1982

No. 1098/A.—The under signed hereby appoints Shri N. N. Sardesai, Accountant (Class III Non Gazetted) India Security Press, Nasik Road, to officiate as Administrative Officer (Second post) in India Security Press, Nasik Road, in the revised scale of Rs. 840/- to 1200/- on an ad hoc basis w.e.f. 2-8-82 for six months or till the post is filled on a regular basis which ever is earlier.

P. S. SHIVRAM, General Manager

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT S. C. RAILWAY

Secunderabad, 3rd September 1982

No. AU/Admn./XIII/59.Vol.I.—The Director of Audit, South Central Railway, Secunderabad, has been pleased to promote Sri D. Pranesa Rao, Selection Grade Section Officer to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200. The promotion is effective from 23-9-1981 i.e. from the date on which his next junior (Sri S. N. Annaji Rao) was promoted. It is certified that but for his going on deputation on foreign service terms, Sri Pranesa Rao would have continued to officiate as Audit Officer.

T. S. RAMASUBRAMANIAN, Dy. Director of Audit

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF

#### DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 25th August 1982

No. AN/I/1172/1/I(PC) —The President is pleased to further extend the adhoc appointments of the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service in Level II of the Senior Administrative Grade (Rs. 2250-125/2-2500) of that Service, upto the dates indicated against their names, or till regular arrangements are made, whichever is earlier:

Sl. Name of the Officer No.		Date upto which adhoc appointments has been extended		
S/Shri				
1. B.N. Rallan		. 30-09-82		
2. R.N. Tyagi .		. 30-09-82		
3. K, P. Rao		. 30-09-82		
4. R. Krishnamurthi		. 11-10-82		
5. K. Sampath Kumar		. 14-10-82		
6. R.K. Mathur		. 11-10-82		

2. The President is also pleased to further extend the benefit of 'Next Below Rule' promotion, on ad hoc basis, to Level II of the Senior Administrative Grade to the undermentioned officers of the India Defence Accounts Service, upto the dates indicated against their names:—

Shri V.S. Jafa
 Shri B. Swaminathan
 14-10-82
 11-10-82

#### The 1st September 1982

No. AN/I/1172/1/I(PC-I).—The President is pleased to appoint the undermentioned officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Level I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, on an ad-hoc basis, for a period of six months, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, with effect from the date shown against his name:—

Sl. No., Name and Date

(1) Shri G. Bhattacharyya-19-02-82.

No. AN/I/1172/1/I(PC-II).—The President is pleased to appoint the undermentioned officer of the Indian Defence Accounts Service, who is on deputation as noted against his name, to officiate in the Level-II of the Senior Administrative Grade (Rs. 2250-125/2-2500) of that Service, on an ad-hoc basis, for a period of six months, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, with effect from the date shown against his name under the "Next Below Rule".

#### Sl. No., Name and Date

(1) Shri B. G. Joshi, 06-08-82—Integrated Financial Adviser. Department of Electronics, New Delhi.

No. AN/I/1172/1/I(PC-II).—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Level-II of the Senior Administrative Grade (Rs. 2250-125/2-2500) of that Service, on an ad-hoc basis for a period of six months, or till regular arrangements are made, whichever is earlier with effect from the dates shown against their names:—

Sl .No., Name and Date

(1) Shri M. K. Gancsan-20-07-82.

(2) Shri Gian Swarup-06-08-82.

#### CORRIGENDUM

No. AN/I/1172/1/I(PC-II).—Reference notification No. AN/I/1172/1/I(PC-II), dated 16th July, 1982 regarding appointment of officers of the Indian Defence Accounts Service (who are on deputation) to officiate in Level-II of the Senior Administrative Grade (Rs. 2250-125/2-2500) of that Service, on ad-hoc basis, for a period of six months, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, under Next Below Rule:—

(2) Against Sl. No. (2) Shri B. V. Adavi, for the date "06-05-82" read "15-02-82".

No. AN/I/1174/1/I-The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500-60-1800-100-2000) of that Service, until further orders, with effect from the dates shown against their names:—

SI. No.	Name			 Date	
1. S	Shri Satish Kumar S	harr	na	31-05-82	
2, 5	mt. Nita Kapoor			21-07-82	
3. \$	hri Asong Singsit			06-08-82	

R. K. MATHUR Accounts

(Admin)

Additional Controller General of Defence

# MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD DGOF HQRS, CIVIL SERVICE

Calcutta, the 27th August 1982

No. 11/82/A/E-1(NG)—The DGOF is pleased to promote the following individuals in Offg, capacity, against existing vacancies, on ad-hoc basis without effect on seniority in grades and on dates shown against each :-

1. R.L. Choudhury, Offg. Assistant	Assit. Staff Officer	From 6-3-82 until further orders
<ol><li>M.G. Kundu, . Offg. Assistant.</li></ol>	. Do.	Do.
3. A.K. Das, Offg. Assistant.	Do.	Do.
4. P. L. Ghosh Dastidar Offg. Assistant.	Do.	Do.
<ol><li>P.C. Sengupta, Offg. Assistant</li></ol>	. Do	Do.
6. Dharmadas Bhattacharyya Offg. Assistant.	. Dυ.	Do.
7. A. K. Sinha, Offg. Assistant.	. Do.	Do.

All the above individuals assumed the higher duties as A.S.O. w.e.f. 6-3-82.

> C. S. GOURISHANKARAN Addl. DGOF/Member/Per Director General. Ordnance Factory

#### MINISTRY OF COMMERCE

# OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 30th August 1982

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

#### (ESTABLISHMENT)

No. 6/1131/76-Admn(G)/4943.—On attaining the age of superannuation Shri B. S. Chindarkar, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st January, 1982.

### The 31st August 1982

No. 6/446-A/57-Admn(G)/4931.—Shri R. S. Gupta, Assistant Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Central Licensing Area, New Delhi, has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st July, 1982.

No. 6/429/56-Admn(G)/4937.—On attaining the age of superannuation, Shri R. Kumaravelu, Dy. Chief Controller of Imports & Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bangalore has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 30th June, 1982.

J. K. MATHUR

Dy. Chief Controller of Imports and Exports For Chief Controller of Imports and Exports

#### (DEPARTMENT OF TEXTILES)

#### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400 020, the 2nd September 1982

No. 5(2)/82/CLB.II/9.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 3B of the Art Silk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962, I hereby make the following further amendment to the Textile Commission-ner's Notification No. 5(2)79-CLB.II, dated the 12th July, 1979 (as extended vide Notification No. 5(2)/82/CLB.II/2, dated 11-3-1982) namely:—

- 1. In the said Notification, after item (7) in Explanation 1 to paragraph 2, the following shall be added namely:-
  - "(8) 100% Polyester Spun Yarn
  - (9) Polyester Blended Spun Yarn"
- 2. This Notification shall take effect from the quarter ending 30th September, 1982.

No. CER/17/82/10.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 and sub-clause (5) of Clause 21 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notineation No. CER/17/79, dated 29-6-79 (as extended vide Textile Commissioner's Notification No. CER/17/82/I, dated 13.1432.) personals in the commissioner's Notification No. CER/17/82/I, dated 11-3-1982) namely:-

- 1. In the said Notification, after Item (4) in Explanation I. to paragraph 3, the following shall be added namely:-
  - "(5) 100% Polyester Spun Yain.
  - (6) Polyester Blended Spun Youn."
- 2. This Notification shall take effect from the quarter ending 30th September, 1982.

T. RAMACHANDRA RAO Joint Textile Commissioner

# MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

#### (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 31st August 1982

No. 12(113)/61-Admn(G).Vol.II.—The President is pleased to permit Shri S K Roy, Industrial Designer, Small Industries Service Institute, New Delhi to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from afternoon of 31-7-1982.

A.19018(93)/73-Admn.(G).Vol-II.—The President is pleased to appoint Shri A N Sahai, Deputy Director (Electronics) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Director (Gr. II) (Electronics) on ad-hoc basis at the same office with effect effect from the forenoon of 10-8-1982 until further orders.

No. A.19018(222)/75-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri D Ramachandra Rao, Asstt. Director (Gr. 1) (Glass/Ceramics), Small Industries Service Institute, Bangalore as Deputy Director (Glass/Ceramics) on ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Trichur with effect from the forenoon of 30-7-82 until further orders.

## The 1st September 1982

No. 12(41)/61-Admn(G).Vol.IV.—The President is pleased to appoint Shri P. Satyanarayana, Deputy Director (Chem.), Small Industries Service Institute, New Delhi as

Director (Gr. II) (Chem.) on ad-hoc basis at Small Industrics Service Institute, Solan with effect from the forenoon of 11-8-1982 until further orders.

13442

No.  $\Lambda.19018(291)/77$ - $\Lambda$ dmn.(G).—The President is pleased to appoint Shri M. Ambigapathi, Asstt. Director (Gr. II) (G/C), Small Industries Service Institute, Hubli as Asstt. Director (Gr. I) (G/C) at Small Industries Service Institute, Bangalore, with effect from the forenoon of 21-7-82 until further orders.

C. C. ROY, Deputy Director (Admn.).

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

#### (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 2nd September 1982

No. A-1/1(742).—The President is pleased to appoint Shii K. K. Chakraverty, Assistant Director of Supplies (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') to officiate as Deputy Director of Supplies (Grade II of Indian Suppl Service, Group 'A') on ad-hoc basis for a period of 47 days from 26-8-82 to 11-10-82 in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi.

2. The ad-hoc appointment of Shii K. K. Chakraverty as Deputy Director will not bestow on him any claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

No. A-1/1(977).—The President is pleased to appoint Shri O. P. Sharma, Assistant Director of Supplies (Grade III of Indian Supply Service, Group A) to officiate as Deputy Director of Supplies (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') on ad-hoc basis for a period of 41 days from 16-8-82 to 25-9-82 in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi.

2. The ad-hoc appointment of Shri O. P. Sharma, as Deputy Director will not bestow on him any claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

S. L. KAPOOR, Deputy Director (Administration)

#### SURVEY OF INDIA

#### Dehra Dun, the 3rd September 1982

No. C-5857/707—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Officer Surveyor, purely on ad-hoc provisional basis, are now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against each:—

SI. Name No	No. and date of Notification under which appointed on adhoc provisional basis.	Unit/ Office to which posted	Date of promotion
1. Shri Jai Prakash Singh Tomar	Notification No. C- 5837/707 dated 5th July, 1978	No. 70 (Forest) Party (NC), Dehra Dun	5-9-81 (F.N.)
2. Shri N. M. Patel (S.T.)	Notification No. C- 5395/707 dated 24th July, 1978	No. 87 Party (W.C.) Vadodara.	8-1-82 (F.N.)

No. C-5858/707—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Officer Surveyor, purely on ad-hoc

provis and basis, are now appointed to officiate as such on regular

Sl. Name No.	No. and date of Notification under which appointed or ad-hoc provisional basis	to which posted	Date of promotion
1. Shri S.S. Pradhan	Notification No. C- 5395/707 dated 24th July, 1978	No. 80 (Photo Party (NEC) Shillong.	) 1-3-82 (F.N.)
2. Shri B.S. Rajput	Do,	No. 22 (Photo) Party (NEC), Dehra Dun	27-1-82 (F.N.)
3. Shii K. K. Sharma	Do.	No. 22 (Photo) Party (NEC) Dehra Dun	27-1-82 (F.N.)
4. Shri K.S. Hooda	Dυ.	No. 22 (Photo) Party (NEC) Dehra Dun	27-1-82 (F.N.)
5, Shri Tilak Raj	Notification No. C- 5403/707 dated 17th August, 1978	No. 28 Party (NWC), Dehra Dun	25-1-82
6. Shri L.S. Sharma	Notification No. C- 5395/707 dated 24th July, 1978	No. 12 Party (NEC), Shilloug	27-1-82
7. Shri R.K. Thakur (S.T.)	Notification No. C- 5403/707 dated 17th August, 1978	No. 58 Party (W.C.), Ajmei	2-6-82

No. C-5859/707—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on ad-hoc provisional basis:

SI.	Name and Designation	Unit/Office	With effect from
ı	2	3	4
1.	Shri Shyam Singh, Surveyor Sel. Grade.	No. 7 Party (WC), Abu.	27-2-82 (FN)
2.	Shri K.C. Khera, Surveyor Sel. Grade	South Eastern Circle, Bhubaneswar.	29-1 <b>-</b> 82 (FN)
3.	Shri S.K. Chakravarty, Survey Assistant Sel. Grade.	No. 12 Drawing Office (NEC), Shillong.	16-2-82 (FN)
4.	Shri Harish Chandra (SC), Surveyor Sel. Grade	No. 46 Party (CC), Jabalpur,	26-5-82 (FN)
5.	Shri H.S. Dhillon (SC), Surveyor Sel. Grade	No. 48 Party (CC), Jabalpur	21-6-82 (FN)
6.	Shri Om Prakash (SC), Surveyor Sel. Grade	No. 60 Party (CC), Gwalior.	19-2-82 (FN)
7.	Shri Jagdish Saran Draftsman Div. I Sel. Grade.	No. 7 Drawing Office (CC), Jabalpur.	12-3-82 (FN)
8.	Shri S.K. Deb Roy, Survey Assistant Sel. Grade.	No. 35 Party (NEC), Guwahati.	24-2-82 (FN)
9.	Shri Inder Raj, Survey Assistant Sel, Grade.	No. 61 Party (CC), Jabalpur.	27-2-82 (FN)

,		
1 2	3	4
10. Shri S. K. Das, Survey Assistant	. No. 89 (Photo) Party (CC),	27-2-82 (FN)
Sel. Grade. 11. Shri Biswanath Bhattacharjee, Survey Assistant Sel. Grade.	Bhopal No. 13 Drawing Office (NEC), Shillong.	16-2-82 (FN)
12. Shri A.A. Manar Survey Assistant Sel. Grade.	n, No. 52 Party (SCC), Hyderabad.	18-2-82 (FN)
13. Shri B. P. Pant, Survey Assistant Sel. Grade.	. No. 85 Party (SCC), Nagpur.	22-2-82 (FN)
<ol> <li>Shri Chander Su Survey Assistant Sel, Grade.</li> </ol>		12-3-82 (FN)
15. Shri R.B. Bhasir Surveyor Sel. Go		24-6-82 (FN)
<ol> <li>Shri K.S. Garch Surveyor Sel. Ge</li> </ol>	a, No. 80 (Photo) d. Party (NEC), Shillong.	25-2-82 (FN)
17. Shri Kamalesh Chakravorty, Surveyor Sel. G	, No. 12 Party (NEC),	16-2-82 (FN)
18. Shri P. K. Sen, Surveyor Sel. G	. No. 80 (Photo)	16-2-82 (FN)
<ol> <li>Shri P. L. Main Surveyor Sel. G</li> </ol>	dola, No. 29 Party	16-3-82 (FN)
20. Shri B. P. Kukr Survey Assistan Sel. Grade.	eti, No. 92 Paity d (SEC), Varanasi.	11-3-82 (FN)
21. Shri Ram Auta: Survey Assistan Sel, Grade.		26-2-82 (FN)
22. Shri S.A.H. Zai Survey Assistan Sel. Grade	idi No. 13 Drawing it Office (NEC) Shillong.	27-2-82 (FN)
23. Shri A.G. Ethir Survey Assistan Sel. Grade.	rajulu, No. 17 Party (SC), at Bangalore,	19-4-82 (FN)
24. Shri V.D. Kain Draftsman Div Sel. Grade		15-2-82 (FN)

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India Appointing Authority

## DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

#### New Delhi-1, the 1st September 1982

No. 4(35)/60-SI.—On attaining the age of superannuation Shri K. N. Gupta, Programme Executive, All India Radio, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1982.

No. 6(61)/63-SI.—On attaining the age of superannuation Shri R. D. Bhatia, Programme Executive, All India Radio, Chandigarh retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1982.

#### The 3rd September 1982

No. 4(27) /81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Esao Sudhir Isaac, as Programme Executive, All India Radio, Calcutta in a temporary capacity with effect from the 26th July, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

#### The 4th September 1982

No. 4(12)/81-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Kali Kinker Misra as Programme Executive, All India Radio, Jeypore in a temporary capacity

with effect from the 26th July, 1982 and until further orders in the scale of pay of Rs. 650--30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

#### The 6th September 1982

No. 6(153)/62-SI.—Consequent on his reversion to the permanent post of Transmission Executive, Shri C. L. Reday Programme Executive, All India Radio, Madray relinquished the charge of his post with effect from 20-8-82 (A/N).

H. C. JAYAL,
Dy. Director of Administration
for Director General

# MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

# FILMS DIVISION

Bombay-26, the 1st September 1982

No. 6/88/54-Est.I.—On his repatriation from deputation from the Film and Television Institute of India, Pune as Professor of Cinematography, Shri M. M. Vaidya, assumed charge of the post of Chief Cameraman in the Films Division, Bombay with effect from the forenoon of 9th August, 1982.

Shri N. Narasingh Rao, Officiating Chief Cameraman in the Films Division, Bombay stood reverted to his substantive post of Cameraman from the afternoon of 7th August, 1982.

> S. K. ROY Assistant Administrative Officer for Chief Producer

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 1st September 1982

No. A.12025/10/81(JIP)Admn.I/ME(PG).—The President is pleased to appoint Dr. R. Sundarsesan to the post of Assistant Professor of Biochemistry at Jawaharlal Institute of Post Graduate Medical Education & Research, Pondicherry with effect from he forenoon of 18h May 1982 in a temporary capacity and until further orders.

No. A.19019/20/81(JIP)/Admn.I/ME(PG).—Consequent on his voluntary retirement Dr. K. G. Prasannan relinquished charge of the post of Assistant Professor of Biochemistry at the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education and Research Pondicherry, with effect from the forenoon of 1st November 1981.

SHIV DAYAL. Dy. Dir Admn, (Stores)

# MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 1st September 1982

No. A-19027/1/82-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri R. B. Gupta is appointed to officiate as Statistical Officer in this Directorate at Faridabad wef 17-8-1982 (F.N.), until further orders.

G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 1st September 1982

No. DPS/23/1/81-Est./19163.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Jagnath Gopal Sathe, a permanent Assistant Accountant and officiating Accountant (ad-hoc) of this Directorate to officiate as an Assistant Accounts Officer (ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate with effect from July 12, 1982 (FN) to August 21, 1982 (FN).

No. DPS/23/1/81.Est./19168.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Vishwas Baburao Ghorpade, a permanent Upper

Division Clerk and officiating Assistant Accountant (ad-hoc) of this Directorate to officiate as an Assistant Accounts Officer (ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate with effect from July 12, 1982 (FN) to August 21, 1982 (AN).

B. G. KULKARNI, Assistant Personnel Officer

#### RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

P.O. Anushakti-323303, the 1st August 1982

No. RAPP/04627/1(461)/82/S/Admn/25.—Shri Surat Singh, Scientific Officer Engineer Grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project of the Department of Atomic Energy relinquished charge of his post on voluntary retirement from this Project in the Forenoon of 1st August, 1982.

M. D. GADGII.

Administrative Officer (F)
for Chief Project Engineer

#### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 31st July 1982

No. AMD-4/5/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Lal Chand Verma, officiating Scientific Assistant 'C', Atomic Minerals Division as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1982 until further orders

No. AMD-4/5/81-Rectt —Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri M. S. Verma, a permanent Draughtsman and officiating Draughtsman 'C', Atomic Minerals Division as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1982 until further orders.

No. AMD-4/5/81-Rectt — Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri D. A. Shakoor, officiating Scientific Assistant 'C', Atomic Minerals Division as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1982 until further orders.

#### The 3rd September 1982

No. AMD-16/3/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division appoints Shri K. U. K. Nair, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant, Atomic Minerals Division, to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on an ad-hoc basis with effect from the afternoon of July 3, 1982 until further orders.

T. D. GHADGE, Sr. Administrative & Accounts Officer

# REACTOR RESEARCH CENTRE Kalpakkam, the 27th August 1982

No. RRC/PF/169/72.—Shri V. C. Achari, a permanent Foreman and officiating Scientific Officer/Engineer grade 'SB' of the Reactor Research Centre, Kalpakkam retired on superannuation from government service on the afternoon of November 30, 1981.

K. V. SETHUMADHAVAN, Chief Admn. & Accounts Officer for Director, Reactor Research Centre

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

## New Delhi, the 24th August 1982

No. A.12022/1/81-E.I.—Consequent upon a decision taken by the Department of Personnel & Administrative Reforms Shii K. S. Bedi, Statistical Officer in this office is repatriated to Department of Statistics with effect from 16th August, 1982 (AN).

No. A.32013/2/82-E.I.—The President is pleased to appoint Shri R. Narasimhan, Deputy Director, Research & Development, at present, working on an ad-hoc basis to the same grade on a regular basis with effect from 29-7-82 (FN).

#### The 25th August 1982

No. A.32013/7/79-E.I.—The President is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri B. K. Gandhi in the grade of Scientific Officer beyond 31-5-1982 upto 30-11-82 or till the regular appointment to the grade is made whichever is earlier.

#### The 2nd September 1982

No. A.12025/3/71-E.I.—In continuation of this Office notification No. A.12025/3/71-E.I. dated 4-5-1982 the Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri K, K, Sharma as Hindt Officer in the Civil Aviation Department upto 31-12-1982 31st December, 1982) or till the post is filled on a regular basis whichever is carlier.

No. A.32013/5/82-E.I.—In supersession of this Office Notification No. A.32013/5/82-E.I. dated the 28th April 1982 the Ptesident is pleased to appoint Shri R. P. Singh, Deputy Director of Air Safety to the grade of Director of Training and Licensing on an ad-hoc basis for a period of six months from 20-4-1982 (FN).

S. GUPTA

Deputy Director of Administration

#### New Delhi, the 28th August 1982

No. A.32014/3/81-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to allow the continuance of ad hoc appointment of S/Shri S. S. Ashta and J. S. Sangwan, Superintendents, as Administrative Officer upto 30-11-82 and 31-10-82 respectively, on usual terms and conditions.

No. A.32013/1/82-EW—The President is pleased to appoint Shri N. Subramanian, Assistant Electrical & Mechanical Officer to the grade of Electrical & Mechanical Officer in the Civil Aviation Department, in the scale of Rs. 700—1300 on ad-hoc basis for a period of six months with effect from 11th August, 1982 (afternoon) or till regular appointment to the grade is made, whichever is earlier.

- 2. The ad-hoc appointment of Shri N. Subramanian as Electrical & Mechanical Officer shall not bestow on him a claim for regular appointment and service so rendered on ad hoc basis will neither count for seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade.
- 3. Shri N. Subramanian is posted to the office of the Regional Director Civil Aviation Department, Madras Region, Madras.

E. L. TRESSLOR, Assistant Director of Administration

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

# Bombay, the 28th August 1982

No. 1/235/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri N. K. Biwalkar, Superintendent, Headquarters Office, Bombay as Asstt. Administrative Officer in an officiating capacity in the same office with effect from the forenoon of the 26th August, 1982 and until further orders.

#### The 1st September 1982

No. 1/525/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. P. R. Nair, Technical Assistant, Bombay Branch, as Assistant Fngineer, in an officiating capacity on ad-hoc basis and as local arrangement in the same Branch for the period from 17-5-82 to 26-6-82.

P. K. G. NAYAR Director (Admn.), for Director General.

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

#### Patna, the 1st September 1982

No. II(7)2-ET/82/9711—In pursuance of this office Estt. Order Nos. 149/80 dated 20-6-80, 187/82 dated 24-6-82 and 206/82 dated 12-7-82, the following Inspectors of Central Excise/

Centr	oms promoted to offi ral Excise/Customs in the Control of the Cont	the scale of pay of Rs.	550-30-740-	1	2 -	3	4
50-81 as ad	0-EB-35-880-40-1000-EH Imissible under rules ha	s-40-1200/- plus usual ave assumed charge of !	anowances Superinted-		S/Shri		
dent, effect	Gr. 'B' Central Excise from the dates and	/Customs at the place	and with	18.	Govind Sahu	Superintendent Customs Division, Forbesgani.	27-7-82 (F.N.)
CHCI	·	· · · · - · · · · · · · · · · · · · · ·		19.	Md. Khalil .	. Superintendent,	30-7-82
SI 1 No.	Name of officer		Date of ssumption of			Gorhara Transhipment Yard (Customs Hqrs.	(F.N.)
		(	Charge	20	Md. Jabbar	Patna) . Superintendent,	26-7-82
1	2	3	4	20.	Md. Japoni	Jamshedpur, Central Excise (SRP Preventive)	(F.N.)
S/S	hri P. K. Jaiswal	Cymarintan dant	29-7-80	21.	A.N. Prasad .	. Superintendent	2-8-82
1. E	r. K. Jaiswai . ,	Superintendent, Central Excise, Gaya II Range	(F.N.)			Ranchi Divisional Office	(F.N.)
	P. K. Guha Khasnobis	Superintendent, Central Excise Sasaram Range	9-9-80 (F,N.)	22.	K.B.P. Singh	. Superintendent Divisional Office, Central Excise,	30-7-82 (F.N.)
3. S	Syed Gafron Ahmad	Superintendent Central Excise (SRP) Jamshedpur.	30-6-80 (F.N.)	23	Maithili Saran Prasac	Patna I Superintendent, Divisional office,	19-7-82 (F.N.)
4. 1	Nitya Ranjan Baneriee	Superintendent,	29-7-80			Motihari Customs	,
	,	Customs,	(F.N.)			Division	
		Hqrs. office, Patna.				K. K. SRIV Assistant Collecte	ASTAVA
	Guneshwar Prasad Singh	Superintendent, Central Excise, Ranchi I Range	28-1-81 (F.N.)			For Collector of Central	Excise.
6. 3	Yogendra Sahı .	Superintendent	28-7-80			WATER COMMISSION	
	, . <b></b> ,	Central Excise,	(F.N.)	H		BSERVATION & F.F.(S)	
7 1	Mahbullah	Hqrs. office, Patna Superintendent	18-7-80		•	0 004, the 21st June 1982	
/, i	vanousan	Central Excise, Jamshedpur Division	(F.N.)	the	Central Civil Servic	of Service Issued under Rui es (Temporary Service) R	ules, 196.
8. #	Ajai Kumar Bose .	Superintendent, Central Excise, Patna Division	6-8-80 (F,N) (at Palam Airport, New	( Ten Shri pora	of Sub-Rule (1) of apotary Services) I Syed Ali Asker, Of ry L.D.C.) that his	011/34/77/Admu./5104.— f Rule 5 of the Central Civ Rules, 1965, I hereby give ficiating Upper Division Cl s services shall stand termh f expiry of a period of c	/il Service notice to lerk (Tem nated with
<b>0</b> 1	Indradeo Prasad Verma	Superintendent	Delhi) 30-6-80	from	the date on which	this notice is served on h	im.
<i>)</i> , <u>,</u>	madeo Irasad Vering	Customs, Hqrs. office, Patna.	(F.N.)		Syed Ali Asker, stating U.D.C. (Tem	porary L.D.C.)	
		(Posting revised vide Estt. Order No. 158/80 dated 30-6-80)		H. N Bung	No. 19-1-1062, Iclguda, Hyderabad-	•	
10. 4	Ajit Kumar Ganguli .	Superintendent, Central Excise, Jandaha Range,	11-7-80 (F.N.)	Offic H. N	Sycd Ali Asker, iating U.D.C. (Tem No. 19-5-10/911, lhurpura Colony,	р L D.C.)	
	Chandeshwar Prasad	Superintendent,	19-2-82		erahad-500 264.		
2	Singh	Central Excise (Technical) Laheriasarai	(F.N.)			Superintendent Hobs. & F.F.	
		Division (Posting revised vide Estt. Order No. 29/81 dated 4-2-81)		OFF		IRECTOR GENERAL OF LIC WORKS DEPARTME	
12	Yoganand Thakur	Superintendent,	30-8-80		New Delh	i, the 31st August 1982	
	Toganana Inakai	Central Excise, Dalsighsarai.	(F.N.)	N	o. 1/25/69-ECIX	RDFR No. 499 of 1982 Shri Babu Ram, Archite	ect of thi
.3. 1	Nawal Kishore Tewari	Superintendent, Central Excise (Technical), Purnea	28-8-80 (F.N.)	Depa the (A.N	urtment retired fro age of superann	m Government service or	n attainin 1 31.8.8:
14. I	Habibullah Khan	Superintendent, Customs, Simrahi.	5-8-80 (F.N.)	MIN	USTRY OF LAW	Dy. Director of Adn  JUSTICE & COMPANY	ninistratio
5. I	Brij Beharî Lal Tondon	Superintendent, SRP Motihari Range.	14-8-80 (F.N.)	,.11,	(DEPARTMENT COMP	T OF COMPANY AFFAII ANY LAW BOARD	RS)
16. I	Ramadhar Tewari .	Superintendent (Leave/Reserve) Hqrs. Office, Patna	23-6-80 (FN)	$M_{I}$	OFFICE OF THE In the matter of	REGISTRAR OF COMPA Companies Act, 1956 an & Paper Mills Limited, Rew	d of
17. l	Ram Janam Mishra	Superintendent, Central Excise, Gopalganj Range.	18-7-80 (F.N.)	N	Gwalior, o, 399/C.P./1631.–	the 31st August 1982  Notice is hereby given p on 560 of the Companies	ursuant f

that the name of M/s. The Rewa Pulp & Paper Mills Limited has this day been struck-off the Register and the said company is dissolved

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Bedi & Company Pityate Limited

Gwalior, the 31st August 1982

No. 398/C.P./1632.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s, Bedi & Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. SAXENA.

Registrar of Companies. Madhya Pradesh, Gwalior

In the mast r of the Companies Act, 1956 and of M/s N. S. Narvekar Minerals Private Limited

Bangalore, the 3rd September 1982

No. 2108/560/82-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s, N. S. Narvekar Minerals Private Ltd. unless cause is shown to the contiary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLF Registrar of Companies, Karnakata, Bangalore In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. G. I. Textiles Private Limited

Bombay-2 the 3rd September 1982

No. 631/15600/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the M/s. G. L. Textiles Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and cf
M/s. Scema Private Limited

Bombay-2, the 3rd September 1982

No. 633/12363/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the M/s. Seema Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Heena Exhibitors Private Limited

Bombay-2, the 3rd September 1982

No. 637/20360/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of M/s. Heena Exhibitors Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN, Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay.

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD. AMRITSAR

Amritsar, the 16th August 1982

Ref. No. ASR/82/83/231.—Whereas, 1, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot in Basant Avenue, ASR.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—-

25-256 GI/82

(1) Chairman Improvement Trust, Amritsar.
(Transferor)

(2) Malti Mehra w/o Sh. Kali Charan r/o 225 Basant Avenue, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occuation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

One plot No. 225 situated in Basant Avenue Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16550 dated 9-12-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomestate
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 16-8-82

#### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Roh'ak, the 16th August 1982

Ref. No. JDR/80/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. MCY-26, Purani Mandi, situated at Yamunanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadiani in Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957);

- (1) Shri Yadav Parkash S/O Sh. Hari Parshad r/o Yadav Kutir, Dhobian, Jagadhar.. (Transferor)
- (2) Shri Madan Gopal s/o Jyoti Parshad Harbans Lal, Sant Lal & Satish Chander Bhushan Kumar sons of Sh. Madan Gopal House No. MCY-26 Purani Mandi, Yamunanagar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being house No. MCY-26, Purani Mandi, Yamunanagar, and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5682 dated 24-12-81.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformulal property by the issue of this noitce under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-8-82

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th August 1982

Ref. No. JDR/79/81-82.—Wheeras J, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Yamunanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in Dec., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not beer are which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

 Smt. Ramrakhi Sabatwai Wd/o Shri Kalyan Singh, r/o 229, Shivaji Park, Yamunanagar.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum w/o Sh. Ravi Aggarwal, r/o Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being house at Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5809 dated 30-12-81 with the Sub Registrar.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 16-8-82

#### FORM LTNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Inder Kaur w/o Manmohan Singh, Civil Hospital, Jagadhari

(Transferor)

(2) Shri Bishambei Singh s/o Shri Braham Singh, R/o Kanalsi Teh Jagadhari

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th August 1982

Ref No JDR/68/61 82—Whereas I, G S GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House situated at Tolli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

Jagadhari in Dec 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

#### THE SCHEDULE

Property being House at Village Teili and as more mentioned in the sale deed registered at No 5435 dated 11-12-81 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date 16-8-82 Seal

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th August 1982

Ref. No. JDR/67/81-82,—Wheeras I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

shop No. MCJ-3-189 situated at Sabji Mandi, Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

officer at Jagadhari in Dec. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Sugan Chand s/o Sh. Chhitarmal, Vaish r/o H. No. 3-C, 198, Old Sabzi Mandi, Jagadhari.
  - (Transferor)
- (2) Shri Raj Kumai s/o Sh. Jai Narain, Narain Gupta s/o Devi Chand Gupta, r/o 959 Chehta Bazar, Jagadhari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given; in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being one shop No. MCJ-3-189, Old Sabji Mandi, Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5437 dated 14-12-81 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA;
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 16-8-82

Soal :

FORM I.T.N.S.- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th August 1982

Rc. No. KNL/84/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinufter referred wo as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. R-26, Model Town, situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor ot pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons; namely:—

 Smt. Dalip Kaur Wd/o Sh. Karnail Khajan Singh, r/o Model Town, Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Inderjit Anand s/o Shri C. L. Anand, r/o Studio India, 49-G, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any,, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being house No. R-26, Model Town, Karnal and as more mentioned in the sale deed registertd at No. 4425 dated 17-12-81 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-8-1982.

#### FORM I.T.N.S.~~~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY.

Rohtak, the 16th August 1982

Ref. No. KNL/86/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. XIII-8, Sarafa Bazar, situated at Karnal

House No. XIII-8, Sarafa Bazar, situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Suresh Kumar s/o Sh. Suresh Chand s/o Shri Manohar Lal, Mohalla Ghosian, Karnal
  - (Transferor)
- (2) Shii Harbans Lal s/o Shii Ladha Mal S/Sh. Gurbachan Lal, Nanak Chand, Joginder Lal ss/o Shii Harbans Lal, 1/o D-172, Kalander Gaie, Kurnal.

(Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being shop No. XII-8, Sarafa Bazar, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4386 dated 15-12-1981 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 16-8-82

 Shri Harbans Singh s/o Shri Sunder Singh, r/o 42 Model Town, Panipat.

(Transfero;)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Har Narain s/o Shri Laxmi Narain, r/o H. No. 154, Model Town, Panipat.

(Transferer)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th August 1982

Ref. No. PNP/60/81-82.—Whereas, I. G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No House at Model Town, situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being house situated at Model Town, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4992 dated 2-12-1981 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tav
Acquisition Range, ROHTAK

Date: 16-8-1982

Seal;

#### FORM I.T.N.S.——

(1) Shri Muni Lal s/o Sh. Har Bilash, 1/o Pathankot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(2) Shii Anil Kumat Gupta s o Shri Rajinder Parshad, Shri Rohita Kumar Gupta s o Shii Chaman Lal, 1/0 Kothi No. 69, Model Town, Ambala City.

(Transfert

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th August 1982

Ref. No. AMB/56/81-82,—Whereas, I, G, S, GOPAIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Kothi No. 69, Model Town, situated at Ambala city (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being Kothi No. 69, Model Town, Ambala city and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4508 dated 7-[2-8] with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, ROHTAK

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—256GI/82

Date: 16-8-1982

Scal;

#### FORM NO. 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th August 1982

Ref. No. GRG/251/81-82.-Whereas, I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 171/16, situated at Shivaji Nagar, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,

- (1) Shri Vimal Parshad Metro s/o Shri Haii Parshad Metro, r/o 66, Polo Grounds, Jodhpur (Rajasthan). (Transfero
- (2) Smt Sushma Yadav,w/o Shri R. S. Yadav,H. No. 171/16, Shivaji Nagar, Gurgaon

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

ä

EXPLANATION: -The terms and texpressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being House No. 171/16, Shivaji Nagar, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3637 dated 30-12-81 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> G. S. GOPALA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, ROHTAK

Date : 16-8-1982

# (1) Shri Muni Lal s/o Sh. Har Bilash, r/o Pathankot

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri And Kumar Crupta's o Shri Rajinder Paishad, Shri Rohita Kumai Gupta's o Shii Chaman Lul, 1/0 Kothi No 69, Model Town, Ambala City.

(Transfere

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOMFIAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L F COLONY

Rohtak, the 16th August 1982

Ref No AMB/56/81-82—Whereas, I, G S GOPAIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R<sub>3</sub> 25,000/and bearing No

Kothi No. 69, Model Town situated at Ambala city (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income (ax Act 1922) (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I-XPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being Kothi No. 69, Model Town, Ambala city and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4508 dated 7 12-81 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, ROHTAK

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—
26—256GI/82

Date 16 8-1982

Scal:

#### FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th August 1982

Ref. No. GRG/251/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 171'16, situated at Shivaji Nagar, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,

- (1) Shri Vimal Parshad Metro s/o Shri Hari Parshad Metro, r'o 66, Polo Grounds, Jodhpur (Rajasthan). (Transfero
- (2) Smt. Sushma Yadav,w/o Shri R. S. Yadav,H. No 171/16, Shivuji Nagar,Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and texpressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Property being House No. 171/16, Shivaji Nagar, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3637 dated 30-12-81 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, ROHTAK

Date : 16-8-1982

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th August 1982

Ref. No. BWN, 24/81-82.—Whereas, I. G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have recason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 250 sq. yds. situated at Laharu Road, Bhiwani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhuvani in Dec., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Parbhashankar Kedia s/o Sh. Madan Lal Kedia Vidhya Devi wd/o Sh. Ram Shankar Ram Shankar Kedia, Jaj Shankar, Vijay Shankar s/o Sh. Madan Lal, R/O Bhiwani at present Raja Nabha Krishna Street, Calcutta.

(liansleioi)

(2) Shri Narindei Singh S/O Shri Kapoor Singh r/o Bhiwani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 250 sq. vards situated at Loharu Road, Bhiwani and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2500 dated 22-12-1981 with the Sub Registrar, Bhiwani.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, ROHTAK

Date: 16-8-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th August 1982

Ref. No. BWN/25/81-82.-Whereas, I, G. S. GOPALA, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaule exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 250 sq. yds. situated at Lohatu Road, Bhiwani

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Bhiwani in Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 261) of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Parbhashankar Kedia s/o Sh. Madan Lal Smt. Vidhya Devi wd/o Sh. Ram Shankar Jai Shankar, Vijay Shankai sons/o Sh. Madan Lal Kedia Bhiwani now at present Raja Nabha Krishna Street, Calcutta.
- (2) Shri Satya Narain S/O Shri Panna Lal, r/o Bhiwani.

(Transferer)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 250 sq. yards situated at Loharu Road, Bhiwani and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2502 dated 22-12-1982 with the Sub-Registrar, Bhiwani,

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, ROHTAK

Date 1 16 8-1982

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th August 1982

Ref. No. BWN/26/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 250 sq. yds. situated at Loharu Road, Bhiwani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhuwani in Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Parbhashankar Kedia s/o Sh. Madan Lal Vidhya Devi wd/o Sh. Ram Shankar lai Shankar, Vijay Shankar s/o Sh. Madan Lal Kedia, R/O Bhiwani at present Raja Nabha Krishna Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Sunender Singh S/O Shri Kapoor Singh, 1/o Bhiwani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Preperty being land measuring 250 sq. yards situated at I oharu Road, Bhiwani and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2501 dated 22-12-1982 with the Sub Registrar, Bhiwani.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione of Income-Tax
Acquisition Range, ROHTAK

Date: 16 8-1982

Scal;

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

# OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th August 1982

Ref. No. BWN/27/81-82.--Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land measuring 250 sq. yds. situated at Loharu Road, Bhiwani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhiwani in Dec., 1982

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Parbhashankar Kedia s/o Sh. Madan Lal. Smt. Vidhya Devi S/Shri Ram Shankar, Jan Shankar, Vijay Shankar sons of Sh. Madan Lal, now Bhiwani at Raja Nabha Krishna Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Hukam Singh s/o Shri Keshar Singh, r/o Bhiwani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 250 sq. yards situated at Loharu Road, Bhiwani and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2503 dated 22-12-1982 with the Sub Registrar, Bhiwani,

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, ROHTAK

Date : 16-8-1982 Seal ·

 Kuwar Dhanjai Singh alias Dhanjai Singh, M. D. Saxena s/o Sh. Hargobind Dayal, 41, 42, Leli Road, Kesai Bagh, Lacknow.

(Transfero )

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th August 1982

Ref. No. BGR/429/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 72 area 1555.5 sq. yds. situated at Industrial Estate No. 1, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in Dec., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shii Bhagwan Dass Gupta S/O Shri Kishori Lal Gupta, 1/0 13, New Colony, Model Basti, New Delhi.

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable poperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being plot No. 72 area 1555.5 sq. yds. situated in Industrial Etate No. 1, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 12996 dated 31-12-1981 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, ROHTAK

Date : 16-8-1982

(1) Shri G. B. Kanoogo s/o Sh. Bhagwan Dass, r/o E-6, Saket, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Kulbhushan Kumar s/o Hans Raj Kumai, r/o 1-G-55, Lajpat Nagar, New Delhi. (Transferer)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohiak, the 16th August 1982

Ref. No BGR/426/81-82 -- Whereas, I, G. S GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Industrial plot No. 155 area 1315.55 sq. yards, situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ballabgarh in Dec., 1981

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, of the Wealth-fax Act, 1957 27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being Industrial plot No. 155 area 1315.55 sq. yds situated in Sector 15, Faridabad, and as more mentioned in the sale deed registered at No. 12892 dated 29-12-81

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, ROHTAK

Date: 16 8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th August 1982

Ref. No. AMB/55/81-82.—Whereas, J. G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 597/84, B-9, Hodel Town, situated at Ambala City

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Dec., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian noome-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27---256GI/82

(2) Shri Kashmiri Lal s/o Krishan Lal, s/o Ram Lal, r/o Model Town, Ambala city

(Transferous

(2) Shii Sni Ram S/o Sh Panna Ram H. No. 597/84, B-9, Model Town, Ambala City.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being house on plot No. 3, AMC, 597/84-B-9. Model Town, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No 4521 dated 8-12-81 with the Sub Registrar. Ambala.

G. S. GOPAL \
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, ROHTAL

Date: 17-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th August 1982

Rcf. No. AMB/68/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 22/23, situated at Ambala city

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Dec., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 '27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Piem Lata w/o Sh. Pran Nath Sharma, s/o Sh. Lakhmi Dass, r/o H. No. 1687, Sector 34-D, Chandigath.

(Transferor)

(2) Smt. Maina Wanti w/o Sh. Ram Chand, s/o Shri Sher Singh now r/o H. No. 22/23 Raja Park, Ambala Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said  $\Delta ct$ , shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being H. No. 22/23, Raja Park, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4883 dated 29-12-1981 with the Sub Registrar, Ambala

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, ROHTAK

Date : 17-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th August 1982

Ref. No. AMB/70/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 3553-54, 'Timber Market, situated at Ambala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ambala in Dec., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Virender Sain S/O Meena Ram, r/o 2760, Timber, Ambala Cantt.

(Transferor)

 Shri Jagdish Lal Oberoi s/o Shri Jawala Sahai, Ambala Cantt.
 r/o H. No. 3553-54, Timber Market, Ambala Cantt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being house No. 3553-54, Timber Market, Ambala and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4734 dated 21-12-81 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, ROHTAK

Date: 17-8-1982

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

13466

 Shri Gajju alias Khacheru s/o Udmi Rati Ram Toder ss/o Sh. Ghisa, r/o Sikanderpur Ghosi.

(Transferor)

(2) M/S Gul Mohar Hotels (P) Ltd., New Delhi.

(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th August 1982

Ref. No. GRG/239/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 11 bigha, 18 marla, situated at Sikanderpur Ghosi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgnon in Dec., 1981

for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesald property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as afore and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trilly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 11 bigha, 18 bishwas situated at Village Sikanderpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3504 dated 14-12-1981 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, ROHTAK

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 17-8-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.---

Shri Gajju alios Khacheru s/o Shri Udmi, Rati Ram s/o Ghisa Ram, r/o Sikanderpur Ghosi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/S Gul Mohar Hotels (P) Ltd.,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 17th August 1982

Ref. No. GRG/240/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land area 6 bigha, 4 bishwas, situated at Sikanderpur Ghosi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Dec., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer, and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the salá Act to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 bigha, 4 bishwas situated in village Sikanderpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3505 dated 14-12-81 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> G. S. GOPALA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, ROHTAK

Date: 17-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 17th August 1982

Rcf. No. RTK/43/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 20-W/16/797, Hari Nagar, situated at Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rohtak in Dcc., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Subhash Chander S/o Shri Sita Ram, s/o Shri Bhagwan Dass, r/o H. No. 32, Arya Nagar, Rohtak.

(Transferor)

(2) Shri Som Nath s/o Shri Ram Ditta Mal, Manager Laxmi Commercial Bank Asthal Bohar, (Rohtak).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being house No. 20-W-16/797 Hari Nagar, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4823 dated 16-12-81 with the Sub Registrar, Rohtak.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, ROHTAK

Date: 17-8-1982

Scal:

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th August 1982

Ref. No. PNP/136/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Factory building, situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Panipat in Dec., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforceald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Lajwanti Wd/o Shri Amernath, r/o House No. A/1-325-A, Lawrance Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Manohar Lal s/o Sh. Ram Chand s/o Ladha Ram, r/o V & P.O. Urlana Kalan, Teh, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being Industrial plot situated at Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5502 dated 22-12-1981 with the Sub Registrar, Panipat.

13 1

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge, ROHTAK

Date: 16-8-1982

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OI 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME\_TAX

#### ACQUISITION RANGE D L.F. COLONY ROHTAK

Rohtak, the 17th August 1982

Ref. No. PNP/137/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 2M/A Narain Singh Park, situated at Pauipat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely.—

- (1) Shri Birbal s/o Shri Charan Dass, r/o H. No. 281 M Y Model Town, Panipat
- (Transferor)
  (2) Shri Kushan Kumat S/o Shu Khushi Ram r/o
  Shop No. 2M/A, Narain Sungh Park, Panipat.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being shop No. 2M/A Narain Singh Park, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5434 dated 18-12-1981 with the Sub Registrar, Panipat

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-8-1982

#### FORM TINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE D.L.F. COLONY ROHTAK

Rohtak, the 17th August 1982

Ref. No. GRG/312/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No, land area 9 bigha 4 bishwas situated at Sikanderpur Ghosi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in December 1981.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—28—256GI/82

(1) Shri Mohar Singh s/o Shri Shiv Lal, Sikanderpur Ghosi.

(Transferor)

(2) M/s Delhi Land and Finance. 21-22 Narindera Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 9 bigha 4 bishwas, sikauderpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3589 dated 12-12-1981, with the Sub-Registrar, Gurgaon.

G S. GOPAIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-8-1982

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Khushi Ram Ratı Ram s3/0 Shri Tota r/o Gurgaon. (Transferor)

#### (Transferor)

## (2) Smt. Niru Jain d/o Shri Mohinder Singh r/o D-IA, Green Park, New Delhi (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE DIF COLONY ROHTAL

Rohtak, the 17th August 1982

Ref. No GRG/318/81-82 —Whereas I, G S GOPALA, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-bearing

No land area 10 bigha 13 bishwa situated at Nathupui, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gurgaon in December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the rollowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I APLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being 10 bigha 13 bishwas (6 acre 5 kanals 5 maila) situated at Nathupur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3509 dated 15-12-1981 with the Sub Registrar, Guigaon

G S GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Robital.

Date : 17-8-1982 Seal :

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE D L.F. COLONY ROHTAK

Rohtak, the 17th August 1982

Ref. No. GRg/319/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Land 43 K. 13 M. situated at Shahpur. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in December 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any uncome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ajit Singh s/o Ram Lal, Sarhol.

(Transferor)

(2) M/S Delhi Land and Finance Limited 21-22 Natindera Palace, New Delhi, Patliament street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 44 kanals 13 marla situated at Sirhol and as more mentioned in the sale deed tegistered at No. 3522 dated 15-12-81 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-8-1982

Scal:

t .

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## K. B. Doraiswamy, Perianna Mudali St., GT Madras.

(Transferor)

(2) M/s. Tropycal Agro Systems (P) Ltd 530/2B, Vanagaram Road, Madras-58.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 13th August 1982

Ref. No. F. 9572.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. situated at 370/IA1E1, Kayarambedu

S. No. situated at 370/1A1E1, Kayarambedi (Doc. 2552/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chingleput on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any means arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 370/1A1E1, Kayarambedu. (Doc. 2552/81)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Madras-6

Date: 13-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS

Madras-600006, the 13th August 1982

Ref. No. 9572.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No.  $370/1\Lambda1A$ , Kayarambedu situated at Chingleput (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chingleput (Doc. 2551/81) on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 19'7);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri C. S. Dharmaraj Rep. C. K. Sundaraj Mis. Geetha Sundaraj,
   Spurtank Road, Madras-31.
  - (Transferor)
- (2) M/s. Crop Care (P) Ltd., 118, Broadway, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION:—The terms and expressions—used herein—as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S No. 370/1 $\Lambda1\Lambda$  , Kayarambedu, Chingleput. (Doc. 2551/81)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 13-8-1982

#### FORM IT.NS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras 600006 the 13th August 1982

Ref No F 11848—Whereas, I, R P PJLLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

26/428 situated at Rangai Gounder St. Coimbatore (Doc. 6431/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Combatoic on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Nabeesa Bi, A J Mohd Iqbal, Fathima Bi, Minois A J Jaffer Ali, Minor A I Moomina Bi, A J Jaina Bi, Asan Mohamed Line, Anna Nagar, Kuniamuthur, Coimbatore

(Fransletor)

(2) Shri K. Ramaswamy, 28, Subbia Mudaliai St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land and building at 26,428, Rangai Gounder St., Coimbatore (Doc. 6431/81)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date 13 8 1982 Seal .

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras 600006, the 13th August 1982

Ref. No. 9572.-Whereas, f, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 370/1A1G (part) and 370/1A1D situated at

Kayarambedu Chingleput (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chingleput (Doc. 2549 and 2550/81) on December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Shri C. K. Sundaraj, Shri C. S. Rampriyadas, Mrs. Geetha Sundaraj, 72, Spuitank Road, Madras-31. (Transferor)
- M/s. Tropycal Agro-Syste 530/2B, Vanagaram Road, Madras 58. Tropycal Agro-Systems (P) Ltd.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1. YPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 370/1A1G (part) and 370/ IAID Kayarambedu, Chingleput.

(Doc. 2549, 2550 /81)

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Madray 600006

Date: 13-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS Madras-600006, the 13th August 1982

Ref. No. F. 11848.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

26/428 situated at Rangai Gounder St., Coimbatore (Doc. 6430/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or me said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Nabeesa Bi, A. J. Mohd. Iqbal
   A. J. Fathima Bi, Minor A. J. Jaferali
   Minor A. J. Moomina Bi, Minor A. J. Jama Bi
   Asam Mohamed Line, Anna Bazar,
   Kuniamuthur, Coimbatore.
- (2) C. Mohammed Ismail, 7, East Lokamanya St., RS Puram, Colmbatore. (Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 26/428, Rangai Gounder St., Coimbatore.
(Doc. 6430/81)

R. P. PII.LA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 13-8-1982

Seal ;

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

NOTICI UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras 6 the 13th August 1982

Ref. No. I. 16908—Whereas, J. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No.

TS 8205/5 situated at Balaji Avenue, Madias-17 (Doc 2704/81 & 2705/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

T. Nagar on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the particle has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (1) Shi V. Thiagarajan,

  I Medan T Vanitha I V Javalakshmi
  St III Mem Poul, Gandhina at Modras 20.

  (Transferor)
- (2) Shii K. R. Vatsala, R. Niimala 1, Kasthuri Ranga IV St., Madras-86 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and at TS 8205/5, Balaji Avenue, Madras-17, (Doc. 2704, 81, and 2705/81)

R P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-5

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons number — 29—256GI/82

Date 13-8-1982

Seal

(1) Shri C. K. M. Kuppuswamy, K. Balashanmugham K. Subramani, Gandhi Maidan, Mettupalayam. (Transferor)

 Shri P. R. Vittel,
 Desabandhu St., Ramnagar\_ Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 13th August 1982

Ref. No. F. 11795.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS No. situated at 406/1, 592/1A, 407/3B Odanthurai, Mettupalayam (Doc 3070/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mettupalayam on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 406/1, 407/1, 407/3B, 592/1A, Odan-thurai, Mettupalayam. (Doc. 3070/81)

R. P. PILLAI
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II. Madras-6

Date: 13-8-1982

Seal

#### FORM IT.N.S.-

(1) Shii V K Subramanian, 33, Ihiid Main Road, Madras-35

may be made in writing to the undersigned .-

whichever period expires later,

(Transferor)

(2) Shu A I Sebastian, 52, II Cross St., CIT Nagai, Madras 35

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE IF MADRAS 6

Madras 6, the 13th August 1982

Ref No F 16830—Whereas, I, R P PILIAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

TS 39 /1 situated at Balakrishnappa Naicken St, Madras-33 (Doc 6284/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kodambakkam on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following property one namely —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any oth r person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 XPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land at TS 39/1, Balakrishnappa Naicken St. Madias-33 (Doc 6284/81)

R P PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Madras-6

Date 13 8-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS 600 006

Madras 600 006, the 17th August 1982

Ref No 91/December/81.—Whereas, I, S LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

S. No 137/2-A, situated at Pothanur village, Salem Dt (Document No 1684/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Velui (Salem Dt) on 9-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

(1) (1) Shri K Z Sen, S/o Koya Asan, 'Kanayamkandi House', karaparambakalicut-10 (Kerala State) (2) U Amced Ali, S/o Mr P P. Ali Koya,

Kanayamkandi House, Karaparambakalicut 10 (Kerala State).

(Transferor)

(2) (1) Shri R Chinnappan, S/o Mi Rangappa Gounder,

(2)Shii K. Natarajan, S/o Mr. M. Kandasamy Kandanagar (Salem Dt)

Kandanagar (Salem Dt)
(3) Shri V. N Chinna, S/o Mr Nallanna
Gounder,

(4) Smt Kaiupayammal, W/o Mr Nallusamy, Kuppuchipalayam, Namakkal T K (Salem Dt.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and Building at S. No. 137/2-A, Pothanui village, Salem Dt—Document No. 1684/1981)

S LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras 600 006

Date 17/8/1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri V. V. Venkatanarayanan, 11, Longs Garden Road, Komaleswaranpet, Madras-2.

(Transferor)

(2) Smt Shantibai M. Lulia. 20, Anderson Road Madras-6.

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th August 1982

Ref. No. 97/Dec. /81.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No 9, 10 & 11,— Longs Garden situated at Road Komales-warmpet, Madras-2 (Doc. No. 1661/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Periamet, Madras on 23-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely is -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and Building at No. 9, 10 & 11, Longs Garden Road, Komaleswaranpet, Madras-2.—Doc. No. 1661/81).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 18-8-1982

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th August 1982

Ref. No. 1/Dec./81.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 41, Sembudoss Street situated at George Town, Madras-1. (Doc No. 9969/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras North on 15-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ OΓ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dawoodh Abdullah Bal Rangwalla and others, 10, Phears Lane, Calcutta.

(Transferor)

(2) Yusuf Akbarali Vadhgarwala, 32, Krunbigal Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and Building at No. 41, Sembudoss Street, George Town, Madias-1.—Doc. No. 9969/81).

S. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of !ncome-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 16-8-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th August 1982

Ref. No. 7/Dec./81.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Door No. 14, New No. 42 situated at Bashyakaralu Naidu Street, Kondithope, G. T. Madras-1. (Doc. No. 741/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet, Madras on 9-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair m arket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the padtics has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. J. Premakumari, W/o. Late A. T. Janakiraman, Old No. 14, New No. 42, Bashyakaralu Naidu Street, Kondithope, G. T. Madras-1.

(Transferoi)

(2) (1) M. G. Dhamodharan,

(2) M. Ramachandran,(3) M. Balakirishnan,

 M. Balakirishnan.
 Old No. 14, New No. 42, Bashyakaralu Naidu Street. Kondithope,
 G. T. Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and Building at Old Door No. 14, New No. 42. Bashyakaralu Naldu Street, Kondithope, G. T. Madras-1.—(Doc. No. 741/81).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 16-8-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 16th August 1982

Ref. No. 11/December/81.- Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 315, (Door No. 37) situated at Gandhi Palanipettai, Arakonam Town, (Document No. 1467/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

J. S. R. II, Arkonam on 7-12-1981

for an apparent consideration which is less than the property and I have fair market value of the aforesaid reason to believe that the fair market value property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) (1) Shri Balakrishnan.
  - Shii Ramachandran and
  - (3) Shir Sethimadhayan S/o Shii Sankaran Nait, No. 37, 38, Gandhi Road, Palanipettar,

ARAKONAM.

(Transferor)

(2) Shii C. Ramdoss, S/o Shri Chinnu Ruo, No 37, Gandhi Road, Palanipettai, ARAKONAM.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THF SCHEDULE

(J and & building at Door No. 37, Gandhi Road, Palanipettal, ARAKONAM---Document No. 1467/81)

S TAHER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 16-8-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-I'AX,

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th August 1982

Ref. No 12/Dec./81.—Whereas, I, S. LAHIR), being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 315/2, Gandhi Road situated at Palanipettai, Arakonam, North Arcot Dt. (Document No. 1468/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R. II, Arkonam on 7-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
   (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons manely:—

30-256GI/82

Shri P. Madhavan Nair,
 S/o Shri Sankaran Nair,
 No. 37-38, Gandhi Road, Palanipettai,
 Arakonam.

(Transferor)

(2) Smt. R. Santha Bai,
 W/o Shri R. Ramdoss,
 No. 19, Vedhachala Street,
 Arakonam (North Arcot Dt.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & building at S. No. 315/2, Gandhi Road, Palanipettai, Athonam—(Document No. 1469).

S. LAHIRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-1, Madras-600 006

Date: 16-8-1982

#### FORM 1TNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th August 1982

Ref. No. 13/December/81.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immo ab'e property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 315, Gandhi Rd. cituated at Palanipettai, Arkonam (Document No. 1469/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R. II, Arkonam on 7-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri P. Ramachandran,
 S/o Shri Sankara Nalr,
 No. 37-38, Palanipettai, (Gandhi Road),
 Arkonam Town,

(Transferor)

(2) Shii C. Ramadoss, S/o Shri Chinnu Rao, No. 19, Vedhachalam Street, Arkonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 315, Gandhi Road, Palanipettai ARAKONAM—(Document No. 1468/81).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 16-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF 'THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th August 1982

Ref. No 20/Decembet/81.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fait market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 12, Sivagangai situated at Road, Madurai (T S No. 43) (Document No. 5649/1981)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tallakulam, Madurai on 7-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propery, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said, Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to hie following persons, namely:—

(1) Shri S. V. V. Gurusamy, No. 231, Naicker New Street, MADURAI-1

(Transferor)

(2) Shii M. Perianan, No. 10, Ayyanar Nagar, MADURAI-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning que given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 12, Sivagangai Road, Madurai—(Document No. 5649/1981).

S. I.AHIRI
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 16-8-1982

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th August 1982

Ref. No. 21/Dec./81.—Whereas, I. S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

T. S. Nos. 1585/1, 1593, and 1592/1 & 2, Door No. 1,

T. S. Nos. 1585/1, 1593, and 1592/1 & 2, Door No. 1, 2nd Street situated at P. T. Rajan Road, Chockikulam, Madurai-2. (Doc. No. 5712/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tallakulam, Madurai on 7-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri S. Visalakshi Ammal,
 W/o Late Shri M. N. Subramaiam,
 No. 1, P. T. Rajan Road, 2nd Street,
 Madurai,

(Transferor)

(2) Mrs. P. Raja Soundaram alias Rajas Peters, 37-G/2, Prasad Road, Narimedu, Madural.

(Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and Building at Door No. 1, 2nd Street, P. T. Rajan Road, Chockikulam, Madurai—Doc. No. 5712/81).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 16-8-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th August 1982

Ref. No. 25/December/81.—Whereas, I. S. LAHIRI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Door No. 27, Ittery Rd. situated at Hasthampatty, Salem-7 (Document No. 7724/1981)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Joint Sub-Registrar-I, Salem on 26-11-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ef :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Lakshmi, W/o (Late) Srinivasan, Kalaivanar Street No. 14, Hasthampatty, SALEM-7.

(Transferor)

(2) Shri Nallaiyan, S/o Shri Namachivaya Gounder, No. 3, Angalamman Koil Street, Komarasamypatty, SALEM-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(I and and building at Door No. 27, Ittery Road, Hastham patty, Salem-7—Document No. 7724/81).

S. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 18-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri G. Shantha, 26, Casa Major Road, Egmore, Madras-600 008.

(Transfero!)

(2) Shii R. Hemavathi, 11, Padmavathi Road, Madras-86,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th August 1982

Ref No 27 Dec./81.—Whereas, I, S. I.AHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

New No. 26, Casa Major situated at Road, Egmore, Madras-8. (Doc. No 1578/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madias on 7-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and Building at New No. 26, Casa Major Road, Egmore, Madras-8, Doc. No. 1578/81).

S. J.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 16-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR,
621. MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th August 1982

Ref. No. 29/Dcc./81,-Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. R.S. No 136, Egmore Village situated at Kilpauk, Madras. (Doc. No. 1583/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras on September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bijayati Venkata Ranga Rathnam alias B. D. V. Ranga Rathnam Trustee of Bijayati Kamalamma, No. 59, Kovalong Road, Mahabaliputram.

(Transferor)

(2) Shri A. M. Kadhiresan, S/o Murugappa Chettiar, No. 25, Sreeman Srinivasa Iyengar Street, Madras-600018.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Vacant land at R.S. No. 136, Egmore Village, Kilpauk, Madras—Doc. No. 1583/81).

S. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 16-8-1982

FORM J.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,

KANNAMMAI BUILDING JIND FLOOR,

621. MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th August 1982

Ref. No. 30/Dec/81,-Whereas, I, S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 225, A. A. Nagar situated at Periyakudal village, Madras (Document No. 1584/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madias on August 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mattheof the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mr. Sudhir Ramchand Bulchandani, No. 1, Taylors Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

 Smt. Geetha Agarwal, 2. Smt. Rashmi Sonthalia Both are residing at No. 17, Secretariat Colony, Madras-10.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Vacant land: Plot No. 225, A.A. Nagar, Periakudal village, Madras—Document No. 1584/1981).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 16-8-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
KANNAMMAI BUILDING IND FLOOR.

621, MOUN1 ROAD, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 17th August 1982

Ref. No 38/December/81.—Whereas, f, S. I AHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 56/1, Puthiragoundanpalayam, situated at Athur Taluk, Salem Dt. (Document No. 1603/1981)

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pethannyackanpalyam on 31-8-'81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

31—256GI/82

(1) Shii C. Ramasamy, S/o Shri Chinnar Udayar, Puthiragoundanpalayam, Athur Tk. Salem District.

(Transferor)

(2) Smt. V. Chandrakanth, W/o Vetri Selvam, Padayachiyur, Attur Taluk, Salem Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at in S. No. 56/1, Puthiragoundan-palayam, Athur Tk. Salem Dt.—Document No. 1603/81).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J.
Madras-6

Date: 17-8-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Pichaikutti, S/o Veerapandia Thevar, Mrs. Muthanantham, No. 1, R. C. Street, Palanganatham, Madurat.

(Transferor)

(2) A. V. Thomas & Co., LTD., W/21/674, Beach Road. Allepy. Kerala State.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th August 1982

Ref. No. 40/Dec./81.—Wherens, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Door No. 4, R. C. Street, situated at Madakulam Village, Palanganathan, Madurai-3 (Doc. No. 6769/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai JSR-IV, on 14-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

1 1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested ni the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THF SCHEDULE

(Land and Building at Door No. 4, R. C. Street, Madakulum Village, Palanganatham, Madurai—Doc. No. 6769/81).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date: 17-8-1982

Seal;

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR,
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th August 1982

Ref. No. 47/Dec./81—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Trichy Main Road, situated at Salem (Doc. No. 7874/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem ISR-I, on 7-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Padmanaba Chettiar, Venkatesan, Rajammal, 'Illrd Block, 25, Avvai Salai, Neyvelli, Cuddalore Dt.

(Transferor)

 Govindaraju Pandaram, Sundaram, Jegadesan, Saravanan, Ravi, No. 1, Logi Chetty Street, Salem Town Ghai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and Building at Trichy Main Road, Salem—Doc. No. 7874/81).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date: 17-8-1982

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1,
KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR,
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th August 1982

Ref. No. 49/Dec./81.—Whereas, 1, S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Door No. 35, 1st Street, situated at Narayan Nagar, Salem-1 (Doc. No. 7914/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registration officer at JSR-1 Salem, on 11-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed up between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :---

(1) 1. S. R. Arjunan, S/o Ramasamy,

2. Thanalakshmi,

3. A. Pannerselvam,

4. A. Alagirisamy, 1st Street, Narayana Nagar, Salem-1.

(Transferor)

(2) Smt. Santhoshkumarı, W/o Ganesh Dass Bajai, 2-C, Vidyalaya Road, Seerangapalayam Extn., Salem-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and Building at Door No. 35, 1st Street, Narayan Nagar, Salem-J. Doc. No. 7914/81).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date : 17-8-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th August 1982

Rcf. No. 11858.-Whereas, I, R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a lair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing No.

S No. 136/1, 136/1E, Komarapalayam situated at Coimtore

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Combatore (Doc. 6814, 6815, 6817/81) on December 1981 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) T. Kadiresan, Bakthavatchalom, Stinivasan S/o Thiruvenkataswamy, 11/25B, Narayanadas Lay out No. 4, Tatabad, Combatore.

(Transferor)

(2) M. A. Kader, Aameena C/o Mohammed Kutty, 39, SLC North Selvapuram, Housing Unit, Combatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHLDULE

Land at S. No. 136/1 and 136/1F, Komajapalayam, Combatore (Doc. 6814, 6815, 6817/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 20-8-82

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th August 1982

Ref. No. 11858.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 136/1, Coimbatore Komarapalayam situated at 136/1F, Coimbatore Komarapalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 6813/81) and Doc. 6816/81) on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforascid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 T. Kadiresan and Bakthavatchalam, S/o Thiruvenkataswamy, 11/25, Naiayanadas Lay out No. 4, Tatabad, Coimbatore.

(Transferor)

 Arumugham and Krishnammal, C/o Ponnuswamy,
 North Selvupuram Housing Unit, Coimbatore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and at S. No. 136/1 and 136/1F, Komarapalayam, Coimbatore (Doc. 6813 and 6816/81).

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 20-8-82

ζ

ļ

#### FORM I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 606

Madras 600 006, the 20th August 1982

Ref. No. 11858.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 3168/1, Komarapalayam situated at Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 6818/81) on December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) R. Thiruvenka(aswamy S.o Ramaswamy Naidu, 11/25A, Narayanadas Lay out No. 4, Tatabad, Coimbatore.

(Transferor)

(2) R. M. Sivakamy D/o Ramanathan Chettiar, Attankudi, Ramaad Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 3168/1, Komarapalayam, Coimbatore (Doc. 6818/81).

R. P. PHLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 20-8-82

Seal ;

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1982

Ref. No AR-II 3264-3/82-83.—Whereas, J. M. M. SHUKLA.

toing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No.

CTS No. G/604 Plot No. 25E Survey No. 367 H.No. 1 situated at Santa Cruz.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bombay on 3-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 5mt, S. J. Saldanha

(Transferor)

- (3) Same as above (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Schedule as mentioned in the registered deed No. S/1226-81 and the same is registered with sub-registrar, Bombay on 5-12-1981,

M. M. SHUKLA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Bombay.

Date: 13-8-82

Seal

I ORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1982

Ref. No. AR-II 3265-5 81-82.—Whereas, I M. M. SHUKI A.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 32 TPS 78 situated at Santacruz

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 9-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducation of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1952 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—32-256GI/82

 Shir Vinod Chandrakant Pitale Secretary, Santacruz Medical Co-up, Housing Society 1 td. (Transferot)

(2) Mis. Rubabai F, Bandookwali

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. S-398/75 and the same is registered with sub-registrar, Bombay on 7-12-1981.

M. M. SHUKI A
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II. Bombay.

Date: 13-8-82

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Shukhnandanlal Gupta \$/0 Rameshwarlal Gupti R o Banjari Chowk, Gol Bazar, Raipur, (Transferor)

(2) Shu Kishan Chand S o Shokiram R, o Shyamnagar, Raipur.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal the 29th July 1982

Ref No IAC /Acqn/Bpl 2825 —Whereas I, D P Panta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

House No 12 122 situated at Gol Bazar Raipin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipin on 29 12-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gol Bazar House No. 12/122, Raipur (MP)

D P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangoni Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 29 **7-1982.** Seal :

Scal:

(1) Shri Vishansingh Jabbal, M. H. 880, Civil Lines, (Transferor)

(2) Shri Istendrasingh Gurcha, Chanchalsingh

Gurcha, R/o Civil Lines, Raipur. (Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th July 1982

Ref. No. LNC Acq/Bpl/2826.—Whereas I, D. P. Panta. being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 17/1, Plot No. 6 situated at Civil Lines, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Raipur on 8-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Plot No. 6 of Plot No. 17, 1, Block No. 15, at Civil Lines, Raipur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 29.7-1982. Seal :

#### FORM I.T.N.S.—-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th July 1982

Ref. No. IAC Acqn/Bpl 2827. Whereas I, D. P. Pantabeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 1 situated at Station Ward, Sconi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sconi on 4-12-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely \*\*\*

S/Shri

(1) Hargundas 5 to Veermal Sindhi

(2) Rumnath Poddai S, o Dharamchand Agrawal,
 (3) Lalchand S o Maniram Sinhdi,
 R o Sconi.

(Transferor)

(2) Ashwani Trust, Kacheri-ward, Seoni—Prop. Shri. Udhodas S/o Hargundas Ashwani Sindhi, R o Kacheri ward, Seoni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Double stories house bearing No. 1. Station Ward, Scont,

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagur, Bhopal

Date : 29.7-198**2**. Seal

#### FORM I.T N S ---- -

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOML TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhop ii the 28th fuly 1982

Ref. No. LVC Vean Bpl. 2828 — Where is T, D. P. Panta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax. Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that he immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing.

No Plot Sheet No 4 situated at Chindua Bhata, Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bilaspur on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the Liu market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aboresaid property by the issue of this notice, under subsection (1) of Section 269D of the aid Act to the following persons, namely:—

(1) Shii Abbis Bhai S o Miilla Abdul Ali R o Khapai Ganj Bilaspui

(Transferor)

(2) Shiri Ashok Kumiri, Vijay Kumiri Both S/o Darshan lal Punjabi R o Davalbind Bilaspur

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I VITANATION —The terms and expressions used here n as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House situated on the part of plot bearing Sheet No. 4, Block No. 6 at Chandua Bhata Juna Bilaspiu

D P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotii Building
T. T Nagar, Bhobal

Dat 28 7-1982 Scal FORM ITNS - --

(1) Indote Builders, 27, Yeshwant Niwas, Indore M.P.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shu Nandkumai Dalal, S, o Shu Balkrishna R, o 10, Shanker Bazai, Indore M.P.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th August 1982

Ret No IAC/Acqn Bpl 2829—Whereas I, D P. Panta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 'Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 30 situated at Professor Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 19 December 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 30 situated at Professor Colony. Bhvar Kuwa Road, Indore M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date 9-8-1982 Seal:

NOTICE UNDER SICTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th August 1982

Ref. No. IAC Acqn. Bpl, 2830 - Whereas I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Survey No. 6, 2-1 situated at Village Musakhedi, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Indore on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weblith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Kadar Bhar, S/o Usman Bhar Menon 103, North Musakelidi, Indore

(Transferor)

(2) Shii Kusumlata Goyal, W o. Shri Dhannalal Goyal 49 Janaki Nagar, Indore (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid presons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 XPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Survey No. 6, 271, Village Musakhedi, Tch. & Distt. Indoor

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commission.r of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-8-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th August 1982

Ref No IAC Acqn Bpl/2831—Whereas I, D P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No Survey No 6 2/1 situated at Village Musakhedi, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Acr, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

(1) Shii Kadar Bhai, S/o Usman Bhai Menon 103 Musakhedi, Indore (MP)

(Transferor)

(2) Shir Prahladdas Goyal, \$/o Hirdalji Goyal 49 Janaki Nagar, Indore (MP)

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

1 YPIANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and No. 6/2/1, Village Musakhedi, Teh. & Dett. Indore (MP)

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commission: 1 of Income-tax Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhop il

Drate 9-8-1982. Scal:

#### FORM ITNS ---

(1) Siddio Bhai, S/o Usman Bhai Menon 103, North Murakehdi, Indere

(Iransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kailash Chandra Goyal S/o Hiralalji Goyal 102, Agarwal Nagar Indore (Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhoppl the 9th August 1982

Ref No IAC/Acqn/Bpl 2832 - Whereas I, D P Panta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000 - and bearing No No Survey No 6/3/1 situated at Musakhedi Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ia respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issu- of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely -33-256GI 87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Indore Land Survey No 6/3/1, Village Musakhedi, (MP)

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor Gangotii Building T. T Nagar Bhopal

9 8-1982 Date Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2833.—Whereas I, D. P. Panta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Survey No. 6/2/2 situated at Musakhedi, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 5th December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the sequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely;—

(1) Shri Akil Bhai, S/o. Usman Bhai Menon 103, North Musakhedi, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Shivkumai Goyal, S/o. Kishorilal Goyal 102, Agarwal Nagai, Indore (MP) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Survey No. 6/2/2, Village Musakhedi, Teh. & Distt, Indore

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Cangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 9-8-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th August 1982

Ref No. IAC/Acqn/Bpl/2834.—Whereas I, D. P. Panta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Survey No 7/3 situated at Village Musakhedi, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed; the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Juned Bhai S/o Usman Bhai Menon, 103, North Musakehdi, Indore

(Transferor)

(2) Shri Maheshkumar Goyal, S/o Kishorilal Goyal, 102, Agrawal Nagar, Indote.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Survey No. 7/3 situated in village Musakhedi, Teh. & Distt, Indore M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

9-8-1982 : غادرا

#### FORM ITNS----

 Shri Navratanmal, S/o. Radhakrishan Maheshwari 103/114, Anoopnagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ompiakash, S/o. Radhakrishan 1 Manojamaganj, Indore

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th August 1982

Ref. No. IAC Acqn/Bpl/2835.—Whereas 1, D. P. Panta, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1 situated at Manoramagani, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on the 21st December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and Plot No. 1, Manoramaganj, Indore (MP)

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 9-8-1982

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

. .

## (1) Shri Abdul Wahab Khan S/o Abdul Valid Khan, R/o 6/2, Siyaganj, Indore

(Transferoi)

(2) Shri Mohammad Salim S/o Abdul Majid Gowi, R/o 37/3, Mohanpura, Indore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th August 1982

Ret. No IAC/Acqn./Bpl./2836.—Whereas I. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No.

Plot No. 222, situated at Khatiwala Tank, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on the 26th December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 222, Scheme No. 44 at Khatiwala Tank, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-8-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Sardar Khan, S/o Abdhul Satar Khan, r/o H. No. 129, Indore (M.P.) (Transferor)

(2) Shri Abhui Gallor, S/o Mhd. Sahab r/o 9, Lahorpati, Indore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2837.—Whereas I, D. P. Panta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 7 situated at Milindkibe Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 9-12-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 7, Milind Kibe Colony, Indore (M.P.) and Tin Shed thereon.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date . 5 8-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 18th August 1982

Ref No. IAC/Acqn/Bpl/2838 - Whereas I, D. P. Panta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 659 situated at Jr. Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 23-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) (1) Di Vijaykumai S.o Shankar Rao Indore (2) Di Smt Savita W/o Di Vijaykumai Inamdai R/o 22, 10 Yashwant Niwas Road, Indore. (Transferor)
- (2) Bankat I al S/o Hiralal Gupta, R o 47, Neelkanth Colony, Indoic (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of land survey No. 659 of Junior Dewas, which the property mentioned in the instrument of transfer which was registered in the office of the Registering Officer, Dewas on 23-12-1981.

> D P PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date 18 8-1982

Sunl;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2839.—Whereas I, D. P. Panta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khata No. 76 situated at Vill. Vavadiya, Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 23-12-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shui Motilel olius Radheshyam \$70 Laxmanji Chouhau, (2) Purshottam S'o Ramchandra Chouhau, both 1,0 Khari Bhayadi, Mobilla-Dewas, (Transferor)
- (2) Shii Benkatlalji S/o Hiralalji Gupta, R/o 47, Neel-kant Colony, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Khata No. 76-total No. 8, situated at Bavadiya, Tch. Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-8-1982

Scal:

NOTICE UNDLR SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISTION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th August 1982

Ref. No. IAC Acqn/Bpl/2840.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 43 to 48, situated at Vill. Bavadiya, Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 23-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——34—256G1'82

- (1) [ Shii Montal alias Radheshyam S/o Laxinanji Chouhan.
  - 2. Purushottim S/o Ramchandia Chouhan, both R/o 59, Khari Bayadi, Dewas.

(Transferor)

(2) Shri Benkatlalji S o Hiralulji Gupta, R o 47, Neelkant Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 43, 44, 45 46, 47, & 48 situated at Vill. Bavadiya, Teh: Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-8 1982

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2841.—Wheeras I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 85 situated at Civil Lines, Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 4-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person namely:—

- (1) Smt. Praphullata Jadhav W/o Shri Sharadchanra Jadhav, Advocate, 57, Bhogatsingh Marg, Dewas.

  (Transferot)
- (2) M/s Hind Filters Private Itd., 12/18, Vithalbhai Patel Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No 85 situated at Civil Lines, Dewas.

D. P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhapat

Date: 6-8-1982

#### FORM J.T.N.S .-

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2842.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 11 & Survey No. 30 situated at Vill. Kuhari, Jaora.

situated at Promanade Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaora, on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) (1) Swami Krishnachariyaji S/o Swami P. B. Anantachariyaji (2) P. B. Srinivasachariya S/o Swami Krishnachariyaji; (3) P. B. Ananthachariya (4) P. B. Vardachariya S/o Swami Krishnachariyaji 13, Sanghiya Street, Kanchipuram, Tamilnaduthrough Shri Gordhandas S/o Ganeshilal Modi, Bajajkhana, Jeora.

(Transferor)

(2) Katuju Housing Corporation, Jaorat-hrough partners
 (1) Parasmal S/o Sobhagmal (2) Kailashchandra
 S/o Mannalalji Kotari, Jaora etc., R/o Jaora.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actics in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and Survey No. 11, Survey No. 30, situated at Village Kumhari Jaora & well.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date . 6-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th August 1982

Ref. No. IAC Acqn/Bpl/2843.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 544/2 situated at Rao, Indose.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 11-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Me to

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons namely:—

(1) (1) Shri Laxminarayan
 (2) Ganesh
 (3) Kailash
 (4) Prahlad
 S/o
 Biharilalji
 No.
 A. P., R/o
 Rao, Teh: Indore.

(Transferor)

 Harjindersingh S/o Raveisinghji, R/o 212, Transport Nagar, Indore (2) Amolsingh S/o Karamsingh, R/o 31, Pratapnagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

### THE SCHEDULF

Land kh. No. 544/2 situated at Vill: Rao, Teh. Indoie.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date 7-8-1982

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL, MP

Bhopal, the 7th August 1982

Ref No IAC/Acqn/Bpl/2844 —Whoteas, I, D PANTA,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Kh No 544/2 situated at Vill Rao, Indoie (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Indoie on 11-12 1981

for an apparent consider; on which is less than the fair market value of the aforesuld property and I have reason to be less that the fair market value of the property as aforesuld exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the puties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

(1) 1 Shii Laxminarayan 2 Ganesh 3 Kailash 4 Piah lad 5/o Shii Biharilalji No 4, AP No 1, R/o Vill Rao, Teh Indore

Transferor`

(2) Shii Hariminder Singh 5/0 Karam Singh Bhatia, R o 39 A, Piemnagar, Indoie (2) Satendiapalsingh, S/0 Ravalsingh, R o 30-A, Premnagar, Indore (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land Kh No 544, 2, situated at Vill Rao, Tch Indore

D P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, 4th Floor
Gangotii Building T I Nagai, Bhopal

քան 7 հ-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2845.—Whereas, I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nc. Mucl. No. 71 situated at Madhavnagar, Freeganj, Ujjain (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 5-12-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nareshchandra S/o Jugalkishoreji Mahajan, r/o Amarsingh Marg. Freeganj, Ujjain.
- (2) Saraswati Devi W/o Balmukund Kheriya, R/o Ashoknagar, Freeganj, Ujjain, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Mucl. H. No. 71 at Chhapnak Marg. Madhav Nagar, Free-ganj, Ujjain. (Part of the house)

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-8-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th August 1982

Ref. No. IAC/Acqu/Bpt/2846.—Wheeras I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,900/- and bearing

No. House Mucl. No. 71 situated at Madhav Nagar, Freeganj, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Indore on 5-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following Dersons, namely:—

 Shri Nareshchandra S/o Jugalkishoreji Mahajan, r/o Amarsingh Marg, Freegan, Ujjain,

(Transferor)

(2) (1) Manharlal S/o Ambalal Ameen, (2) Smt. Meenakshi Ben W/o Manharlal Amin, R/o Freeganj, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

House Mucl. No. 71 situated at Freeganj, Madhav Nagar, Kshapnak Marg Uijain,

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-8-1982

FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2847.—Wheeras, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House Muel. No. 71 situated at Madhavnagar, Freeganj, Uijann.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 5-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

 Shi i Nareschandia S/o Jugalkishoreji Mahajan, 1/0 Amarsingh Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Nathi Bai W/o Rameshchandraji Pathak, R/o Naya Bazar, Mungwali, Guna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Mucl. No. 71 at Madhavnagar, Freeganj, Ksapnak Marg Ujjain, (portion).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-8-1982

 $_{i}\rightarrow^{-1}$ 

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICI OF THE INSPECTING ASSISTAN1 COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M P.

Bhopal, the 7th August 1982

Ref No. IAC /Acqn/Bpl/2848.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No

House Mucl. No. 71 situated at Madhavnagar, Freeganj, Ujjain.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 5-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 '27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the atore and property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—35—256G1/82

(1) Shri Naieshchandra S/o Jugalkishoreji Mahajan r/o Amarsingh Marg, Ujjain

(Transferor)

(2) Shri Ramlal S/o Girdharilal Cheuhan Tailor, R/o Ghos Bazar, Rutlam

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Mucl. No 71 situated at Kshapnal. Marg Madhavnagar, Freeganj, Ujjan (Portion)

D P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomestar
Acquisition Range, Bhopat

Date: 7-8-1982

(1) Shri Jagdish, S/o Mangaji Patidar R/o Pisnawal Teheil Sendhwa.

(2) Smt. Chanda Bai W/o Shri Krishna Mahajan

Sendhwa.

(Transferor)

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

SIONER OF INCOME-TAX

Bhopal, the 7th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2849.—Whereas I, D. P. Panta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No House situated at Mohalla Motibagh, House Sendhwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sendhwa on 17-12-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Three-storey house at Motibag Mohalla, Sendhava.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Ramjilal Laxminarain Goyal & Sons through Karta Shri Ramjilal Goyal, R/o Neemuch Cantt., Neemuch.

(Transferor)

v(2) M/s Kamal Kırana Stote Tagore Marg, Neemuch. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN ( COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th August 1982

Ref. No. IAC / Acqn/Bpl/2850 —Whereas I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

51 situated at Neemuch Cantt, Neemuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on 10-12-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 51 of Bunglow No. 59, Neemuch Cantt.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-8 1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M P

Bhopal the 6th August 1982

Ref No IAC Acqn/Bpl/2851—Whereas I D P PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and

bearing No

Mucl II No 2 situated at Ranipura, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indoic on 7-12 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 Smt Santa Bai W/o Ramprasadji, Surajmal Manoharlal S/o Rampiasadji, 95/6, Pardeshipura, Indore

(Fransferor)

(2) Shri Harbhajan S/o Lalludas Kunjbehari, Giriraj, Trilokchand S/o Harbhajan R/o 2/1 Rampura Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Part of House No 2 Gali No 1 at Rampura, Indore

D P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bhopal

Date 6-8-1982 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D.(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, 7th August 1982

Ref. No. IAC /Acqn/Bpl/2852.—Whereus, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No 243 situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Dewns on 19-12-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pritam Singh, S/o Tarachand Punjabi, R/o-Mohalla Bhavanisagar, Dewas (MP).

(Transferor)

13531

(2) Shri Darshani Singh, S/o Sohansingh Punjabi, R/o. Bahadur Shah Marg, Dewas (MP)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land No. 243, Dewas

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-8-1982

#### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2854.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

328 situated at Village Bagar, Tehsil Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 30-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shi Himmatlal, S/o Rewashankar Mehta 70 Mendaki Road, Dewas,
  - (2) Smt. Annpuranabai, W/o Himmatlal R/o 62 Mendaki Road, Dewas.

(Transferor)

(2) Shri Rameshchand, S/o Laxmanji Chauhan (2) Motilal Alias Radheyshyam, S/o Laxmanji Chauhan, R/o Khari Wawadi Mohalla, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Pilot No. 328, Village Bagar, Tehsil Dewas (MP).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-8-1982

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th August 1982

Ref. No. JAC/Acqn/Bpl/2854—Whereas J, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Plot No. 113 situated at Agaiwal Nagar, Nai Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kusumlata Agarwal, W/o Shri Radheshyam Agarwal R/o 511 M G. Road Lune, Damodar, S/o Motilal R/o Husumchand Mill Compound, Indoc.

(Transferce)

(2) Gopaldasji Gupta, S/o Fakhirchandji Gupta, R/o House No. 7, Teli Bakal, Indore

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, publication of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 113 Agarwal Nagar, Nai Colony Indore (MP).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax
Acquisition Range. Bhopal

Date : 9-8-1982

NOΤΙCΗ UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th August 1982

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/2855.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Piot No 3 situated at Subash Nagar, Jobalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 30-12-1981 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sbri Bhupendra Kumar, Saxena, S/o P. Saxena r/o Nepa Nagar, Distr. Khandwa (M.P.).

(Transferor)

(2) Shri D. P. Agaiwal. R/o Wright fown, Jabalpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 3, Wright Town, Subash Nogar, Jabalpur (M.P.)

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 9-8-1982

----

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shiri Intendrii Mohan Saxena \$70 A - K. Saxensi Murthi Nagari Lucknow

(Transferor)

(2) Smt. Malatidevi W/o Shii D. P. Agaiwel, Wilgh town, Jabalpui (M.P.)

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bliopal the 9th August 1982

Ref. No 1AC/Acqn/Bpl/2856.—Whereas I, D. P. Panta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2 situated at Subash Nagar, Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 9-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269P of the said Act, to the following persons, namely:—

36-256G1/83

Objections, if any, to the acquisition of the said prop t may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULF

Plot No. 2 Wright Town, Subash Nagar, Jabalpur (MP).

D. P. PANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Run e. Bhopal

Date · 9-8-1982

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, 10th August 1982

Ref. No IAC/Acqn/Bpl/2857—Whereas I, D. P. Panta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 73-B situated at Right Town, Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 10-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kamia Bala Ghosh W.o Shii Anil Bihari Ghosh. R/o Adaish Colony, Jabalpur.

(Transferor)

-=---

(2) Shri Harish Kumar, S/o Ramdas Agarwal Sarafa Bazar, Jabalpur.

(2) Shri Kadhorilai Syo Shivprasad Agarwal, R/o Miloniganj, Jabalpur (MP).

(Trunsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 73-B situated at Right town, ward, Jahalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-8-1982

- (1) United Church of Northern India, Trust through Rev. F. C Jonathan, Bishop of Diocess, Jabalpur. (Transferor)
- (2) Smt Sadhna Monika Solomon, W/o Ratnesh Solomon, R/o Mission Bunglow No. 2, Damoh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, 10th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2858.—Whereas I, D. P. Panta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Banglow No 2, Plot No. 150 situated at Damoh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Damoh on 10-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Identificating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

l and of Bunglow no. 2 situated at Damoh Plot No. 150, Sheet No. 68, 70.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-8-1982

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2859.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 150, Bunglow No 2, situated at Damoh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Damoh on 10-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair mulest value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the thoresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 United Church of Northern India Trust, Association Rev. F. C. Jonathan, Jabalpur Bishop of Diocese Jab, R/o 1033. Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shii Ratnesh Solomon s/o Rev. Peter Solomon, R/o Mission Bunglow, No. 2, Damoh (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

I APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bunglow No. 2, situated at Plot No. 150, Damoh (M.P.) with I and,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-8-1982

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2860.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 19 situated at Klimi Colony, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ratlam on 22-12-1981

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the aid instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shi Khanali S/o Ali Bhai Shii Ali Hussain S/o Shri Abbas Bhai Bohara R/o Chandni Chowk, Ratlam (Bohara Bakhal).

(Transferor)

(2) Ali Husam S/o Abdeali Bohara, R. o Lakarpitha, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 19 situated at Klimi Colony, Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
4th Floot, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 16-8--1982 Scal :

#### FORM NO ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI BHOPAI M P

Bhopal, the 16th August 1982

Ref No IAC / Acqn/Bpl/2861 —Whereas, I, D P PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-ind bearing No

Plot situated at Napier Town Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

labalpur on 29-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) I Urmila Rani Batia
  - 2 Shashipi abha Verma,3 Sajani Batra

R/o 238 Napier Town, labalpur

(Transferor)

(2) Smt Amrith Kaur W/o Sardai Santh Singh Choti Omti, Jabalpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (e) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette
- 1 APLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Plat and House situated at Napici Town, Jabalpui

D P PANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Flooi Gangotri Building,
T T Nagai Bhopal

Date 16 8--1982 Seal •

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. IAC Acqn Bpl/2862.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bunglow No. 459 situated at South Civil I ines, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 20-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer,
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Deepak Prakash Segan Syo Shri Belram Segan, R/1425, Naram Road, Gorakhpur, Iabalpur

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Iam W/o Shri V K. Iain, R/o 999, Wright Town,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Portion of Bunglow No. 459, Block 38, Flat No. 1 at South Civil Lines, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nacar, Bhopal

Date: 16-8--1982

Scal:

TORM LINS -----

R o Villa

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE, BHOP \I, MP.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No 14C/Acqn/Bpl/2863 —Whereas, I, D. P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market alue exceeding Rs, 25,000/-and bearing No.

Plot No. 7 situated at Manik Bag, Phadnia Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 21-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kamla Bai W/o Ramratanji, R. o Village Palai, Shajapur.

(Transferor)

(2) Shir Friez S/o Abbas Ali Singapurwala, 2 Smt Silmabar W/o Friez Singapurwala, R/o Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No 7, Kh No. 1533 situated at Manikbagh Road, Annex—Phadnis Colony, Indore

D. P. PANTA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date · 16-8--1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2864.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 196) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ra. 25,000/- and bearing No.

House No. 826 situated at Wright Town, Jabalpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jabalpur on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sate Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
37—256GI/82

(1) 1. Shri Girishchandra Saxena S/o Shri Bhagwandas Saxena,

2. Smt. Suvidha Saxena

W/o Shri Kishanchand Saxena, 3 Shri Salil Saxena S/o Kishanchand Saxena, All R/o E-I, Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Hari Prasad Agrawal
 S/o Shri Chotelal Agrawal,
 R/o Hanumantal Ward, Jabalpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Municipal House No. 826 at Wright Town, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor. Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-8--1982

Seal;

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2865.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 826 situated at Wright Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 5th December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Mahendrakumar Saxena S/o Shri Nivaranchand,
  - Smt. Krishna Saxena W/o Shri M. K. Saxena,
  - Shri Prabhat Kumar
     S/o Shri M. K. Saxena,
     R/o Gandhi Road, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Laxminarayan and Shri Murarilal Both S/o Shri Khubchand Agrawal, R/o 57, Upren Ganj Ward, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Municipal H. No. 826 which is situated on the portion of Plot No. 164, Sheet No. 72, Corporation Plot No. 84, 81, 82, 83 (portion) at Wright Town Ward, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-8-1982

Seal

# FORM TINS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2866.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 826 situated at Wright Town, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any memorys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Mahendrakumar Saxena
   Shri Nivaran Chandra Saxena
  - 2. Smt. Krishna Saxena W/o Shri M. K. Saxena, Mahendra Kumar
  - Shri Prabhat Kumar S/o Shri M. K. Saxena, All R/o Gandhi Road, Gwalior.

(Transferor)

 Smt. Chandra Kumarl W/o Shri Santosh Kumar Agrawal, R/o Wright Town Jabalpur
 Shri Rajesh Kumar Agrawal S/o Shri K. C. Agrawal, R/o Miloniganj, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Municipal House No. 826 at Wright Town, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-8--1982

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2867.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 826 situated at Wright Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Mahendrakumar Saxona S/o Shri Nivaran Chandra Saxona.
  - 2. Smt. Krishna Saxena W/o Shri M. K. Saxena,
  - Shri Prabhat Saxena S/o Shri M. K. Saxena, R/o Gandhi Road, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Khubchandra Agrawal S/o Puranlal Agrawal, R/o Miloniganj, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Municipal House No. 826 at Wright Town, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Dato: 17-8-1982

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2868.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

House No. 826 situated at Wright Town ward, Jabalpur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Girishchandra Saxena S/o Shri Bhagwandas,
  - 2. Smt. Sarla Saxena W/o Shri Girishchandra Saxena,
  - Shri A. K. Saxena S/o Shri Girishchandra Saxena, All R/o 1/E, Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Rajendrakumar Agrawal S/o Shri Chotelalji Agrawal Saheb, Hanumantal, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

House No. 826 situated at Wright Town Ward, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-8-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2869.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
House No. 829 to 833 situated at Wright Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Kishanchandra Saxena S/o Shri Bhagwandas,
  - Smt. Suvidha Şaxena W/o Shri Kishanchandra Saxena,
  - 3. Salil Saxena S/o Kishanchandra Saxena
  - 4. Shri Girishchandra Saxena,
  - Smt. Sarla Saxena W/o Shri Girishchandra Saxena
  - Shri A. K. Saxena, All R/o 1/E-I, Arera Colony, Bhopal,

(Transferor)

 Smt. Savitri Bai W/o Shri Jamna Prasad Agrawal, R/o Beldevbagh
 Shri Pramod Kumar S/o Shri Kaluram Agrawal, R/o Paten, Teh. Paten, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Municipal House No. 829 situated at Wright Town, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2870.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 '(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. E-21 situated at Saketh Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Major Arjurao Sinha S/o Shri Dhunbahadur Sinha, Power of attorney Dhumbahadur S/o Ramprasadji Sinha, R/o 1/75, Arera Colony, Bhopal

(Transferor)

 Smt. Pushpa W/o Shri Manoharlal Jain, R/o E-21, Saketh Nagar Colony, Indore

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. E-21 at Saketh Nagar, Indore and house.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date , 16-8--1982 Seal

 Shri Madhükar S/o Shanker Gupta, R/o Patrakar Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Babu Bhai S/o Ramenbha Shah, R/o Patrakar Colony, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2871.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 32 situated at Patrakar Colnoy, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 32 at Patrakar Colony, Indore and house constructed thereon.

D. P. PANTA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-8--1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Ppl/2872.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 143 situated at Janki Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Indose on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—38--256G1/82

(1) Smt. Urmila Devi W/o Sitaramji Verma, R/o Kesaraband, Teh, Dharampur.

(Transferor)

(2) Smt. Geeta Devi Garg W/o Mohanld Garg, Ushaganj, Chawani Gali No. 2, H. No. 17, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 143 situated at Janki Nagar Extension, Indore and house thereon.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 11-8-1982

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2873.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2 situated at Ravindra Nagar, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at Ujjain on 4-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the 'ransfor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following paraons, namely:—

 Shri Avnishchand, Juneja S/o Trilok Nath Juneja, Madhav Nagar, Ujjain, Through Shri Subhashchandra Juneja S/o Shri Triloknath Juneja, Vikram Hotel, Ujjain,

(Transferor)

 Shri Bhagwan S/o Hotchand Sindhi, Hira Moti Building, Sindhi Colony, Ujjain.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2, Ravindra Nagar, Dhamdhma, Ujjain (M.P.) and house constructed thereon.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 18-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF LYDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2874.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 46 situated at Jaora Compound, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore and property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Shri Shanti Lal Jain S/o Raichaldas Jain

  - 2. Smt. Kamala W/o Shantilal Jain 3. Shri Prakash Chand Jain S/o Shantilal Jain, 4. Shri Arvind S/o Shantilal Jain,

All R/o 1/1 South Tukoganj, Indore.

(Transferor)

1. Smt. Kamla Devi W/o Prahlad Rai Maheshwari,
 2. Shri Anil Kumar S/o Prahlad Rai Maheshwari,
 3. Shri Sunil Kumar S/o Prahlad Rai Maheshwari,

70 Janki Namar, Indore (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 46 Jaora Compound, Indore.

ቼ D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 17-8-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Bhurasankar S/o Bherulalji and Shivnarayan S/o R. C. Joshi R/o Village Sunel, Dist. Jhalawad, Rajasthan. (Transferor)

(2) Shri Mangalkaran Somani S/o Radheshyamji Somani, 215, Jawaharmarg, Indore.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 18th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2875.—Whereas J, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Municipal No. 87/3B, situated at Naliya Bakhal (Bharth Marg)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 16-12-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Municipal No. 87/3B Naliya Bakhal (Bhart Marg), Indore (M.P.).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-8--1982

#### FORM ITNS ----

(1) Shii Shyamsunder S/o Laxminarayan, R/o 248, Tilakpath, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dilipkumar Meghraj, R/o 304, Jawahar Marg, Indore.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. 1AC, Acqn/Bpl 2876,—Whereas I, D, P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
House No 304 situated at Jawahar Marg, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on 1-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Portion of House No. 304 situated at Jawahar Marg, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date . 16-8-1982

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Rameshchandra S/o Ramchandra Nigoskar, R/o 123/12, Shivji Nagar, Bhopal (M.P.).

(Transferor)

(2) Shri Jawaharlal S/o Manaklalji Agarwal, R/o Deshra Maidan, Ujjain (M.P.).

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

# OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th August 1982

Ref. N o. IAC/Acqn/Bpl/2877.—Whereas, I. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing No.

Plot and Building No. 26, situated at

Rajaswa Colony, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 30-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957'(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot and House No. 26 situated at Rajaswa Colony, Ujjain

D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 11-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGF, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/2878.—Whereas, 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

House No. 3/1503 situated at Belotipura, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 22-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Nathulal S/o Digrilalji Bhavsar, R/o Belotipura, Veer Durgadas Marg No. 4, Gali No. 1, Ujjain.

(Transferor)

(2) Akhil Bhartiya Dangi Shaktriya Sangh Panjiyath Samiti Ltd., Office at Dani Nagar, Lav (P.O.), Gaya, Bihar Through Branch Manager Dulesingh S/o Bhavani Singh Patcl, R/o Village Utavda, Dhar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House Municipal No. 3/1503, situated at Mohalla—Belotipura, Veer Durgadas Road No. 4, Gali No. 1, Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal the 11th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2879.—Whereas, I, D P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Munic pal No 3/1503, situated at Belotipura, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 2-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt, Heera Bai W/o Nathulalji Bhavsar, R/o Belotipura, Ujjain,

(Transferor)

(2) Akhil Bhartiya Dangi Shektriya Sangh Panjinath Samiti Ltd. Office Dangi Nagar, Lavgaya (P.O.), Bihar—through Branch Manager, Delesingh S/o Bhavanisinghji Patel, R/o Village Utavada, Dhar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULD

House Municipal No. 3/1503 situated at Mohalla Belotipura Veer Durgadas Marg, Road No. 4, Gali No. 1, Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date · 16-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE.

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref No. IAC/Acqn/Bpl/2880.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Double storeyed House situated at Rajod, Dhar (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sardar Pur on 8-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
39—256 GI/82

Shri Vijay Singh Rao Ghorpadhe
 S/o Sardar Shri Shankar Rao,
 Lashkar, Gwalior,
 Through Attorney Jawala Prasad, Gwalior.

(Transferor)

 Shii Adim Jati Seva Sahakari Samiti Ltd, Rajod—Teh, Sardarpur, Dhar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

An old Double storeyed house and land at Teh. Rajod, Dhar

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-8--1982

Scal:

FORM NO. ITNS----

--- (1) Shri Satanand S/o Laxminarayan, 248, Tilak Path, Indore.

(2) Shri Mahendrasingh S/o Arjunsingh,

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# R/o 304, Jawahar Marg, Indore Manjit Kaur GOVERNMENT OF INDIA 304, Jawahar Marg, Indorc.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2881.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of House No. 304 situated at Jawahar Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sectiin (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of House No. 304, Jawahar Marg, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotrl Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-8--1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE, BHOPAL. M.P.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn 'Bpl/2882.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Part of II. No. 304 situated at Jawahar Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 1-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shyam Sunder S/o Laxminarayan, 248, Tilak Path, Indore.

(Transferor)

(2) S/Shri Vijay Kumar and Hemant Kumar S/o Shankerrao Joshi, 304, Jawahar Marg, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of House No. 304 situated at Jawahar Marg, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-8--1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2883.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Part of House No. 304 situated at Jawahar Marg, Indoer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gita Bai W/o Laxminerayan, 248, Tilak path, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Rajkumar S/o Radhakishan, 304, Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of House No. 304, situated at Jawahar Marg, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 16-8-1982.

Seal:

ζ.

 Shri Satapand S/o Lazminarayan, 248, Tilakpath, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Haibhajansingh S/o Sardarsingh, 304, Jawahar Marg, Indore.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2884.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Part of House No. 304 situated at Jawahar Marg, Indorc (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ozzette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of House No. 304, situated at Jawahar Marg, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 16-8-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn 'Bpl/2885.-Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Mucl. H. No. 304 (portion) situated at Jawahar Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-12-1981

for an apparent consideration which is the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri Satanand S/o Shri Laxminarayanji Agrawal, R/o 248, Tilakpath, Indore. (Transferor)

(2) Shri Surjitsingh S/o Shri Arjunsingh Bedi, R/o 304, Jawahar Marg, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House No. 304, situated at Jawahar Marg, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, 4th Floor, Gangotri Building. T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 16-8-1982.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri M. Kumar S/o Laxminarayan, 248, Tilakpath, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Tajendra Virsingh S/o Duljitsingh, 304, Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2886.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of House No. 304, situated at Jawahar Marg, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 1-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of House No. 304 situated at Jawahar Marg, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 16-8-1982,

FORM TINS-

Shri Mukeshkumar S/o Laxminarayan,
 Tilakpath. Indore.

(Transferor)

(2) Sari Khushabirsingh S/o Daljeetsingh, 304. Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2887.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House No. 304, situated at Jawahar Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Indore on 1-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of House No. 304 situated at Jawahar Marg, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 16-8-1982.

#### FORM ITNS----

(1) Shii Dalipsingh S/o Shri Punamchandia Mishra, R/o Pan Guradiya, Teh: Budhii.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Lakhensingh S/o Merosingh, R/o Pan Guradiya, Budhni.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. IAC Acqui Bpl 2888—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Kh No 144/1/2 situated at Vill. Pan Guidiya, Teh Budhni

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Budhni on 26-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tail market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely --40 --256 (1 82

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 144/1/2 situated at Vill. Pan Guradiya, Teh. Budhni,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-8-1982.

(1) Shii Dilipsingh S o Punamchandia Mishia, Vill: Pan Guradiya, Teh: Budhni,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bharathsingh S o Bherosingh, R o Pan Guradiya, Teh: Budhni,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. 10, LAC Acqn Bpl 2889, --Whereas I, D. P. PANTA b. ng the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 25,0000, and bearing

Land Kh. No. 144/1/1 situated at Vill Pan Guradiya, Teh. Budhni

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Budhar on 26-12-1981

the example of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tare market value of the property as aforesaid executes the apparent consideration therefor by more than library process of such apparent consideration, and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the aid property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person. interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Tand Kh. No. 144-1-1 situ¤led at Vill. Pan Guradiya, Teh: Budhni.

D. P PANIA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax
Acquisition Range
4th Flooi, Gangotti Building
T. Nagar, Bhopal

Onto 16-8 1982 Seal : FORM NO LINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961

# (1) Shu Anokhilal K su ingh S o Hazaidal Saldoth, R o Kitipipal Chikiod

(Transfer

(2) Shir Kabi i Agio Industries Pri ite 1 td Bhopal

(Transfere )

#### GOVFRNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE BHOPAL MP

Bhopal the 16th August 1982

Ref No IAC Acqn Bpl 2890—Whereas I, D P PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000 / and

bearing survey No. 881 situated it Vill Chakrod hajapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sharapur on 3 12 1981

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of au moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferer to the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective crs (whichever period expires later)
- (b) by any other person interested in the and immore able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Lind Surve No 841 itent I of Chikrol Chappin

DP PANTA
Competent Authority
Inspecting As istirt Commissioner of the term of

Date 16 8 1982

Scal

#### FORM NO. 1T N. :.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2891. - Whereas I, D. P. PANTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000}and bearning

House Mucl. No. 177866, situated at Kampoo Road, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwaliot on 14-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

- (1) Thir Gopaliao & o Madhaviao Apte, Smt. Rama Bar Apte W o Madhavrao Apte, Smt. Malti Apte W/o Shii Gopaliao Apte, Shii Vivek S o Gopaliao Apte & Sadhana D o Gopalrao Apte, R o Shinde-ki-Chavani, Lashkar, Gwalior, (Transferor)
- (2) Smt. Inderjit kauf W o Dallstsingh, R/o Talka Bazar, Lashkar, Gwalior,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette

I'YPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHI'DULF

House Mucl. No. 17/866 situated at Kmapoo Road, I ash-Givation.

> D. P. PANTA. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL.

Date 16-8-1982.

Scal:

LORM NO. LLNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th August 1982

Ref. No. IAC Acqn Bpl 2892 —Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House Mucl. No. 17/866 situated at Kampoo Road, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 14-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shit Copaliao S o Madhavrao Apte, Smt. Rama Bai Apte W/o Madhavrao Apte, Smt. Malti Apte W o Shii Gopaliao Apte, Shii Vivek S o Gopaliao Apte & Sadhana D o Gopaliao Apte, R o Shinde-ki-Chavani, Lashlar, Civaliot.
- (2) Smt. Surender Kaui W o Sardar Jugendiasingh, R/o Falka Bazar, Lashkai, Gwaliot. (Transferee)

Ozjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House Mucl. No 17/866, s'tuated at Kampoo Road, Lishkar, Gwalior.

D. P. PANTA.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotti Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 16-8-1982.

#### LORM NO LT.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVI-RNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th August 1982

Ref. No. IAC 'Acqn Bpl '2893. -Whereas I, D P. PANT \, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1307/3 situated at Mahalgaon, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax At, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noitee under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sha Sindhiya Devsansthier Trust, Branch Office, Gwalior,

(Transferor)

(2) Smt. Rajkumati W o Rajkumat and Ramavalar S o Shri Jagannath, R/o Dal Bazar, Gwaliot,

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property on the made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land No. 1307/3 at Mahalgaon, Gwalior,

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagu, BHOPAL

Date : 17-8-1982. Se il NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGL, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th August 1982

Ref No. IAC Acqn'Bpl/2894.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No. 1307/18 situated at Chandrabadní Naka, Gwallor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gwalior in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Scindhiya Devasthan Trust, Gwalior.

(Transferor)

- (2) 1. Smt, Gayatri Devi W/o Rameshchandra R/o Naya Bazar, Gwalior.
  2. Maheshchandra Goyal S/o Shri Nathulal Goyal,
  - 2. Maneshchandra Goyal 8/0 Shri Nathulal Goyal R/0 Pachor, Gwalior.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I NPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land No. 1307'18, Chhatri Balwantashwar Chandrabadni Naka, Gwalior, which is the immovable property mentioned and described in the form No. 37-G verified by the transferees.

D. P. PANTA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
4th Floot, Gangotri Bulding,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 19-8-1982.

#### FORM NO I.T.N S ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th August 1982

Ref. No IAC Acqn/Bpl/2895—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land situated at Vill. Mahalgaon, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalio: in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Scindhiya Devasthan Trust, Gwalior,

(Transferor)

(2) (1) Harishchandra (2) Sureshchandra, R o Phalke ka-Badai Lashkar, Gwalioi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land at Mahalgaon, Distt Gwalior which is the immovable property mentioned and described in the form No 37-G verified by the transferees S Shii Sureshchandia and Harish Chandra

D P. PANTA.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Flor, Gangotri Building,
i T Nagar, BHOPAL

Date 17-8-1982

FORM NO. 1,T.N.S. ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal the 18th August 1982

Ref. No IAC Acqn Bpl/2896.—Whereas I, D. P. PANTA. being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Plot No. 64 situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 31-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
41—256G1/82

(1) Shri Arun Kumar Jain Seo Shri Tarachandra Jain. Asssitant Commissioner of Excise, Sugra.

(Transferor)

(2) Shri Harishankar Tiwari S o Shri Taxminarayan Tiwari, R/o Ramnagar Colony, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

One Plot No. 64 with construction thereon at Ram Nagar Colony, Bhopal.

D. P. PANTA.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, FHOPAL.

Date: 18-8-1982.

FORM NO. I.T.N.S. ---

 Shii Dalipsingh S/o Punamehandia Mishia, R/o Pan Guradiya. Budhni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jaswantsingh S/o Bherusingh R/o Pan Guradiya, Budhni.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 17th August 1982

Ref. No. IAC Acqn Bpl 2897. Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Kh. No. 141/2 situated at Vill. Pan Buradiya, Budhni (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhni on 26-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

I and Kh. No. 141 '2 situated at Vill. Pan Guradiya, Budhni

D. P. PANTA.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 17-8-1982

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Smt. Surjit Kaur Virdi & Othors.

(liansteroi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Smt. Shakuntala Jain, Raipur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th August 1982

Ref. No IAC Acq/Bpl 2898.—Whereas, I D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269(B) if the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 6/10, 7/10, Block No. 14 situated at Raipun (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 15-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Mucl. Block No. 14, Plot 6/10, 7/10, at Raipui.

D. P. PAN1A.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 18-8-1982.

#### FORM NO. I.T.N.S .--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th August 1982

Ref. No. 1AC/Acqn. Bpl 2899.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 31 2 situated at State Bank Gali, Raigarh (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raigarh on 29-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

(1) Gov.nd Rao, Gopal Rao, Laxman Rao & Narhan S/o Anand Vaidiya, Smt. Sandhya Wd/o Rambabu Vaidiya Raigarh, Gandhi ganj, Raigarh Ward No. 15, Raigarh.

(Transferor)

(2) Sardai Gurubachansingh (2) Sardai Iqbarsingh S/o Mukundlal Anuja, Raigarh Ward No. 15 (3) Sardai Harbansingh S o Shii Harnamsingh (4) Sardai Aloksingh S o Harjasingh R/o Pathalgaon, Dharmigarh, Raigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or α period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House on Nazul Plot No. 31/2 at State Bank Gali, Raigarh.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 18-8-1982.

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Laxman Prasad S/o Badalram, 14, Parsi Mohalla, Main Road, Indore.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Sita Bai W/o Anandilalji, Beawara.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn Bpl/2900.—Where is I, D. P. PANTA, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 14 situated at Sanyogithaganj, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

No. 14, at Parsi Mohalla Main Road, Sanyogithaganj, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18-8-1982.

#### FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAI, M.P.

Bhopal, the 18th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2901.—Wheeras I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mucl. H. No. 43/46 situated at Maharaja Tukoji Rao Cloth Market, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kamlkishore
 (2) Radhamohan
 (3) Rajkishore
 (4) Chandramohan
 S/o
 Krishnadasji
 Mehta,
 R/o
 220, Sanghi
 Street, Mhow.

(Transferor)

(1) Jawahar S/o Shri Gheverchand
 (2) Vijaykumar S/o Shri Gheverchand
 R/o 46, Anoopnagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Mucl. H. No. 43/46 at Maharaja Tukoji Rao Cloth Market, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 18-8-1982.

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Rani Mehiotra W 'o Rajkishore Mehiotra, R o Beliumpura, Gouda—U.P. at present Padav, Tansen Road, Gwalior

--------

(Transferer)

(2) Smt. Munni Devi Agrawal W/o Laxmandasjt Agrawal, R/o Shitole Saheb ke Bada, Jiyandraganj Nagar, Lashkar Gwalior (Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

# OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2902 — Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing

Mucpl No. 26/68 situated at Tansen Road. Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering offices at Gwalior on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Mucl. H. No. 26/68, situated at Tansen Road, Padav Nagar, Gwalior.

D. P. PANTA.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, PHOPAL.

Date: 18-8-1982

### FORM ITNS ---

I. Bhopalsingh, 2. Rajaram,
 Halke altas Vijaysingh, 4. Batelol
 All S/o Shri Puranlal
 Ram Swaroop S/o Shri Ramsingh,
 R/o Vill, Luhari, Paten, Jabalpur.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Anubha Choube W/o Sh. V. C. Choube, R/o 1518, 1519, Wright Town, labalpur. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th August 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/2903.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

House No. 1518/1, 1519 situated at Wright Town, Jabalpu (and more fully described in the Schedule annexd hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 2-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C J hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 1518 & 1519 at Wright Town, Jabalpur,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date: 18-8-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Satheedevi, D/O Mankuzhivettil Saraswathi Amma, Kakkulissery, Trichur.

(Transferor)

(2) Smt. Susamma John W/o Thettayil John, Trichur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BLDGS.
ANAND BAZAR, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 16th August 1982

Ref. No. L.C. 589/82-83.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at Trichur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 30-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said \ct. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the taid Act, to the following persons, namely:—
42—256GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

# NEW DELHI

7.375 cents of land with a double storeyed building in Sy. No. 133/1 of Trichur village.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ernakulam

Date: 16-8-1982

#### FORM I.T N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)  Smt. Tara Devi Barkat Rai D/o Shri Balaram Singh Thakur 340 Sachapir Street, Poona.

(Transferor)

(2) M/s. Deepak Real Estate Enterprises 112, Maredpally. Secunderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyder ibad, the 18th August 1982

Ref. No. RAC 104/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-4-1, 3-4-783/4 situated at Barkat pura, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikadpally on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. 3-4-1, 3-4-783/4 Geetha Nikathan at Kachiguda Road, Barkatpura Hyderabad area 868 sq. yards registered with S.R.O. Chikadpally vide Doc. No. 1080/81.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 18-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Sri P. V. Rajeswar Rao
 Sro Sri Raghavendra Rao
 40/4 RT Barkatpura, Hyderabad.

(Transferor

(2) Dr. Nand Kumar Dikshit S/o Shri Devidas Rao 3-4-1013/24 Barkatpura Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th August 1982

Ref. No. RAC 103/82-83.—Whereas, J. M. JEGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No

and bearing No. H. No. 60/4RT situated at Barkatpura Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Chikadpally on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House 60/4RT M. No. 3-4-512/26 Barkatpura Hyderabad area 404.44 sq. yards registered with Sub-Registrar Chikadpally vide Doc. No. 993/81.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 18-8-1982

Scal:

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th August 1982

Ref. No. RAC 102/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN

being the competent authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinæfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16-7-737 situated at Kattalguda Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propety, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the respect of any income arising from the transfer; 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1951);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. Damely:—

 Dr. H. B. Kulkarni S/o Shri Balwant Rao 1510 East, 1100 North Logan Utah 84321 U.S.A. GPA Syndicate Bank By Dept. G.M. Sri V. S. Parkal Nizamshahi Road, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. Potti Rajehwari
 W/o Sri Narsimha Rao
 Smt. Kalva Shyamala
 W/o Sri Prabhu Rao
 H. No. 8-4-37 Krishna Colony Warangal.

(Local address C/o Janata Fruit Company Kattalguda, Chaderghat, Hyderabad)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 16-7-737 area 1285 sq. yards at Kattalguda Near Kamal Talkies Hyderabad registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 6994/81.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 18-8-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th August 1982

Ref. No. RAC 101/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3-4-138 situated at Barkatpura Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore. In pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sri Narayan Vishwanath Joshi C/o Mahendala Model Colony, Poona-5.
 (3-4-138 Burkatpura Hyderabad)

(Transferor)

(2) Sri Suresh Keshav Patwardhan S/o Keshav Shankar Patwardhan 3-4-138 Barkatpura, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Portion of (First floor) H. No. 3-4-138 Barkatpura Hyderabad area 1439 sq. ft. registered with Sub-Registran Secunderabad vide Doc. No. 7000/81.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 18-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th August 1982

Ref. No. RAC 100/82-83.---Whereas, I, M. JEGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-829/1 situated at J.N. Road Abids, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facility rg the concealment of any income or any mone or other assets which have not been or which aght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Board of Trustees Emily Cornellum Memorial Trust Abid Road, Hyderabad, Rep. by Chairman G. Pulla Reddy S/o G. Hussain Reddy,

(Transferor)

(2) Late Smt. Sarojini Naidu Memorial Trust, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

M.C.H. No. 4-1-829/a Jawaharlal Nehru Road Abids Hyderabad area 1175.83 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 7696/81.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 18-8-1982

#### FORM ITNS-------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt Sobhadevi Agarwal 4-5-718 Esamia Bazar Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. B. Jyothi Reddy 6-3-864 Sadat Manzil Amcerpet, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P.)

Hyderabad, the 18th August 1982

Rcf. No. RAC 99/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land and situated at Athivelli village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

R.R. Dt. on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land 19-07 Acs in Survey No. 289, 292, 294 & 296 in Athivelli Village Medchal Taluk R.R. Dt. Registered with Sub-Registrar R.R. Dt. vide Doc. No. 7751/81.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date: 18-8-1982

Seal;

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Sri P. V. Ramalingeswara Rao
 Sri P. Poorna Chandra Rao
 Sri P. Niranjana Rao
 Sri P. Radhakrishna Murthy
 Sri P. Ranga Rao
 GPA for 2 to 5 Sri P. V Ramalingeswara Rao
 1-9-286/4/2 Vidyanagar, Hyderabad.

(Transfe)

(Transferor)

1. R. Chokka Rao
 2. R. Chandra Sekhar
 4-3-75 Zaheer Mohalla Karimnagar, A.P.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th August 1982

Ref. No. RAC 98/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 1-9-286/4/2 situated at Ramnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1-9-286/4/2 Near Ramnagar Pool Vidyanagar Hyderabad Ground floor 692 sq. ft. 1st floor 692 sq. ft IInd floor 530 sq. ft. total 180.44 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 7385/81.

> M. JEGANMOHAN Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th August 1982

Ref. No. RAC 97 82-83 .-- Wheren. I, M. ILGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Vacant land situated at Saidabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

13-256GI/82

(1) I. Mangalarapu Vikrutan S. o Late Sattatah 2. Darga Swaroopa W/o Vivekananda 3. Kalley Nijarupa W/o Indraprakash GPA Dr. J. Rameswara Rao S/o Venkata Rao 106 B Santoshnagar Colony. Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Sii Vani Co-operative Housing Society Rep. By Satyanarayana S. o D. Venkata Ranga Rao No. 8-105 Shantinagar Colony. Hyderabad.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

# THE SCHFDULE

Vacant land in Survey No. 202 to 205 area 30 guntas at Saidabad Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 7527/81.

M. JEGANMOHAN

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 18-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### Sri Jampala Sivayya S/o Veerana 46/679A Buddarapupeta Kurnool.

(Transfe or)

(2) Kutnool District Government Employees Welfare Association President K. Peddaiah S/o Dastagir 40/58 A.N.R. Pet, Kurnool.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Myderabad, the 18th August 1982

Ref. No. RAC 96/82-83.—Whereas, J, M. IFGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Land situated at Kallur Village, Kurnool Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

f and 10 Ac. 183 cents at Kallur village, Kurnool Dt. registered with Sub-registrar Kurnool vide Doc. No. 5852 '81.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabud (A.P.)

Date: 18-8-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF I'HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 13th August 1982

Ref. No RAC 95/82-83.—Whereas, I, M IEG ANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

10-2-8 situated at A.C. Guards Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Secunderabad on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Sii Arif Mirza S o Sii Faleed Mirza 52 Habsiguda, Hydelabad.

(Transferor)

 1. Sti Ishtiaq Hussam S/o Sri Ashaq Hussain
 2. Smt. Nafees Sultana W/o Sri Ishtiaq Hussain H. No. 10-2-8 A.C. Guards, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

H. No 10-2-8 A.C. Guards Hyderabad area 616 sq. yards registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 7149/81.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1982

FORM ITNS - --

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOMP-1AX

#### ACQUISTION RANGE HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 13th August 1982

Ref No RAC 94/82-83 --- Whereas I, M JEGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

i and situated at Guddimalkapur, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khairatabad on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt B Lakshmi Kusumamba W/o Sii Kishen Rewachand Murchandani H No 1 8 453 Gandhinagar Bakaram Hyderabad

(Fransferor)

(2) M s Serwell co-operative Housing Society 1 td TAB 59 President Si1 G Kondala Rao S/o Ramamurthy 10 2 317/A/19-A Vijayanagai colony Hyderabad 500457

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforcsald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land 1 Acre 7 1/2 guntas in Survey No 234 at Guddimalkapur village Hyderabad registered with Sub Registrar kharratabad vide Doc No 1768/81

M JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date 13-8 1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Smt Rochelle K. Muchandani W/o Sii Kishen Rewachand Muchandani H. No. 103 Park lane, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Susheelabai Agarwal W/o Sri Ratanlal Agarwal H. No. 8-3-315/2 Yousufguda, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 11th August 1982

Rct No RAC 93/82-83.—Whereas, I, M #EGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 8-3-315/2 situated at Yousufguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Naturalabad on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agoed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1857);

Now, therefore, in pursuance of Section 269th of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I XPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

H. No 8-3-315/2 Yousuf guda, Hyderabad area 951 sq vards registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc No 1761/81.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN' COMMISSIONER OF INCOMETAX

CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUF CIRCLE

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th August 1982

Ref. No. Rej/IAC (Asg.) / 1309.—Whoreas, I. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 26-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii Anand Singh S/o Shii Rewat Singh R/o Rewat Niwas, Gulab Sagar, Jodhpui. (Transferor)
- (2) Shii Madan Lal S/o Shii Keshar Mal Ji, R/o Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 2, situated near P.W.D. Colony, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R, Jodhpur vide No. 2904 dated 26-12-81.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipun

Date : 20-8-1982 Scal : 

### FORM 1.1.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMISTAX
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUTF CIRCLE,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th August 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1310.--Whereas, I MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rr. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Todhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 26-12-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shui Anand Singh S/o Shri Rewat Singh Rajput, R o Rewat Niwas, Gulab Saga, Jodhper (Transferor)

(2) Shii Chaturbhuj R/o Jodhpur

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

FXPI ANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot situated near P.W.D Colony, Jodhpur and morefully described in the sale deed registered by the S. R., Jodhpur vide No. 2905 dated 26-12-81.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, laipur

Date: 20-8-1982

#### FORM ITNS - -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP (AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THI. INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
CI'NTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE,

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th August 1982

Ref. No. Rej/JAC (Asq.) /1311—Whereas, I, MOHAN SINGII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 3 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 26-12-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shu Anand Singh 5/0 Shu Rewat Singh Rajput, R o Rewat Niwas, Gulab Sagat, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Rekha Devi W.o Madan Lal Ji Oswal Jain R.o Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 3, near P.W.D. Colony, Jodhpur and more fully described in conveyance deed respistered at S. No 2906 dated 26-12-81 by Sub-Registrar, Jaipur

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-8-1982

Scal:

FORM 1INS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th August 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq:)/1312.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 120 A situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 31-12-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
44-256GI/82

(I) Shrimati Dariyay Devi W/o Terrai Ji Jain R/o neat Bat-p-La Talab, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Dr. Dashrathmal Bhandari s/o Ranjeet Malji Bhandari r/o Sardarpura, 3rd Road, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I-XPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHFDULE

Plot No. 120-A, Shastri Nagar, oJdhpur and more fully described in conveyance deed registered by Sub-Registrar, Jaipur vide No. 2962 dated 31st Dec., 1981.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th August 1982

Ref. No.: Rej/IAC (Acq.)/1313.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said  $\Lambda$ ct'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Plot No. 334/4/A situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 24-12-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Piyari Bai w/o Mangi Lal Oswal, Purani Dhan Mandi, Jodhpur.
  - (Transferor)
- (2) Shri Prakash Sancheti s/o Sardarmalji

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 334/4/A Shastri Nagar, Jodhpur more fully described in conveyance deed registered by Sub-Registrar, Jodhpur at S. No. 2891 dated 24-12-81.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipun

Date: 20-8-1982

Seal.

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUF BUILDING, STATUE CIRCLF, JAIPUR

Jaipur, the 20th August 1982

Ref. No.: Rej IAC (Acq.)/1314.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaffer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 3 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jodhpur on 26-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—.

- (1) Shri Raju Singh S/o Sh. Anand Singh Rajput, R/o Rewat Niwas, Gulab Sagar, Jodhpur. (Transferor)
- (2) Shri Mahendra Singh S/o Sh. Gyan Chand Ji, R/o Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 3, situated near P.W.D. Colony Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur No. 2907 dated 26-12-81.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date 20-8-1982

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th August 1982

Ref. No.: Rej/IAC (Acq.)/1315.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 2 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 26-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as, agreed to between the porties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

- (1) Shri Raju Singh S/o Sh. Anand Singh Rajput, R/o Rewat Niwas, Gulab Sagar, Jodhpur. (Transferor)
- (2) Shri Kukhraj S/o Keshtimal Ji R o Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 2, near P.W.D. Colony, Jodhpur more tully described in conveyance deed registered by Sub-Registrar, Jodhpur at S. No. 2908 Dated 26-12-1981.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipun

Date 20-8-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th August 1982

Ref. No. 1307.—Whereas, 1 MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No. Mahala House situated at Jaipin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipin on 29-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the confideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

(1) Shrimati Maji Uddav Kunwar Bhatiyani Wd/o Thakur Ummaid Singh, R/o Mahala Village Ptesent R/o Ummaid Bhawan, Chomu House, 'C.' Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Sushma Bahal W/o Sh. Surendra Kumar Bahal, 606-Adaish Nagar, Jaipur.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of property known as Mahala House situated at Khatipura Road, Ajmer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur, vide No. 3145 dated 29-12-81.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 16-8-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th August 1982

Ref. No 1308.—Whereas, I, MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mahala House situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Japun on 29-12-1981

for an apparent consideration which is less than the lan market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid executes the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 ((27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act to the following persons, namely:—

 Shrimati Maji Uddav Kunwar Bhatiyani Wd/o Thakur Umaid Singh, Umaid Bhawan, Chomu House, 'C' Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Suicndia Kumar Bahal S/o Sh. Hans Raj Bahal, 606-Adarsh Nagar, Jaipur.

(liansteree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expues later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

LAPIANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property known as Mahala House, situated at Amer Road, Khatipura Road, Jaipur, more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur, vide No. 3146 dited 29-12-1981.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissiones of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 16.8 1982

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 3rd August 1982

CR. No. 62/33763/Acq/B.—Whereas,e I. MANIU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

46, situated at 17th Cross, Malleswaram, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar under document No. 5331/81-82 on 10-2-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) K. V. Ramachandran, No. 16, 17th Cross, 11th Main Road, Malleswaram Bangalore-55.

(Transferor)

(2) Arjun K. Ahuja & Maya K. Ahuja, 42/I, N. S. lyengar Street, Bangalore.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property rany be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5331/81-82 dated 10-2-1982] All that property bearing No. 46, 17th Cross, Malleswaram, Bangalore.

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-8-1982

Seal

#### FORM I.I.N.S.— - --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 6th August 1982

C.R. No. 62/33682/81-82-ACQ/B.—Whereas, 1 MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 1581-15/A-1, R.S. No. 84-3 & 84-8, 87-A, situated at Kadri village, Kadri Ward, Mongalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore city under document No. 1305/81-82 on 16-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Gration Mascatenhas, No. 14, Sarvathamkhan, Dadar, Bombay-52
  - Mr. Vivian Tiburtius Mascarenhas No. 6, Garden Avenue, England.
  - 3. Mr. Flavian A. Mascarenhas, Brazil No. (1) for self & also as power of attorney holder for No. (2) & (3).

(Tiunsferor)

- (2) (1.) Hector Andrade
  - (2) Maric Andrade serving in Bahrain represented by their general power of Attorney holder Mr. Alick Andrade S/o Vincent Andrade, Bank Officer Mercara Hill, Kadri, Mangalore-2.

(Transferee)

(3) Transferce

(Person(s) in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1305/81-82 Dated 16-12-81] All that property bearing No. T.S. No. 1581-15/A-1, R.S. No. 84-3 & 84-4 87/A, situated at Kadri Village, Kadri Ward, Mangalcee

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Competent Authority
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMEN'I OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGAI ORF-560001

Bangalore, the 3rd August 1982

C.R. No. 62/33749/81-82/Acq./B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Old No. 2, New No. 40, situated at Seshadri Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, under Document No. 3919/81-82 on 10-2-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (7/ of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---45-256 GT/82

- (1) M/s. K. S. R. Trust, No. 19, Shanthappa lane, Bangalore-2, by its Trustee Sri K. P. Satyanarayana Setty. (Transferoi)
- (2) (1) Sevanthilal K. Seth
  - (2) Kantha Ben S. Seth No. 5, Uttaradhimutt lane, Chickpet Cross, Bangalore-53.
  - (3) Shantha Bai Singhvi
  - (4) Smt. Lalitha Singhvi No. 13/10, Singhvi Sadan, P M.K. Road. Shankarapuram, Bangalore-4.
  - (5) Mahendra Kumar K. Parek; No. 59-A, B. V. K. Iyengar Road, Bangalore.

  - (6) Babulal K. Parekh, II Cross Basettypet, Bangalore-53
  - (7) Prakash Chand K. Parekh; Huriopet, Bangalore.
  - (8) Avanthika Praisn Mehta, No 53. Adiappa Naik Street, Madias-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3919/81-82 Dated 15-2-1982] All that property bearing old No. 2, New No. 40, situated at Seshadri Road, Bangalore

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-8 1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# SIONFR OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Bangalore, the 10th August 1982

C.R No. 62/32971/81-82/Acq/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41/4, situated at 15th Cross, Malleswaram, Bangalore-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, under document No. 4451/81-82 on 7-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. Krishnamaraju S/o Changamaraju No 41/2, 15th Cross, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferor)

(2) Shri M. A. Thirunarayana S/o Late M. A. Lakshmi Tatachar, Plot No. Sri Krupam Buildings, 15th Cross, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4451/81-82 Dated 7-12-1981]

All that property bearing No. 41/4, situated at 15th Cross, Malleswaram, Bangalore-3.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Dated: 10-8-1982

S——— (1) Shri B. Baba Madhava Rao, No. 92, Sarojini Devi Road, Secunderabad, Andhra Pradesh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Balaji Enterprises, No. 85/1, Shivashankar, K. H. Road, Bangalore-27.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, BANGALORE

### Bangalore, the 9th August 1982

C.R. No. 62/33252/81-82/Acq/.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15/IC (a portion) situated at Cambridge Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Document No. 2808 on 14-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the

said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 2808 dated 14-12-1981]
A portion of premises No. 15/1C Cambridge Road,
Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 9-8-1982

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 13th August 1982

C.R. No. 62/442/82-83/ACQ/D.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to beheve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 179 situated at Mathodu village, kasaba Hobli Shimmoga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shimoga under document No. 2436/81-82 on 16-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri H. Basavarajappa S/o Sri Gurunanjaiah for himself & as minor guardian of his sons K. Devaraj H. B. Ramprakash, H. Anand & H. Chandrasekharan, Mathodu village, Kasaba—Hobli, Shimoga, Taluk: (2) H. B. Mallikarjun (3) Sri Jagdish Merchants, Balarajeurs Road, Shimoga.

(Transferor)

(2) Sri Anto Thomas Managing Director, M/s. Malnad clay products (P.) Ltd. Sowlauga Road, Shimoga. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2436/81-82 Dated 16-12-81]

All that property i.e. non-agricultural lands situated at S. No. 179 Mathodu village, Kasaba Hobli, Shimoga.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-8-1982

# (1) Smt. Prakash Wati Pal W/o Shri Yaspal (Transferor)

(2) M/s. Anirudh Cold Storage and Allied Industries (P.) Ltd., Lucknow. Through Smt. Meena Anand.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

#### Lucknow, the 20th August 1982

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

1.APLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) lacilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Arazi land situated at Mohalla-Duanyanpur Bhatiari, Disti Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 8286/81 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 29-12-1981.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 20-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 30th August 1982

Ref. No CHD/204/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 1540, Sector 36-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Group Capt. A. K. Mukherjee s/o Shri B. L. Mukherjee r/o 12 Princess Park, Officers Hostel, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Amar Nath s/o St. Sh. Ram Lal, Smt. Ram Piari w/o Sh. Amar Nath Master Kewal Krishan (minor) Master Shami Kumar (minor) Master Madan Gopal (minor) ss/o Sh. Amar Nath all r/o H. No. 1518, Sector 22-B, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

House No. 1540, situated in Sector 36-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1678 of December, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 30-8-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 30th August 1982

Ref. No. CHD/202/81-82.--Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing
No. 1/6th share of Shop No. 212, Sector 29-D, situated at

Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/of

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  (1) Sh. Baboo Ram 8/o Shri Jati Ram r/o House No. 30-M, Industrial Area, Chandigarh,

(Transferor)

(2) Shri Kehar Singh s/o Shri Karta Ram r/o H. No. 395, Sector 20-A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazete.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

1/6th of Shop No. 212, situated in Sector 29-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 1644 of December, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 30th August 1982

No. CHD/203/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. 1/6th share of Shop No. 212, Sector 29-D, situated at

Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Bahno Ram s/o Shri Jati Ram r/o House No. 30-M, Industrial Area. Chandigarh

(Transferor)

(2) Shri Devi Chand s/o Shri Puran Chand r'o H. No. 406, Sector 30-A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

1/6th of Shop No. 212, situated in Sector 29-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 1645 of December, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 30-8-1982

#### FORM ITNS----

(1) M/s. Guru Nanak Tourist Bus Service Company, through Sh. Paramjit Singh s/o Sh. Arjan Singh r/o House 4, Sector 21-A, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ΛCT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shi Inder Nath Gulati s/o Shri Har Bhaj Ram Gulati r/o House No. 42, Sector 28-A, Chandigath. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVINUE BUILDING

Ludhiana, the 30th August 1982

Ref. No CHD/201/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ph. 25 000 / not beginn

Rs. 25,000/ and bearing No. S. C. F. No. 216, situated at Mani Majra U.T. Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the

and in aument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

I vertice to the terms and expressions used herein as are detailed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. F. No. 216, situated in Mani Majra, U. F. Chandigath, (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1579 of December, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

THE SCHEDULE

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the abresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

Date: 30-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 30th August 1982

Rcf. No. CHD/208/81-82.—Whereas, I, SUKHD"V CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

House No. 509, Sector 33B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any meonic arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a. ...s which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

(1) Brig. N. K. Lal r/o 26/4 Akash Puri Colony, Muir Road, Allahabad (U.P.).

(Transferor)

(2) Shri Shyam Sunder (HUF) r/o 1729, Mani Majra, U.T. Chandigath. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 509, situated in Sector 33-B, Chandignih. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1736 of December, 1981 of the Registering Authority Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox
Acquisition Range, Ludhiara

Date: 30-8-1982 Seal: